हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

जबलपुर, रविवार 12 जुलाई 2026

भोपाल में बंगले के बाहर मूंछों पर ताव देते दिखे डॉ. मिश्रा

बेकाबू भीड़ पर आंसू गैस के गोले दागे गए

एक टिकट से तूफान

नरोत्तम का टिकट कटने से डबरा से लेकर दतिया तक शनिवार दोपहर तक बवाल

हाईकमान के आदेश पर नरोत्तम को बुलाकर समझाया, तेवर ठंडे

नरोत्तम का टिकट कटने के बाद दतिया में रात भर और शनिवार दोपहर तक उनके समर्थकों ने बवाल काटा, भाजपा दफ्तर को बंधक बना लिया। हाईवे जाम किया और पथराव इतना किया कि कई पुलिस अफसर घायल हो गए, दिल्ली तक इस उपद्रव की गूंज पहुंच गई

गड्ढों की आड़ लेकर पत्थरों से बचाव करते दिखे पुलिस कर्मी

ऐसे तेवर हुए नरम

- चुनाव हारने के बाद कहा था- मेरा पानी उतरता देख किनारे पर घर मत बना लेना, मैं समंदर हूं लौटकर आऊंगा

टिकट कटने के बाद बोले

- अब जो चाहे किनारे पर घर बना ले

> *केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया दतिया उपचुनाव की कमान संभालेंगे*

हरिभूमि टीम ▶▶ भोपाल/ दतिया

प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का दतिया से टिकट कटने के बाद मचे बवाल पर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने सख्त रुख अपनाया है। प्रदेश नेतृत्व को संदेश दिया है कि नरोत्तम को तलब कर समझाया जाए। उन्हें बता दिया जाए कि इस तरह की अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्यकर्ता पार्टी का निर्णय मान कर काम करें वर्ना एक्शन लिया जाएगा। संदेश मिलने के बाद नरोत्तम शनिवार को पंजाब मेल से भोपाल पहुंचे। यहां प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल सहित अन्य नेताओं ने उनसे बात कर नेतृत्व की मंशा बताई। बताया गया कि पार्टी का निर्णय अंतिम है।

- शनिवार को पंजाब मेल से भोपाल पहुंचे थे नरोत्तम मिश्रा
- समर्थकों ने दी थी चेतावनी- 24 घंटे में बदलें दतिया का टिकट
- नरोत्तम ने दिया स्पष्टीकरण- मैंने टिकट बदलने को नहीं कहा
- खंडेलवाल ने बताई नेतृत्व की मंशा, अनुशासनहीनता जारी रही तो होगा एक्शन
- पथराव में एसपी एएसपी सहित 8 पुलिसकर्मी घायल

सीएम हाउस में मुख्यमंत्री, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने चर्चा की

अध्यक्ष व संगठन महामंत्री को दी सफाई- समर्थकों से शांत रहने की अपील

रात करीब 8.15 बजे सीएम हाउस पहुंचकर डॉ. मोहन यादव के समक्ष रखा अपना पक्ष

भाजपा के 17 नेताओं के खिलाफ एफआईआर

शनिवार सुबह प्रशासन ने पूरे दतिया जिले में बीएनएसएस की धारा 163 लागू कर दी। इसके तहत बिना अनुमति किसी भी सभा, जुलूस, धरना-प्रदर्शन और सार्वजनिक आयोजन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। साथ ही 5 या उससे अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर भी रोक लगा दी गई है। कोतवाली पुलिस ने 17 भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। ऐहतियातन दतिया स्थित भाजपा कार्यालय में करीब 250 कार्यकर्ताओं को अंदर ही रोक दिया गया है। कार्यालय के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया और पूरे इलाके की निगरानी की गई, ताकि स्थिति दोबारा न बिगड़े।

तड़के चार बजे पुलिस पर अचानक पथराव, पुलिस ने ली गद्दों की आड़

नरोत्तम समर्थकों का बवाल शनिवार दोपहर तक जारी रहा। पुलिस अधीक्षक मयूर खंडेलवाल ने 'हरिभूमि' को बताया कि प्रशासन की तमाम अपीलों के बावजूद, शनिवार तड़के करीब 4 बजे प्रदर्शनकारियों ने अचानक पुलिस बल पर भारी पथराव शुरू कर दिया। पुलिस वालों गद्दों की आड़ लेकर खुद को बचाया। हालात को काबू में करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े, जिसके बाद उपद्रवियों ने पथराव और तेज कर दिया। इस हिंसक हमले में 8 से अधिक पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस दौरान खुद एसपी मयूर खंडेलवाल और एडिशनल एसपी को भी चोटें आई हैं। पुलिस पर हमले के बाद सुरक्षा बलों ने दोबारा आंसू गैस का इस्तेमाल किया और इलाके में अपना दबदबा बनाते हुए भीड़ को खदेड़ दिया। पुलिस अधीक्षक खंडेलवाल के मुताबिक उपद्रवी अब अलग-अलग जगहों पर छिप गए हैं। पुलिस ने उन्हें सख्त चेतावनी दी है कि वे या तो खुद आत्मसमर्पण कर दें या शांतिपूर्ण तरीके से वहां से चले जाएं।

सर्वे रिपोर्ट बनी टिकट कटने का कारण

प्रदेश नेतृत्व ने सभी से चर्चा के बाद एक मात्र नरोत्तम मिश्रा का नाम ही दतिया के लिए भेजा था लेकिन केंद्रीय नेतृत्व को मिली सर्वे रिपोर्ट में नरोत्तम की जीत पर आशंका व्यक्त की गई थी। पिछला चुनाव वे हार चुके थे और प्रचार अभियान के दौरान जनता से माफी मांगना भी उनके खिलाफ गया।

भाजपा दफ्तर में नजरबंद कार्यकर्ता

बोले नरोत्तम मिश्रा

अब टिकट मिलने की कोई उम्मीद नहीं

नेतृत्व के बुलावे पर भोपाल पहुंचे नरोत्तम ने मीडिया से बातचीत में स्वीकार किया कि अब टिकट मिलने की कोई उम्मीद नहीं है और उम्मीद लगानी भी नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि दतिया से भाजपा ने आशुतोष को टिकट दिया है। मैं उन्हें जिताने के लिए काम करूंगा। दतिया में पथराव और कुछ पुलिस वालों के घायल होने पर दुख जताते हुए नरोत्तम ने कहा कि विरोध का यह तरीका ठीक नहीं है। अपनी बात उचित फोरम पर ही रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो कार्यकर्ता आक्रोशित हैं, उन्हें मनाने की कोशिश की जाएगी। मैं उनसे बात करूंगा।

सीएम डॉ. यादव ने कहा

दतिया में भी जारी रहेगा विजय अभियान

इंदौर में मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भाजपा का विजय अभियान लगातार जारी है। दतिया से भाजपा प्रत्याशी की घोषणा हो चुकी है और बाबा महाकाल की कृपा से वहां भी पार्टी का यह विजय अभियान जारी रहेगा।

डिप्टी सीएम देवड़ा ने कहा

दतिया में संगठन का निर्णय सर्वोपरि

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि दतिया उपचुनाव को लेकर लिया गया निर्णय भारतीय जनता पार्टी का निर्णय है, जिसे सभी शिरोधार्य करते हैं। संगठन हमारे लिए सर्वोपरि है। पार्टी ने जो निर्णय लिया है, उसका सभी नेता और कार्यकर्ता पूर्ण निष्ठा के साथ पालन करेंगे। डॉ. नरोत्तम पार्टी के वरिष्ठ एवं अनुभवी नेता हैं। वे संगठन की कार्यप्रणाली से भली-भांति परिचित हैं।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय बोले

टिकट बदलने की परंपरा भाजपा में नहीं

नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि टिकट घोषित होने के बाद उसे बदलने की परंपरा भाजपा में नहीं रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें नहीं लगता कि दतिया का टिकट बदला जाएगा। उनके अनुसार आशुतोष तिवारी पूर्व संगठन मंत्री रह चुके हैं और पार्टी के मजबूत कार्यकर्ता हैं। नरोत्तम की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि वे भाजपा के वरिष्ठ और समर्पित नेता हैं ।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 674.19 अरब डॉलर पर पहुंचा

मुंबई। भारत की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी राहत की खबर है। भारतीय रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 3 जुलाई 2026 को समाप्त सप्ताह में देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 7.26 अरब डॉलर के मजबूत उछाल के साथ 674.19 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। पिछले सप्ताह इसमें गिरावट देखी गई थी। इस बढ़ोतरी में सबसे बड़ा योगदान फॉरेन करेंसी एसेट्स का रहा, जो 4.51 अरब डॉलर बढ़कर 545.58 अरब डॉलर हो गया। इसके साथ ही सोने का भंडार भी 2.67 अरब डॉलर बढ़कर 105.21 अरब डॉलर पर पहुंच गया है।

स्वास्थ्य विभाग अलर्ट : चार अन्य भी संक्रमित

कोविड-19 की वापसी? आंध्र प्रदेश में चार साल बाद पहली मौत से 'हड़कंप'

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

साल 2020 से 2023 के बीच पूरी दुनिया ने कोरोना वायरस का भयावह दौर देखा था। हालांकि, पिछले दो वर्षों से संक्रमण के मामलों में भारी गिरावट आने के कारण लोगों ने यह मान लिया था कि कोविड अब बीते दौर की बात हो चुका है। लेकिन, हाल ही में सामने आए कुछ मामलों ने इस घातक महामारी के दोबारा पैर पसारने की आशंका को जन्म दे दिया है। मुंबई में संदिग्ध मामले मिलने के बाद, अब आंध्र प्रदेश से आई एक दुखद खबर ने देश भर में चिंता बढ़ा दी है। आंध्र प्रदेश में करीब चार साल के लंबे अंतराल के बाद कोविड-19 से पहली मौत दर्ज की गई है। इसके साथ ही चार अन्य लोगों में भी कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। राज्य के कडपा जिले में 46 वर्षीय एक व्यक्ति को सांस लेने में गंभीर तकलीफ और लगातार खांसी की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

- तीन मरीज फिलहाल होम आइसोलेशन में
- चौथे मरीज को अस्पताल में भर्ती कराया गया
- इन सभी को दो बार वैक्सीन लग चुकी थी

एआई इमेज

वैक्सीन के बावजूद संक्रमण से उठे सवाल

कडपा वायरोलॉजी लैब में किए गए आरटी-पीसीआर टेस्ट में चार अन्य मरीज पॉजिटिव पाए गए हैं। इनमें से तीन मरीज फिलहाल होम आइसोलेशन में हैं, जबकि हल्के लक्षण वाले चौथे मरीज को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस पूरे मामले में सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात यह है कि सभी संक्रमितों का पूर्ण टीकाकरण हो चुका था और उन्हें वैक्सीन की दोनों खुराकें लग चुकी थीं। इनमें से एक मरीज ने तो बूस्टर डोज भी ली थी। इस घटना के बाद से स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। प्रभावित क्षेत्रों में कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग और कंटेनमेंट के उपाय तेजी से शुरू कर दिए गए हैं। वैक्सीन की दोनों डोज लेने के बाद भी संक्रमित होने की इस घटना ने एक बार फिर विशेषज्ञों को नए वैरिएंट्स और सुरक्षा उपायों पर दोबारा सोचने के लिए मजबूर कर दिया है।

फॉर्च्यून इंडिया मोस्ट पावरफुल वूमेन 2026 सूची का अनावरण

सूची में श्रीमती नीता अंबानी प्रथम स्थान पर रहीं

श्रीमती नीता एम. अंबानी को इस वर्ष की फॉर्च्यून मोस्ट पावरफुल वुमेन सूची में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। उन्हें यह सम्मान उनके दूरदर्शी विज़न, प्रभावशाली नेतृत्व तथा रिलायंस फाउंडेशन के माध्यम से संस्थान निर्माण और समावेशी विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए मिला है। रिलायंस फाउंडेशन अब तक 10 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर चुका है, जिनमें 2.9 करोड़ बच्चे शामिल हैं।

फॉर्च्यून इंडिया ने शुक्रवार को मुंबई के फोर सीजन्स होटल में अपने प्रमुख मोस्ट पावरफुल वूमेन 2026 समारोह का आयोजन किया, जिसमें व्यवसाय, वित्त, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, सार्वजनिक नीति और उद्यमिता जगत की भारत की अग्रणी महिला नेताओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर फॉर्च्यून इंडिया मोस्ट पावरफुल वूमेन 2026 सूची का अनावरण किया गया, जिसमें उन 100 महिलाओं को सम्मानित किया गया जिनका नेतृत्व देश की अर्थव्यवस्था और कारोबारी परिदृश्य को नई दिशा दे रहा है। शाम के दौरान नेतृत्व के भविष्य, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), वित्तीय सशक्ति करण, उद्यमिता, समावेशन और राष्ट्र-निर्माण जैसे विषयों पर कई प्रभावशाली और ओजस्वी विचारों से परिपूर्ण सत्र आयोजित किए गए।

कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में से एक के रूप में रिलायंस फाउंडेशन की चेयर पर्सन और इस वर्ष की नंबर 1 मोस्ट पावरफुल वूमेन नीता अंबानी ने नेतृत्व की व्यापक परिभाषा पर जोर देते हुए कहा कि नेतृत्व का आधार करुणा, समावेशन और अवसर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के भविष्य के लिए बेटियों में निवेश करना अत्यंत आवश्यक है। विभिन्न सत्रों में उद्योग जगत के नेताओं ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यद्यपि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, भू-राजनीतिक बदलाव और तेजी से विकसित हो रही तकनीक उद्योगों को बदल रही है, फिर भी प्रभावी नेतृत्व की असली पहचान जिज्ञासा, दृढ़ता, ग्राहक-केंद्रित सोच और मानवीय विवेक ही रहेंगे। वित्तीय समावेशन पर हुई चर्चाओं में इस बात पर बल दिया गया कि महिलाओं के सशक्तिकरण का अगला चरण केवल वित्तीय सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें संपत्ति सृजन और वित्तीय निर्णय लेने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में समावेशी कार्यस्थलों के निर्माण, लंबे समय तक प्रभाव छोड़ने वाले उपभोक्ता ब्रांड विकसित करने तथा विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी सार्थक चर्चा हुई। मोस्ट पावरफुल वूमेन मंच आज भारत के सबसे प्रभावशाली नेतृत्व मंचों में से एक के रूप में अपनी पहचान और प्रभाव लगातार मजबूत कर रहा है। वर्ष 2026 का यह संस्करण इस बात की पुनर्पुष्टि करता है कि फॉर्च्यून इंडिया व्यवसाय और समाज में सार्थक परिवर्तन लाने वाली महिलाओं को सम्मानित करने और उनकी उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के अपने संकल्प के प्रति प्रतिबद्ध है।

नीता अंबानी, चेयरपर्सन, रिलायंस फ्राउंडेशन, इम्पैक्ट लीडरशिप

रेल मदद और उपभोक्ता आयोग में शिकायत, रेलवे ने शुरू की जांच

शताब्दी एक्सप्रेस में परोसी गई एक्सपायरी ब्रेड, तबीयत बिगड़ी

छोटे बच्चों समेत कई यात्रियों को फूड पॉइजनिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

दिल्ली से भोपाल आ रही शताब्दी एक्सप्रेस में शनिवार सुबह यात्रियों को नाश्ते में एक्सपायरी ब्रेड परोसने का मामला सामने आया। इससे छोटे बच्चों सहित अन्य यात्रियों को फूड पॉइजनिंग हो गई। इस मामले में रेलवे की ओर से जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार 12002 नई दिल्ली-रानी कमलापति शताब्दी एक्सप्रेस के सी-4 कोच के करीब 74 यात्री सफर कर रहे थे। यहां नाश्ते में एक्सपायरी डेट की ब्रेड परोसी गई। ज्यादातर यात्री ब्रेड खा चुके थे। इसी दौरान एक यात्री ब्रैड पैकेट पर लिखी तारीख यानी यूज बाय डेट 10 जुलाई 2026 देखी। इसके बाद यात्रियों ने वेंडरों से पूछताछ की। तो मामला सही पाया गया। इसके बाद इस मामले की जानकारी अन्य कोच के यात्री को भी लगी।

खबर संक्षेप

प्रदेश अध्यक्ष, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री से मिले दतिया प्रत्याशी तिवारी

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल एवं क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल से दतिया विधानसभा उपचुनाव के पार्टी प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने भोपाल में सौजन्य मुलाकात की। प्रदेश अध्यक्ष खण्डेलवाल एवं क्षेत्रीय संगठन महामंत्री जामवाल ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान भाजपा प्रदेश कार्यालय मंत्री श्याम महाजन एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर उपस्थित रहे।

जांच से बचने राजनीतिक प्रतिशोध का झूठा नैरेटिव गढ़ रही कांग्रेस : हेमंत

भोपाल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि आपराधिक जांच से बचने के लिए राजनीतिक प्रतिशोध का झूठा नैरेटिव गढ़ना कांग्रेस की पुरानी राजनीति रही है। जीतू पटवारी का बयान तथ्यों से परे, भ्रामक तथा राजनीतिक लाभ लेने का एक असफल प्रयास है। जिस व्यक्ति के समर्थन में कांग्रेस खड़ी है, उसके विरुद्ध पूर्व से ही कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। खण्डेलवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार प्रदेश में जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। अपराधी कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा।

निगम-मंडलों में बिना देरी मिले शासन की सुविधाओं का लाभ

भोपाल। मप्र निगम मंडल अधिकारी कर्मचारी महासंघ के प्रांताध्यक्ष अजय श्रीवास्तव नीलू ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से निगम मंडलों में शासन द्वारा जारी किए गए आदेशों में सुविधाओं का सीधा लाभ बिना देरी से देने की मांग की है। श्रीवास्तव ने बताया कि निगम मंडलों में कई वर्षों तक इंतजार करना पड़ता है।

निर्देश के बाद विभागों में पदोन्नति की रफ्तार बढ़ी, अधिकांश विभाग सूची जारी करने में जुटे

विभागीय पदोन्नति को लेकर उल्टी गिनती शुरू, 13 के पहले सभी पदोन्नति निबटाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र में पदोन्नति को लेकर विभागों की तैयारी अब अंतिम दौर में है। 13 जुलाई को हाईकोर्ट में इस मुद्दे को लेकर सुनवाई है। ज्यादातर विभागों की कोशिश है कि इससे पहले पदोन्नति की पूरी सूची जारी कर दी जाए। हालांकि कुछ विभाग ऐसे भी हैं, जिनकी नजर में इस तारीख के कोई मायने नहीं है। यदि हाई कोर्ट से कुछ निर्णय हुआ तो पदोन्नति रुक जाएगी, नहीं हुआ तो पदोन्नति कर दी जाएगी।

एक दिन पहले खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने पिछले 10 वर्षों से रुके पड़े थोक बंद पदोन्नति की सूची जारी की है। इस अनुसार संयुक्त संचालक शशांक मिश्र को पदोन्नति के बाद अपर संचालक बनाया गया है। इन दोनों अधिकारियों की पदस्थापना यथावत रहेगी। उप संचालक श्रीमती ज्योति शाह नरवरिया को स्थानापन्न रूप से संयुक्त संचालक के पद पर पदोन्नत किया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि उपरोक्त समस्त पदोन्नतियां सुप्रीम कोर्ट के समक्ष लंबित विशेष अनुमति याचिका तथा उच्च न्यायालय की ओर से भविष्य में पारित किए जाने वाले आदेशों के अध्याधीन होगी।

खास बातें

- हाईकोर्ट से निर्णय हुआ तो पदोन्नति रुक जाएगी, वरना पदोन्नति कर दी जाएगी
- दोनों अधिकारियों की पदस्थापना रहेगी यथावत

फाइल फोटो।

लोक निर्माण विभाग में तेजी से काम शुरू

लोक निर्माण विभाग में सहायक यंत्री से कार्यपालन यंत्री व अधीक्षण यंत्री के पद पर पदोन्नति की फाइल विभागीय मंत्री के पास अनुमोदन के लिए भेजी गई है। मंत्री के अनुमोदन के बाद सूची जारी कर दी जाएगी। हालांकि जो इंजीनियर काफी जुगाड़ के बाद अभी हाल में ही कार्यपालन यंत्री व अधीक्षण यंत्री बने हैं, उनकी पदस्थापना को लेकर उहापोह की स्थिति पैदा हो गई है। चूंकि पदोन्नति के बाद ऐसे इंजीनियर उस जगह पर पदस्थ होंगे या अन्यत्र भेजे जाएंगे। इय पर मंथन शुरू हुआ है। जबकि आबकारी व वाणिज्यिक कर में संचालनालय स्तर पर अभी फाइल ही नहीं आई है। पहले मंत्रालय फाइल आने के बाद उसे लोक सेवा आयोग भी भेजा जाएगा। ऐसे में उहापोह की स्थिति मची हुई है।

सहायक संचालक से उपसंचालक पर पदोन्नत

जारी आदेश के अनुसार प्रभारी जिला आपूर्ति नियंत्रक भोपाल चंद्रभान सिंह जादौन को पदोन्नति के बाद जिला आपूर्ति नियंत्रक भोपाल बनाया गया है। मीना मालाकार को प्रभारी उप संचालक से उप संचालक, मोहनलाल मारू को प्रभारी जिला आपूर्ति नियंत्रक इंदौर को भी जिला आपूर्ति नियंत्रक इंदौर, ज्योति जैन सिंघाई को प्रभारी उप संचालक से उप संचालक बनाया गया है। इसी तरह पदोन्नति के बाद रश्मि साहू को जिला आपूर्ति नियंत्रक नर्मदापुरम, ज्योति बघेल को उप संचालक तथा शालू वर्मा को जिला आपूर्ति नियंत्रक उज्जैन में पदस्थ किया गया है।

चाकू और पत्थर से हमले के बाद कुएं में फेंका शव

विवाहिता ने प्रेमी को घर बुलाकर तीन आरोपियों के साथ मिलकर की हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

सोशल मीडिया में लगातार ट्रेंड देखने को मिल रहा है कि आये दिन महिलाये अपने पति, बॉयफ्रेंड को मारने के नए नए तरीके अपना रही है। इसी बीच बीजापुर जिले के मिरतुर थाना क्षेत्र में रहने वाले एक युवक को उसकी शादीशुदा प्रेमिका ने अपने घर शांतिनगर मिलने के लिए बुलाया, जहां पहले से ही प्रेमिका ने 3 युवकों के साथ मिलकर पहले प्रेमी को चाकू मारने के बाद पत्थर से सिर पर हमला करते हुए प्रेमी को कुएं में फेंक दिए। कुछ लोगों ने घायल को देखकर उसे उपचार के लिए मेकाज लाया गया। जहाँ उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले की जानकारी देते हुए मृतक दिलीप के बड़े भाई दुर्गेश कडियम ने आरोप लगाते हुए बताया कि दिलीप का एक शादीशुदा युवती से पिछले सालभर से अफेयर चल रहा था। दिलीप व उसकी शादीशुदा प्रेमिका दोनों बीजापुर के नगर पालिका में ही काम कर रहे थे। प्यार के दौरान दिलीप को पता चला कि उसकी प्रेमिका शादीशुदा है। इन सबके बाद भी दिलीप प्रेमिका को अपनाने के लिए तैयार था। लेकिन शायद उसे दिलीप के अलावा अन्य किसी से प्यार था।

पुलिस कर रही मामले की जांच

5 जुलाई को प्रेमिका ने उसे अपने घर बीजापुर शांतिनगर बुलाया। जहाँ प्रेमिका ने अपने 3 से 4 दोस्तों को पहले से ही बुलाकर रखा हुआ था। जहाँ बात करने के दौरान दोनों के बीच में किसी बात को लेकर विवाद हो गया और प्रेमिका ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर पहले पत्थर से सिर में हमला किया। उसके बाद उसे चाकू से ताबड़तोड़ हमला करते हुए घायल कर दिया। इससे भी युवती का मन नही भरा तो उसने युवक को कुँए में फेंक दिया। इस घटना की जानकारी परिजनों को मिली। घायल दिलीप को उपचार के लिए बीजापुर जिला अस्पताल ले जाया गया। जहाँ से उसकी खराब स्थिति को देखते हुए मेकाज रेफर कर दिया गया। जहाँ उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई। इस घटना के बाद पुलिस ने शव का पीएम करवाते हुए परिजनों को सौप दिया गया।

पैसे के लेन-देन के चलते वारदात को दिया अंजाम

युवक पर थर्माकोल पेपर कटर से जानलेवा हमला, आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ सक्ती

जिला मुख्यालय में स्टेशन के पास युवक पर थर्माकोल पेपर कटर से जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी कृष्णा सारथी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पूछताछ में पैसे के विवाद के बाद गुस्से में हमला करना स्वीकार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त खून से सना थर्माकोल पेपर कटर भी बरामद कर लिया है। मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109(1) के तहत कार्रवाई की गई है। मामला सक्ती थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार, 8 जुलाई की रात स्टेशन क्षेत्र में हुए विवाद के दौरान आरोपी कृष्णा सारथी ने अभय चौहान उर्फ साहिल उर्फ बोंगा के गले और सीने जैसे शरीर के अत्यंत संवेदनशील अंगों पर लगातार वार किए। गंभीर रूप से घायल साहिल किसी तरह मौके से

निकलकर पास के एक होटल में पहुंचा, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने डायल 112 और पुलिस को सूचना दी। घायल को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सक्ती ले जाया गया, जहां से उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जांजगीर और बाद में बेहतर उपचार के लिए बिलासपुर रेफर किया गया। वर्तमान में उसका इलाज बिलासपुर के एक निजी अस्पताल में जारी है।

सक्ती जिले के अड़भार क्षेत्र की घटना, जांच जारी

नाबालिग छात्र के साथ अपहरण और मारपीट की घटना, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सक्ती

जिले के अड़भार क्षेत्र में एक नाबालिग छात्र के साथ कथित रूप से अपहरण कर मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। शुरुआती जांच मे आरोपियों में अधिकांश नाबालिग होने की बात सामने आ रही हैं।

8-9 बाइक सवार आरोपियों पर बेरहमी का आरोप

जानकारी के अनुसार, आत्मानंद स्कूल में पढ़ने वाला नाबालिग छात्र सुबह करीब 11 बजे स्कूल जाने के लिए घर से निकला था। परिजनों का आरोप है कि रास्ते में चार मोटरसाइकिलों पर सवार 8 से 9 युवकों ने उसे जबरन अपने साथ ले जाकर शनि मंदिर के पीछे स्थित गौठान के पास पहुंचाया। वहां उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। परिजनों का आरोप है कि आरोपियों ने छात्र के कपड़े उतरवाकर उसके साथ लात-घूंसों और थप्पड़ों से मारपीट की। इस दौरान किसी ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में घटना को लेकर चर्चा का माहौल है।

- शनि मंदिर के पीछे स्थित गौठान के पास ले जाकर की मारपीट
- प्रारंभिक जांच में अधिकांश आरोपी प्रतीत हो रहे हैं नाबालिग

आरोपियों की पहचान के प्रयास तेज

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल ने बताया कि नाबालिग से मारपीट की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है। मामले में शामिल आरोपियों की पहचान की जा रही है और उनकी तलाश जारी है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में अधिकांश आरोपी नाबालिग प्रतीत हो रहे हैं। घटना के पीछे की वजह और अन्य परिस्थितियां विवेचना पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेंगी।

जबलपुर, रविवार 12 जुलाई 2026 ■ आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष-13 ■ वर्ष : 21, अंक : 71 ■ पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 * मौसम अधि. 32 न्यून. 27 haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

वियतनाम में दर्दनाक हादसा

पर्यटकों से भरी बोट पलटने से 15 भारतीयों की मौत, 32 भारतीय थे सवार

किनारे से 400 मीटर पहले ही मौत ने घेरा

- तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के थे ज्यादातर लोग
- किसी भी पर्यटक ने नहीं पहनी थी लाइफ जैकेट
- हादसे के समय समंदर में काफी ऊंची और तेज लहरें उठ रही थीं

हादसे के वक्त पर दो दावे

1 हादसा सुबह करीब 10:30 बजे हुआ
2 हादसा दोपहर करीब 1 बजे हुआ

एजेंसी ▶▶ हनोई/नई दिल्ली

वियतनाम के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल फु क्वोक द्वीप के पास शनिवार को एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया है। भारतीय पर्यटकों को ले जा रही एक तेज रफ्तार स्पीडबोट समंदर में अचानक पलट गई। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 15 भारतीय पर्यटकों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं। बताया जा रहा है कि बोट पर कुल 36 लोग सवार थे, जिनमें से 32 पर्यटक भारत के थे। इनमें से अधिकांश लोग दक्षिण भारतीय राज्यों, मुख्य रूप से तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के रहने वाले थे।हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और तटीय सुरक्षा एजेंसियों ने युद्ध स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य (रेस्क्यू ऑपरेशन) शुरू कर दिया है।

हेल्पलाइन नंबर जारी

- भारतीय मिशन ने आश्वस्त किया है कि वे वियतनाम में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों और उनके परिवारों की हर संभव मदद और उनके हर सवाल का जवाब देने के लिए 24 घंटे उपलब्ध हैं। पीड़ित परिवार किसी भी तरह की जानकारी या सहायता के लिए इन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं।
- **फुक्वोक कंट्रोल रूम:** +84 36 281 7930, +84 91 552 37 14, और +84 33 452 0414
- **हनोई मुख्य कंट्रोल रूम:** +84 91 308 9165

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जताया गहरा दुख

वियतनाम में हुई बोट दुर्घटना बेहद दुखद है। इस हादसे में अपनी जान गंवाने वाले भारतीय नागरिकों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। वियतनाम में भारत का दूतावास और वाणिज्य दूतावास स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर प्रभावितों को हरसंभव सहायता पहुंचाने में जुटे हैं। हमारे अधिकारी वियतनाम के उच्च अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क बनाए हुए हैं।

खबर संक्षेप

सूदखोरों से परेशान किसान ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

ग्वालियर। सूदखोरों की प्रताड़ना से तंग आकर मुरार निवासी किसान तिलक सिंह राणा ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। टक्कर इतनी जोरदार थी कि शव दो टुकड़ों में बंट गया। मृतक के पास से पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें जीजा-साले समेत तीन लोगों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया गया है। परिजनों के अनुसार, तिलक सिंह ने कल्ला शर्मा नाम के व्यक्ति से 5 लाख रुपए उधार लिए थे।

तालाब में डूबने से सगे भाई-बहन की दर्दनाक मौत

सतना। मध्यप्रदेश के सतना जिले के उचेहरा थाना क्षेत्र अंतर्गत पिपरा गांव में शनिवार को एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है, जहाँ तालाब में डूबने से सगे भाई-बहन की मौत हो गई। मृतकों की पहचान अरुण सिंह गोंड के 7 वर्षीय बेटे शुभम और 5 वर्षीय बेटी अक्षिता के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, दोनों बच्चे घर के पास स्थित तालाब में नहाने गए थे। खेलते-खेलते वे गहरे में चले गए और डूब गए। काफी देर तक घर न लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की। तालाब की मेढ़ पर बच्चों के कपड़े मिलने के बाद ग्रामीणों ने पानी में खोजबीन कर दोनों शवों को बाहर निकाला।

टीवी एक्टर रोहित चंदेल पॉक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार

मुंबई। टीवी एक्टर रोहित चंदेल को 16 साल की नाबालिग लड़की से छेड़छाड़, पीछा करने और मारपीट के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन पर पॉक्सो एक्ट समेत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज हुआ है। पंत नगर पुलिस ने शिकायत के बाद 10 जुलाई को एक्टर को दहिसर स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर स्पेशल पॉक्सो कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें कस्टडी में भेज दिया गया है।

इंदौर में हुई 'माय यूथ-माय प्राइड कॉन्क्लेव-2026' ▶▶ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- आपके सपनों को पूरा करने हर मदद के लिए तैयार है सरकार

युवाओं ने मुख्यमंत्री को विकसित और प्रगतिशील मप्र का 'संकल्प पत्र' सौंपा

- सीएम ने कहा कि युवा शक्ति हमारे महापुरुषों से प्रेरणा लेकर अपनी क्षमता, योग्यता और बुद्धिमत्ता से देश और समाज में अलग पहचान बनाए

बाइक रैली में सीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 'माय यूथ-माय प्राइड कॉन्क्लेव-2026' अनूठा कार्यक्रम है। मप्र सरकार युवाओं के भविष्य के लिए आने वाले कल के लिए युवाओं के सपनों के लिए हर मदद के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश और मप्र सबसे युवा प्रदेश है। युवा शक्ति अवसरों का लाभ उठाए। प्रदेश सरकार युवा शक्ति को आगे बढ़ाने के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में कही।

मुख्यमंत्री ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 'माय यूथ-माय प्राइड कॉन्क्लेव-2026' में बोल रहे थे।

भारत दुनिया का सबसे युवा देश और मप्र सबसे युवा प्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 'माय यूथ-माय प्राइड कॉन्क्लेव-2026' में चर्चा करते हुए

मुख्यमंत्री ने साइकिल रैली को दिखाई हरी झंडी

युवाओं ने बताया कि कैसे मप्र बन सकता है विकसित

युवा हमारा भविष्य, दुनियाभर में अपने झंडे गाड़ रहा

प्रमुख सचिव उद्योग राघवेंद्र सिंह ने कहा कि भारत दुनिया भर में अपने झंडे गाड़ रहा है। आज की आजाद बाइक रैली अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जन्मस्थली तक जाएगी। इस मौके पर 'माय यूथ-माय प्राइड कॉन्क्लेव-2026' में पांच अलग-अलग विषयों पर युवाओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए हैं। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2027 को युवा वर्ष के रूप में मनाने का संकल्प लिया है। युवा शक्ति हमारा भविष्य है, जो विकसित भारत @2047 के संकल्प को सिद्ध करेंगे।

युवाओं ने बताई अपनी सफलता व मेहनत की कहानी

- कशिश आहूजा-संकल्प सिंह चौहान ने शिक्षा-कौशल विकास, अमीक अमानी ने खेल क्षेत्र में संकल्प पत्र का वाचन किया। डॉ. महक भंडारी ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में आभा आईडी के माध्यम से सभी रिपोर्ट्स अब मोबाइल पर डिजिटल फॉर्म में उपलब्ध हैं। हमारे युवा स्वास्थ्य कर्मी वॉलेंटियर्स बनकर सिंहस्थ के आयोजन में सहयोग प्रदान करेंगे। सानिया जसवानी ने बताया कि प्रदेश की युवा शक्ति ऊर्जा से भरी हुई है। नवाचार को लेकर आगे बढ़ेंगे। समृद्ध मध्यप्रदेश @2047 के संकल्प में युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।
- लखन पाटीदार-जितेंद्र पाटीदार ने कहा कि प्राकृतिक खेती से हम पर्यावरण संरक्षण के प्रति अधिक जिम्मेदार बन रहे हैं। हमारे युवा प्राकृतिक खेती कर अपना ब्रांड बनाएं और डिजिटल मार्केटिंग से उपज को बेचकर आय कमाएं। अब ग्रामीण हाट बाजारों में प्राकृतिक खेती के उत्पाद नजर आने लगे हैं।

बद्रीनाथ धाम चढ़ावा चोरी केस

एसआईटी खंगाल रही 3 साल का रिकॉर्ड, बैंक खातों पर नजर

पुलिस यह पता लगा रही है कि इस अवधि में कितना चढ़ावा आया, उसे कहां रखा गया और गणना की प्रक्रिया क्या थी?

एजेंसी ▶▶ देहरादून

बद्रीनाथ धाम में चढ़ावा चोरी का मामला गरमाता जा रहा है। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस द्वारा गठित विशेष जांच टीम (एसआईटी) एक्शन मोड में आ गई है।

चमोली पुलिस ने पुलिस उपाधीक्षक मदन सिंह बिष्ट के नेतृत्व में एक मजबूत टीम तैनात की है, जिसमें बद्रीनाथ थानाध्यक्ष महादेव उनियाल और एसओजी के जवानों को शामिल किया गया है। जांच टीम मामले की वैज्ञानिक और कानूनी कसौटी पर हर एक कड़ी को जोड़ने में जुटी है। जांच अधिकारी सीओ मदन सिंह बिष्ट के अनुसार बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) से पिछले तीन वर्षों का विस्तृत रिकॉर्ड मांगा गया है।

पुलिस यह पता लगा रही है कि इस अवधि में कितना चढ़ावा आया, उसे कहां रखा गया और गणना की प्रक्रिया क्या थी। इसके अलावा, पिछले तीन साल में तैनात रहे और वर्तमान में कार्यरत सभी अधिकारियों व कर्मचारियों का विवरण भी तलब किया गया है ताकि जिम्मेदारियों का पता लगाया जा सके।

एसआईटी आरोपी कर्मचारी प्रमोद नौटियाल की कॉल डिटेल, ईमेल और बैंक खातों की गहन जांच कर रही है। मामले की सबसे अहम कड़ी सीसीटीवी फुटेज को माना जा रहा है।

नजदीकी दुकान से मंगाई थी बोतल

सीलबंद पानी की बोतल में निकला तेजाब, युवती भर्ती

एजेंसी ▶▶ हापुड़

उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां एक सीलबंद पानी की बोतल में पानी की जगह कथित तौर पर तेजाब जैसा ख त र ना क तरल पदार्थ निकला। इस पानी को पीते ही एक युवती की तबीयत बिगड़ गई। जिसे गंभीर हालत में मेरठ के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें युवती पानी पीने के कुछ ही सेकंड बाद बेचैन होकर भागती दिख रही है। जानकारी के मुताबिक, अर्जुन नगर की रहने वाली रिया अपनी मां के साथ पास की एक सर्राफा दुकान पर जेवर खरीदने गई थी। प्यास लगने पर दुकानदार ने पास के एक जनरल स्टोर से ठंडी और सीलबंद पानी की बोतल मंगवाई।

रिया (पीड़िता)

तेलंगाना पुलिस पर लापरवाही का आरोप

जमानत पर छूटते ही रेप के आरोपी ने 6 लोगों की हत्या की

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहां नाबालिग से रेप के एक आरोपी ने शुक्रवार रात जमानत पर बाहर आते ही 6 लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी राजकुमार के खिलाफ बीती 16 मई को पॉक्सो (पॉक्सो) एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ था। जमानत मिलने के बाद आरोपी ने सबसे पहले अपने ही घर में 30 वर्षीय पत्नी और 4 साल व 18 महीने के दो मासूम बेटों को मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद वह 6 किलोमीटर दूर दूसरे गांव पहुंचा, जहां उसने 17 वर्षीय रेप पीड़िता, उसकी मां और नानी की भी हत्या कर दी। पीड़िता के परिवार का आरोप है कि आरोपी लगातार पूरे परिवार को खत्म करने की धमकी दे रहा था, जिसकी शिकायत पुलिस से भी की गई थी।

आरोपी राजकुमार

हमने न्यूजीलैंड से भी बहुत कुछ सीखा है और अब भी सीख रहे

पीएम मोदी बोले- मैं 25 साल पुराना मफलर पहनकर न्यूजीलैंड आया हूं

एजेंसी ▶▶ ऑकलैंड। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने करीब तीन दशक पुराना किस्सा सुनाया। पीएम ने कहा- 25-30 साल पहले जब मैं किसी सरकार का हिस्सा नहीं था, तब मुझे यहां आने का मौका मिला था। उस समय मुझे किसी ने गिफ्ट में 3 चीजें दीं, जो मैं भारत लेकर गया। एक- मफलर, दूसरी- कैप और तीसरा- एक सेट दस्ताना। उसमें भी एक चीज मैं अभी यहां इस कार्यक्रम में भी लेकर आया हूं। इस मफलर को मैंने कई बार इस्तेमाल किया और आज भी संभाल कर रखा है। पीएम ने आगे कहा कि हमारे लिए सामने वाले देश की जनसंख्या नहीं, जनकल्याण की भावना मायने रखती है। और इसलिए हमने न्यूजीलैंड से भी बहुत कुछ सीखा है और अब भी सीख रहे हैं।

चांदी की तलाश में घर की खुदाई की

आलीराजपुर में दरिंदगी और डकैती

महिला से गैंगरेप कर प्राइवेट पार्ट में डाली लकड़ी, 1 किलो चांदी लूटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ आलीराजपुर

जिले के बोरी क्षेत्र में शुक्रवार रात मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां 8 से 10 हथियारबंद बदमाशों ने एक विधवा महिला के घर में घुसकर न केवल लूटपाट की, बल्कि महिला को बंधक बनाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म (गैंगरेप) भी किया। दरिंदगी की हदें पार करते हुए बदमाशों ने पीड़िता के प्राइवेट पार्ट में लकड़ी डाल दी। गंभीर हालत में महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि बदमाशों को महिला के घर में 8 किलोग्राम चांदी होने का शक था। बंधक बनी डरी-सहमी महिला ने अपने पास रखी 1 किलोग्राम चांदी बदमाशों को सौंप दी, लेकिन वे बाकी चांदी की मांग पर अड़े रहे।

घर के कई हिस्सों में खुदाई कर डाली

चांदी की तलाश में बदमाशों ने पूरे घर का सामान बिखेर दिया और घर के भीतर तीन से चार जगहों पर खुदाई भी की। इस अमानवीय घटना के बाद स्थानीय लोगों और आदिवासी संगठनों में भारी आक्रोश है। आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष व कांग्रेस नेता महेश पटेल ने कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए प्रशासन के सामने चार मांगें रखी हैं। उन्होंने मामले की निष्पक्ष व उच्चस्तरीय जांच, आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी, पीड़िता को आर्थिक व चिकित्सीय मदद देने और संबंधित थाना प्रभारी को तत्काल हटाने की मांग की है।

अगले दिनों में पारा 38 डिग्री तक पहुंच सकता है

भोपाल सहित प्रदेश के कुछ जिलों में हल्की बारिश होगी

अभी प्रदेश में कोई सिस्टम एक्टिव नहीं, 15 जुलाई तक तेज बारिश नहीं, 4 डिग्री तक तापमान बढ़ेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में अगले 3 दिन भारी से तेज बारिश नहीं होगी। इससे दिन के तापमान में 3 से 4 डिग्री तक बढ़त होगी। इसके साथ उमस में भी इजाफा होगा।

प्रदेश में अभी कोई प्रभावी सिस्टम नहीं होने से बारिश में कमी आएगी, जो 15 जुलाई तक बनी रह सकती है। मौसम केंद्र के अनुसार रविवार तक भोपाल सहित प्रदेश के कुछ जिलों में हल्की बारिश होगी, जबकि शेष हिस्सों में गर्मी तेजी से बढ़ेगी। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार शनिवार को प्रदेश में औसत दिन का पारा 34 डिग्री तक रहा है, जो अगले 3 से 4 दिन में 37 से 38 डिग्री तक पहुंच सकता है। हालांकि, इस बीच कुछ जगह बादल, बौछारों से तापमान में बदलाव होता रहेगा। शनिवार दोपहर बाद से देर रात के बीच पन्ना, दमोह, सागर, सतना, मैहर, रीवा, सीधी, सिंगरौली, उमरिया, शहडोल में तेज हवाओं के साथ बौछारें पड़ीं।

आज यहां बादल-बौछारें

रविवार तक नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, देवास, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, अनूपपुर, शहडोल, डिंडोरी, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, मैहर, पांढुर्ना में बादलों के साथ हल्की बारिश की उम्मीद है।

चन्नी गुट से मिले पंजाब प्रभारी

वडिंग को नहीं हटाया जाएगा, पार्टी के अंदर कोई झगड़ा नहीं, जिताऊ उम्मीदवार को ही यहां दिया जाएगा टिकट

बघेल ने सभी से बात की, सभी ने राय रखी और हाई कमान के फैसले को मानेंगे

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़

पंजाब में कांग्रेस के अंदर इस वक्त खींचतान चल रही है। इसी बीच शनिवार को पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने अपने समर्थकों के साथ चंडीगढ़ में पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल से मुलाकात की। चन्नी गुट के कांग्रेस नेताओं से मुलाकात के बाद भूपेश बघेल ने कहा कि पार्टी में कोई झगड़ा नहीं है, लेकिन उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि वर्तमान पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग को हटाने पर कोई चर्चा नहीं हुई है। बघेल ने कहा कि राणा (कांग्रेस विधायक राणा गुरजीत) ने हमें बुलाया था। वे एक वरिष्ठ नेता हैं। मैंने सभी साथियों से बात की और उनसे मिला। उन्होंने अपनी राय रखी और हाई कमान के फ़ैसले पर किसी को कोई आपत्ति नहीं है। सभी हाई कमान के साथ हैं।

सभी के हितों का ध्यान रखा जाएगा

बघेल ने कहा कि मेरे साथियों ने कुछ बातें उठाईं और मैंने उन सभी को भरोसा दिलाया कि मैं सभी के हितों का ध्यान रखूंगा। किसी को भी इसलिए नुकसान नहीं होना चाहिए क्योंकि उन्हें किसी बड़े नेता का समर्थन नहीं है। अगर कोई उम्मीदवार जीतने की काबिलियत रखता है, तो उसे निश्चित रूप से टिकट मिलेगा। साथियों ने कुछ मुद्दे उठाए।

भूपेश बघेल और चन्नी आपस में मिले, बात भी की

अध्यक्ष न बनाने पर चन्नी गुट था नाराज

कांग्रेस ने 1 जुलाई को ऐलान किया था कि अमरिंदर सिंह राजा वडिंग पंजाब यूनिट के अध्यक्ष बने रहेंगे और जालंधर के सांसद चन्नी कैंपेन कमिटी के चेयरमैन होंगे। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष न बनाए जाने से नाराज बताए जा रहे पूर्व मुख्यमंत्री चन्नी, बघेल से नहीं मिले। बघेल सोमवार को पंजाब पहुंचे थे और राज्य के नेताओं और पदाधिकारियों के साथ लगातार बैठकें कर रहे थे। हालांकि, चन्नी के करीबी कई नेता भी इन बैठकों से दूर रहे।

वडिंग को हटाने पर चर्चा नहीं की

बघेल ने कहा कि मौजूदा पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग को हटाने पर कोई चर्चा नहीं हुई है। चुनाव से पहले पंजाब कांग्रेस में 'चन्नी बनाम वडिंग' गुट के बीच वर्चस्व की लड़ाई चल रही है और पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी प्रदेश अध्यक्ष के पद से अमरिंदर सिंह राजा वडिंग को हटवाना चाहते थे। लेकिन बघेल ने कांग्रेस नेता राणा गुरजीत सिंह के घर चन्नी और चन्नी गुट के नेताओं से मुलाकात के बाद कहा कि अमरिंदर सिंह राजा वडिंग को हटाने के मुद्दे पर कोई बात नहीं हुई। हालांकि पंजाब कांग्रेस के प्रभारी भूपेश बघेल ने कहा कि यदि कोई नेता काबिल है और उसमें जीतने की क्षमता है तो निश्चित रूप से उसे टिकट मिलेगा।

चन्नी को मिला बूटा सिंह परिवार का समर्थन

पंजाब कांग्रेस में चल रही उथल-पुथल के बीच चन्नी को पूर्व केंद्रीय मंत्री बूटा सिंह के परिवार का समर्थन मिला है। बूटा सिंह केंद्र की सरकार में गृह मंत्री रहे और सिख राजनीति के बड़े चेहरे थे। बूटा सिंह के बेटे सरबजोत सिंह और बेटी गुरकीरत कौर ने शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री चन्नी से उनके घर पर मुलाकात की।

खबर संक्षेप

गाजियाबाद में धू-धूकर जली चलती स्कूल बस

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के शहर गाजियाबाद में शनिवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया।

नंदग्राम तिराहे के पास गाजियाबाद के दिल्ली पब्लिक स्कूल की एक स्कूल बस आग की चपेट में आ गई। कुछ ही मिनटों में बस आग के गोले में बदल गई। गनीमत यह रही हादसे के वक्त बस में कोई स्टूडेंट नहीं था। इस दौरान ड्राइवर भी सुरक्षित निकल आया था।

मोदी डिस्टिलरी में स्प्रिट भंडारण इकाई में आग

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद के मोदीनगर स्थित मोदी डिस्टिलरी में शनिवार दोपहर

स्प्रिट भंडारण इकाई में भीषण आग लगने से फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई। तेज धमाकों की आवाजें सुनाई दीं और स्प्रिट से जुड़े दो कंटेनरों के फटने की सूचना सामने आई। हादसे के समय फैक्ट्री में 1500 से 2000 कर्मचारी मौजूद थे। हताहत की खबर नहीं है।

अरवल में डंपर-ऑटो-रिक्शा भिड़े, 4 की मौत

पटना। बिहार के अरवल जिले में शनिवार को एक डंपर ट्रक और ऑटोरिक्शा की भिड़त में 4 लोगों

की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग-139 पर फतेहपुर संडा के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विपरीत दिशा से आ रहे ऑटोरिक्शा की डंपर ट्रक से भिड़त हो गई। टक्कर में ऑटोरिक्शा क्षतिग्रस्त हो गया।

ठगी करने वाले कॉल सेंटर से 5 गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा के थाना फेस-1 पुलिस ने लोन दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले एक

अवैध कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। छापेमारी की थी। मौके से 5 मोबाइल फोन, 3लैपटॉप, 6चेक बुक, 160 कॉलिंग डाटा शीट, बिलिंग बुक और इंटरनेट राउटर सहित अन्य सामान बरामद किया गया।

अब अनुब्रत मंडल ने छोड़ा 'दीदी' का साथ

कोलकाता। टीएमसी के ऋतब्रत बेनर्जी वाले गुट ने अपनी जिला कमेटी और अध्यक्षों की लिस्ट

जारी कर दी है। इस घोषणा में सबसे हैरान करने वाला नाम अनुब्रत मंडल का है। बीरभूम के बड़े नेता मंडल ने ममता बेनर्जी का साथ छोड़ दिया है। वे ऋतब्रत के खेमे में शामिल हो गए हैं। ऋतब्रत गुट ने उन्हें बीरभूम का जिला अध्यक्ष बनाया है।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने पत्तन सुरक्षा ब्यूरो की तैयारियों की समीक्षा की

बंदरगाहों और फिश लैन्डिंग सेंटर्स की सुरक्षा को 'अभेद्य' बनाएं, व्यापक डेटाबेस तैयार करें

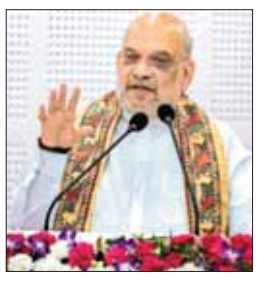

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और केन्द्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने पत्तन सुरक्षा ब्यूरो के गठन में हुई प्रगति की समीक्षा की। बैठक में गृह सचिव, आसूचना ब्यूरो के निदेशक, सीमा प्रबंधन सचिव, पत्तन, पोत परिवहन एवं जहाजरानी सचिव, मत्स्यपालन विभाग के सचिव, सीआईएसएफ के महानिदेशक समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार देश की तटीय सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। शाह ने निर्देश दिया कि ब्यूरो में तैनात किए जाने वाले सभी सुरक्षाकर्मियों का एक व्यापक डेटाबेस तैयार किया जाए। सुरक्षाकर्मियों का प्रशिक्षण जल्द शुरू किया जाए। साथ कंटेनर स्कैनिंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में गृह सचिव, आसूचना ब्यूरो के निदेशक, सीमा प्रबंधन सचिव, पत्तन, पोत परिवहन एवं जहाजरानी सचिव शामिल रहे

तटीय सुरक्षा पर किसी तरह की लापरवाही न हो

गृहमंत्री शाह और पोत परिवहन एवं जहाजरानी मंत्री सोनोवाल ने की समीक्षा

प्रशिक्षित निजी सुरक्षाकर्मियों की हो तैनाती

शाह ने कहा कि बंदरगाहों की सुरक्षा का कार्य लाइसेंस प्राप्त निजी सुरक्षा एजेंसियों को दिया जाए। उन्हीं निजी सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाए, जिन्हें सीआईएसएफ से प्रशिक्षण मिला हो। सीआईएसएफ को विशाखापत्तनम, जवाहरलाल नेहरू और मुंद्रा पोर्ट ब्यूरो को सौंपी जाने वाली सुरक्षा व्यवस्था का ट्रायल करने के निर्देश दिए।

वैधानिक निकाय के रूप में होगा ब्यूरो का गठन

सरकार ब्यूरो का गठन एक वैधानिक निकाय के रूप में कर रही है। इसका नेतृत्व महानिदेशक करेंगे और यह मंत्रालय के अधीन कार्य करेगा।

फिशिंग हार्बर्स और फिश लैन्डिंग सेंटर्स की सुरक्षा पर जोर

शाह ने मत्स्यपालन विभाग के अधिकारियों के साथ अलग बैठक कर फिशिंग हार्बर्स और फिश लैन्डिंग सेंटर्स की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसरो द्वारा विकसित 'नभमित्र' ऐप का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक नाविक इसे अपने मोबाइल में डाउनलोड कर सकें। उन्होंने सभी जिलों के डीएम और एसपी से फिश लैन्डिंग सेंटर्स की सूची उपलब्ध कराने तथा मत्स्यपालकों के पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाने के भी निर्देश दिए।

फिश लैन्डिंग सेंटर्स पर स्थायी पुलिस बल की तैनाती हो

शाह ने जिला पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया कि सभी फिश लैन्डिंग सेंटर्स पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों पर स्थायी पुलिसकर्मियों की नियुक्ति हो, ताकि तटीय सुरक्षा तंत्र को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

नई दिल्ली में जयप्रकाश नारायण पुस्तकालय का लोकार्पण किया

देश का भविष्य पुस्तकालयों में जुटने वाली भीड़ पर निर्भर, विवेक जगेगा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को नई दिल्ली में जयप्रकाश नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय का लोकार्पण किया। शाह ने कहा कि किसी देश का भविष्य कृषि, बाजार या उद्योग से नहीं, बल्कि उसके पुस्तकालयों में जुटने वाली युवाओं की भीड़ से तय होता है। राष्ट्र को आगे बढ़ाने वाली, राष्ट्र-निर्माण और राष्ट्र को वैभव दिलाने वाली सारी गतिविधियों का मूल ज्ञान एवं विवेक में होता है। यह ज्ञान सिर्फ एक पुस्तकालय ही दे सकता है। शाह ने युवा पीढ़ी से अपील की कि वे एक बार पुस्तकालय से अवश्य जुड़ें। पढ़ने की आदत बनते ही अच्छे-बुरे का विवेक स्वयं जाग जाएगा। अपना अनुभव साझा किया।

यह ज्ञान और चिंतन का नया केंद्र बनेगा

शाह ने कहा कि यह पुस्तकालय युवाओं के ज्ञान और चिंतन का नया केंद्र बनेगा। उन्होंने दिल्ली सरकार से आग्रह किया कि वह दिल्ली के सभी पुस्तकालयों को आपस में लिंक करें और स्कूलों को इनसे जोड़ने के लिए एक ठोस योजना बनाएं। एक कार्ययोजना बनाकर पुस्तक प्रेमियों को पुस्तकालयों से जोड़ने का प्रयास होना चाहिए।

महाराष्ट्र सरकार को 'सुप्रीम' फटकार

आपको जनता के बीच बेनकाब कर देंगे, सुनवाई में तेजी लाएं

53 बार अदालत में पेश नहीं किया गया आरोपी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने जमानत याचिका का विरोध करने, लेकिन आपराधिक मामलों की सुनवाई में तेजी नहीं लाने के लिए महाराष्ट्र सरकार को जनता के बीच 'बेनकाब'' करने की चेतावनी दी। न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्ला और न्यायमूर्ति शील नागू की पीठ एक विदेशी नागरिक की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा कि हमारे पास हर दिन महाराष्ट्र से इस तरह के मामले आते हैं। आप जमानत का पुरजोर विरोध तो करते हैं, लेकिन मुकदमे की सुनवाई में तेजी लाने के लिए कोई कदम नहीं उठाते। जब हम मामले की पड़ताल करते हैं, तो सबूत कमजोर निकलते हैं। हम जनता के बीच आपको (राज्य सरकार को) बेनकाब कर देंगे। अपहरण और हत्या के मामले में गिरफ्तार आरोपी ने पीठ के समक्ष दलील दी कि वह 4 साल से जेल में है और उसका मामला निचली अदालत में 86 तारीखों पर सूचीबद्ध किया गया था। उसने शीर्ष अदालत को बताया कि उसे 53 बार अदालत में पेश नहीं किया गया।

निचली अदालत में पेश न करना बड़ी गलती

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार की ओर से आरोपी को निचली अदालत में पेश न करना एक गंभीर गलती है। आरोपी के शीघ्र सुनवाई के मौलिक अधिकार पर उच्चतम न्यायालय के फैसले का जिक्र करते हुए पीठ ने कहा कि हमें शर्मिंदगी महसूस हो रही है। चार साल में 34 में से केवल दो गवाहों से पूछताछ हुई। यह बात कुछ समय से इस न्यायालय को परेशान कर रही है। पीठ ने कहा कि जब राज्य सरकार जमानत याचिकाओं का पुरजोर विरोध करती है, तो उसकी यह जिम्मेदारी भी बनती है कि वह मुकदमे की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाए, लेकिन ऐसा करने में वह नाकाम रही है। महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश वकील ने न्यायालय को बताया कि वह (राज्य सरकार) अब सुनवाई की हर तारीख पर सभी आरोपियों को मामले की सुनवाई कर रही अदालत में पेश कर रही है।

हर हफ्ते 4 गवाहों के बयान दर्ज किए जाएं

पीठ ने कहा कि हर हफ्ते कम से कम 4 गवाहों के बयान दर्ज किए जाएं और इस आदेश का रिकॉर्ड मामले की सुनवाई कर रही अदालत के समक्ष रखा जाए। अगर भविष्य में ऐसे मामले सामने आते हैं, तो इसी तरह के कड़े आदेश दिए जाएंगे। हालांकि, न्यायालय ने कहा कि राज्यों को सुनवाई में तेजी लाने के लिए एक खास नीति बनानी चाहिए।

महानदी जल विवाद के समाधान के लिए मशक्कत

ट्रिब्यूनल में सुनवाई के दौरान समर्थन की बात आई सामने

ओडिशा व छग ने आपसी सहमति से विवाद के समाधान की 'इच्छा' जताई

एजेंसी ▶▶ भुवनेश्वर

महानदी जल विवाद के समाधान का रास्ता अब साफ होता नजर आ रहा है। ट्रिब्यूनल में हुई सुनवाई के दौरान दोनों राज्यों ने आपसी सहमति से विवाद के

समाधान की इच्छा जताई है। ओडिशा सरकार के प्रस्ताव पर छत्तीसगढ़ ने भी अपनी सहमति दे दी है। शनिवार को मामले की सुनवाई ट्रिब्यूनल की अध्यक्ष न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी की अध्यक्षता में हुई। ओडिशा के एडवोकेट जनरल पीतांबर आचार्य ने कहा दोनों ने बातचीत से विवाद का स्थायी हल निकालने पर सहमति व्यक्त की है।

विवाद के मुख्य कारण

- ओडिशा का आरोप है कि छत्तीसगढ़ द्वारा ऊपरी हिस्से में अवैध बैराज और एनिकट बनाने से नीचे की तरफ पानी का बहाव कम हो गया है।
- इससे ओडिशा के प्रसिद्ध हीराकुंड बांध में पानी की आवक प्रभावित होती है।
- छत्तीसगढ़ का तर्क है कि महानदी बेसिन का एक बड़ा हिस्सा उसके क्षेत्र में आता है, इसलिए उसे अपनी कृषि और औद्योगिक विकास के लिए पानी का उपयोग करने का अधिकार है।

न्यायाधिकरण और वर्तमान स्थिति

- 2018 में केंद्र ने अधिनियम, 1956 के तहत महानदी जल विवाद न्यायाधिकरण का गठन किया था।

अस्पतालों की बदहाल व्यवस्था

अब भीलवाड़ा-बांसवाड़ा में 7 प्रसूताओं की मौत

भीलवाड़ा। राजस्थान के सरकारी अस्पतालों की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था सवालों के घेरे में है। प्रदेश में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति इतनी चिंताजनक हो चुकी है कि प्रसूताओं की मौत का सिलसिला थम नहीं

रहा है। कोटा, बीकानेर और जोधपुर के बाद अब भीलवाड़ा और बांसवाड़ा के अस्पतालों से दिल दहला देने वाले मामले सामने आए हैं।पूरे प्रदेश के स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप है। भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल स्थित मातृ एवं शिशु चिकित्सालय में पिछले छह दिनों के भीतर 5 प्रसूताओं की मौत हो चुकी है। मृतकों में शिमला गुर्जर (5 जुलाई), फोरी देवी (7 जुलाई), ईशा पांडे (8 जुलाई), दिव्या (9 जुलाई) और संगीता जीनगर (10 जुलाई) शामिल हैं।

आज भी 'जोशी अभ्यंकर हत्याकांड' पर सिहर रहा पुणे

'कलाकार' 4 छात्रों की करतूत, 14 महीने के मध्य की एक के बाद एक 10 हत्याएं

1976 में शहर को अशांत बना दिया, आज नई पहचान मिली

एजेंसी ▶▶ पुणे

महाराष्ट्र का पुणे शहर कारोबारी केतन हत्याकांड के चलते इन दिनों काफी चर्चाओं में है, लेकिन अब से करीब 50 साल पहले यही शहर एक ऐसे खौफनाक मंजर का गवाह बन चुका है कि आज भी लोग उस कांड को याद करते हैं, तो सिहर जाते हैं। 1976 में इसेकिसी की नजर लग गई। महज 14 महीनों के भीतर एक के बाद एक 10 ऐसी बेरहम हत्याएं हुईं, जिन्होंने पूरे महाराष्ट्र की रूह कंपा दी। आतंक फैलाने वाले गैंगस्टर नहीं, 'अभिनव कला महाविद्यालय' के सीधे-सादे आर्ट्स के 4 छात्र थे।

पैसों की हवस और पहला कत्ल

इस खौफनाक सिलसिले की शुरुआत 16 जनवरी 1976 को एक रहस्यमयी गुमशुदगी से हुई। इन लड़कों के साथ पढ़ने वाला प्रकाश हेगड़े अचानक गायब हो गया। प्रकाश के पिता शहर के एक कामयाब रेस्टोरेंट मालिक थे। परिवार को 25,000 रुपए की फिरौती का खत मिला।

बारिश से कई राज्यों में तबाही, लोग परेशान

चमोली में अस्पताल की दीवार गिरी, डॉक्टर की मौत

डॉ. नवीन चंद्र डिमरी मरम्मत कार्य का ले रहे थे जायजा

एजेंसी ▶▶ चमोली

जिले के नारायणबगड़ के सरकारी अस्पताल परिसर में क्षतिग्रस्त दीवार शनिवार दोपहर भरभराकर गिर गई। इस दौरान चिकित्सा प्रभारी डॉ नवीन चंद्र डिमरी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। डॉ. रिया घिल्डियाल ने उनकी स्थिति चिंताजनक बताई थी। 25 जून को भारी बारिश के कारण बहकर आए मलबे से अस्पताल की बांउड्रीवाल

क्षतिग्रस्त हो गई थी।शनिवार को क्षतिग्रस्त दीवार का मरम्मत कार्य किया जा रहा था। इस दौरान डॉ. डिमरी मरम्मत कार्य का जायजा ले रहे थे कि अचानक दीवार उनके ऊपर गिर पड़ी।

उत्तराखंड में 120 मार्ग बाधित

स्यानाचट्टी में 100 तीर्थयात्रियों ने रस्सी से रास्ता पार किया

देहरादून। उत्तराखंड के कई स्थानों पर24 घंटे के दौरान भारी बारिश से पहाड़ी क्षेत्रों में जगह-जगह हुए भूस्खलन से 3राष्ट्रीय राजमार्ग सहित 120 मार्ग अवरूद्ध हो गए। उत्तरकाशी जिले के स्यानाचट्टी में भारी मलबा आने से 2 दिन से बाधित यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर करीब 100 तीर्थयात्रियों को रस्सी की सहायता से रास्ता पार कराया गया। स्यानाचट्टी में वैकल्पिक मार्ग पर सुरक्षित तरीके से रस्सी बांधी गई।

हिमाचल में भी मानसून का कहर

सैकड़ों सड़कें-बिजली ट्रांसफार्मर ठप, शिमला में भूस्खलन का खतरा

शिमला। हिमाचल प्रदेश में लगातार दो दिन हुई भारी बारिश से कई इलाकों में तबाही हुई है। जगह-जगह भूस्खलन से

सैकड़ों सड़कें ठप हो गई हैं। कई इलाकों में बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई है। प्रदेश में छोटी-बड़ी करीब 310 सड़कें बाधित हैं। करीब 400 बिजली ट्रांसफार्मर और 50 पेयजल योजनाएं भी बंद हैं। मौसम विभाग ने कई भागों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

टीएमसी के अब तक 15 बैंक खाते फ्रीज

एक हजार करोड़ बैंक खातों में फंसे तो कलकत्ता हाईकोर्ट पहुंची पार्टी

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल पुलिस ने शुक्रवार को ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तटीएमसी के 12 और बैंक अकाउंट

फ्रीज कर दिए। एक दिन पहले ही पार्टी को कथित तौर पर 440 करोड़ के 3अकाउंट को आंशिक रूप से ऑपरेट करने की इजाजत दी गई थी। अब तक 15 टीएमसी बैंक अकाउंट फ्रीज किए जा चुके हैं, जिनमें कथित तौर पर करीब 1,000 करोड़ जमा हैं। नए फ्रीज किए गए 12 अकाउंट कई पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर के बैंकों के हैं। पुलिस ने अकाउंट होल्डर्स और उन अकाउंट में रिकॉर्ड किए गए आर्थिक ट्रांजैक्शन की डिटेल्स मांगी हैं। यह कदम कलकत्ता हाई कोर्ट द्वारा टीएमसी को एचडीएफसी के 3अकाउंट को आंशिक रूप से ऑपरेट करने की इजाज़त देने के एक दिन बाद आया है, जिसमें रिटायर्ड जस्टिस सुब्रत तालुकदार को 30 सितंबर तक स्पेशल ऑफिसर नियुक्त किया गया है। स्पेशल ऑफिसर के काउंटरसाइन चेक के ज़रिए कर सकती है।

इलाज करने में जुटे जबलपुर के डॉक्टर

वायरस अटैक से जूझ रही बीमार बाघिन

जबलपुर। वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के नौरादेही क्षेत्र में डेढ़ साल की एक बाघिन के गंभीर रूप से बीमार होने के बाद उसे इलाज के लिए जबलपुर स्थित स्कूल ऑफ वाइल्ड लाइफ फॉरेंसिक एंड हेल्थ यानी वेटरनरी कॉलेज लाया गया है। इस बाघिन में जानलेवा कैनाइन डिस्टेंपर वायरस के लक्षण पाए गए हैं, जिससे वन विभाग के अधिकारी सतर्क हो गए हैं। घायल बाघिन ने 2 दिन पहले ही वन विभाग के एक कर्मचारी पर हमला किया था, जिसके बाद से उसे रेस्क्यू करने का प्रयास किया जा रहा था। उसे पहले भोपाल ले जाने की योजना थी लेकिन संक्रमण के खतरे को देखते हुए जबलपुर शिफ्ट किया गया। फिलहाल वह डॉक्टरों की कड़ी निगरानी में है और उसकी जांच के नमूने प्रयोगशाला में भेजे गए हैं। रिजर्व के डायरेक्टर रजनीश सिंह और वेटरनरी कॉलेज की डायरेक्टर डॉ. शोभा जावरे ने फिलहाल इस मामले पर सीधे तौर पर विस्तृत जानकारी साझा नहीं की है।

जानलेवा बीमारी के खतरे से जूझ रही बाघिन

बाघिन की स्थिति काफी चिंताजनक बनी हुई है। उसके पिछले पैरों में गंभीर सूजन देखी गई है और शरीर के अंदरूनी हिस्सों में भी चोट के निशान पाए गए हैं। कैनाइन डिस्टेंपर वायरस का अंदेशा होने के कारण उसे पूरी तरह से आइसोलेशन में रखकर उपचार दिया जा रहा है। उसे तत्काल ड्रिप पर रखा गया है ताकि शरीर में पानी की कमी न हो और दवाइयों का असर जल्द हो सके। वेटरनरी विशेषज्ञों की एक पूरी टीम उसके स्वास्थ्य पर लगातार नजर बनाए हुए है। पहले यह बाघिन नौरादेही के जंगलों में घूम रही थी, जहाँ से उसे सुरक्षित पकड़कर जबलपुर लाया गया। यह मामला वन्यजीव संरक्षण की दृष्टि से काफी संवेदनशील माना जा रहा है क्योंकि इस वायरस के फैलने की गति बहुत तेज होती है।

प्रशासनिक जवाबदेही पर उठ रहे कई गंभीर सवाल

इस पूरी घटना के बाद से ही जिम्मेदारी को लेकर अधिकारियों के बीच सामंजस्य की कमी दिख रही है। नौरादेही टाइगर रिजर्व के डायरेक्टर रजनीश सिंह ने केवल बाघिन को जबलपुर रेफर करने की बात को स्वीकार किया है, लेकिन आगे की मेडिकल स्थिति पर उन्होंने चुप्पी साधे रखी है। दूसरी ओर स्कूल ऑफ वाइल्ड लाइफ की डायरेक्टर डॉ. शोभा जावरे ने भी इस मामले में कुछ भी बोलने से मना करते हुए इसे उच्च अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र का विषय बताया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की संक्रामक बीमारियों के मामलों में अधिकारियों को स्पष्टता रखनी चाहिए ताकि जनता के बीच भ्रम न फैले। फिलहाल पूरा वन अमला और पशु चिकित्सक बाघिन को स्वस्थ करने की कोशिशों में जुटे हुए हैं।

यातायात बाधित, कचरे में भोजन तलाशने को मजबूर गौवंश, अभियान केवल कागजों तक सीमित

नगर निगम की हाका गैंग लापता, शहर की सड़कों पर आवारा पशुओं का कब्जा

हरिभूमि जबलपुर।

शहर में आवारा पशुओं की समस्या एक बार फिर गंभीर होती जा रही है। मुख्य मार्गों से लेकर कॉलोनियों तक बड़ी संख्या में मवेशी सड़कों पर डेरा जमाए बैठे हैं। इससे न केवल यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है, बल्कि दुर्घटनाओं का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है। इसके बावजूद नगर निगम की हाका गैंग और आवारा पशुओं को पकड़ने का अभियान कहीं दिखाई नहीं दे रहा।

शहर के कई इलाकों में सुबह से देर रात तक गाय और सांड सड़कों पर घूमते नजर आते हैं। कई स्थानों पर वे सड़क के बीचों-बीच बैठ जाते हैं, जिससे वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि नियमित कचरा उठाव नहीं होने से गौवंश कचरे के ढेर में भोजन तलाशने को मजबूर है। प्लास्टिक और अन्य हानिकारक पदार्थ खाने से उनके स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

नगर निगम के पशु पकड़ने वाले वाहन कभी-कभार ही दिखाई देते हैं और अधिकांश समय खाली ही घूमते नजर आते हैं। सवाल यह है कि जब नगर निगम के पास हाका गैंग, वाहन और अमला मौजूद है तो फिर शहर की सड़कों पर आवारा पशुओं की संख्या लगातार क्यों बढ़ रही है?

शहरवासियों का कहना है कि नगर निगम को विशेष अभियान चलाकर सभी आवारा पशुओं को गौशालाओं में भेजना चाहिए, ताकि उनका समुचित पालन-पोषण हो सके और शहर की सड़कें भी सुरक्षित बन सकें। इससे सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगेगा और गौवंश को कचरे में भोजन तलाशने की मजबूरी से भी राहत मिलेगी।

काशी एक्सप्रेस ट्रेन में सुरक्षा व्यवस्था पर उठा सवाल

ट्रेन की एसी बोगी से 15 तोला सोना चोरी

जबलपुर। लोकमान्य तिलक टर्मिनस से चलकर गोरखपुर जाने वाली काशी एक्सप्रेस के एसी-2 कोच में सफर कर रही अनीता पाठक के साथ हुई लाखों की चोरी ने सुरक्षा व्यवस्था की कलई खोल दी है। मुंबई की रहने वाली अनीता अपने परिवार के साथ कोच ए2 की सीट नंबर 3 पर यात्रा कर रही थीं। सुबह 07:50 बजे ट्रेन को प्रयागराज पहुंचना था लेकिन 5 बजे नींद खुलने पर उनका पर्स गायब मिला। कोच में मचे शोर के बाद तलाशी लेने पर पर्स ट्रेन के बाथरूम में तो मिला लेकिन उसमें रखे 15 तोले सोने के जेवरात और 50 हजार रुपये नकद गायब थे। चोर ने महिला का मोबाइल भी फ्लाइंग मोड पर डाल दिया था ताकि कोई संपर्क न हो सके। प्रयागराज जीआरपी ने केस दर्ज कर लिया है लेकिन घटना जबलपुर क्षेत्र में होने के कारण जांच अब वहां स्थानांतरित की जा रही है।

यात्री सुरक्षा पर उठे सवाल

एसी कोच को हमेशा सबसे सुरक्षित माना जाता है लेकिन इस वारदात ने यात्रियों का भरोसा तोड़ दिया है। ट्रेन के भीतर यात्री की सीट के पास से कीमती सामान का चोरी हो जाना सुरक्षा में बड़ी चूक को उजागर करता है। अपराधी ने जिस तरह से सावधानी से काम को अंजाम दिया और मोबाइल को फ्लाइंग मोड पर डाला, उससे साफ है कि वह पहले से ही ट्रेन की रेकी कर रहा था। लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए यह एक डरावना अनुभव है। चोर ने इतनी सफाई से काम किया कि किसी को भनक तक नहीं लगी।

सीसीटीवी खंगालने में जुटी जीआरपी

प्रयागराज पुलिस ने पीड़िता की शिकायत दर्ज कर कानूनी प्रक्रिया पूरी कर दी है। चूंकि घटना का स्थान जबलपुर रेलवे पुलिस के अधिकार क्षेत्र में आता है, इसलिए जांच की फाइल को वहां स्थानांतरित कर दिया गया है। जबलपुर जीआरपी अब इस पूरे मामले की कमान संभालेगी।

संचालिका समेत छह गिरफ्तार नकदी, मोबाइल और बाइक जब्त

सुहागी में देह व्यापार पर पुलिस का छापा

जबलपुर। अधारताल थाना क्षेत्र के सुहागी स्थित सरस्वती कॉलोनी में संचालित कथित देह व्यापार के अड्डे पर पुलिस ने छापामार कार्रवाई कर संचालिका सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान नकदी, मोबाइल फोन, एक मोटरसाइकिल और आपत्तिजनक सामग्री भी जब्त की गई। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय को मिली सूचना के बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अनु बेनिवाल के निर्देशन में महिला थाना प्रभारी मंजू शर्मा के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने पहले एक पंटर को ग्राहक बनाकर मौके पर भेजा। संकेत मिलने पर टीम ने सुहागी के पन्नी मोहल्ला स्थित एक मकान में दबिश दी, जहां से मंजू निखर, मुकेश निखर, आरूष निखर सहित अन्य लोगों को पकड़ा गया। पूछताछ में सामने आया कि ग्राहकों से ली जाने वाली राशि का हिस्सा महिलाओं और संचालिका के बीच बांटा जाता था। मौके से तीन कथित ग्राहकों अभय सिंह उर्फ चिंटू, सुबोध कुमार सिंह और संजय चौरसिया को भी हिरासत में लिया गया।

प्रकरण दर्ज, जांच जारी

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पांच मोबाइल फोन, दो हजार रुपये नकद, एक बॉक्सर मोटरसाइकिल (एमपी-20-केएल-4719) तथा अन्य सामग्री जब्त की है। सभी छह आरोपियों के विरुद्ध अनैतिक देह व्यापार से संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

भिक्षावृत्ति मुक्त जबलपुर की पहल, नगर निगम ने 87 भिक्षुकों को दी समझाइश

जबलपुर। मध्यप्रदेश शासन की मंशानुरूप जबलपुर को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत शहर के प्रमुख धार्मिक स्थलों, चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर अभियान चलाकर 87 भिक्षुकों को समझाइश दी गई और उन्हें मुख्यधारा से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में चलाए गए अभियान के दौरान रानीताल और गेट नंबर चार क्षेत्र में 20, बाजनामठ मंदिर एवं मेडिकल क्षेत्र में 16, रेलवे स्टेशन एवं हाई कोर्ट मजार क्षेत्र में 12 तथा ग्वारीघाट, साईं बाबा मंदिर ग्वारीघाट रोड, सिविल लाइंस साईं मंदिर, माता मरियम चौक एवं एम्पायर तिराहा क्षेत्र में 39 भिक्षुकों को समझाइश देकर हटाने की कार्रवाई की गई। उपायुक्त अंकिता जैन ने बताया कि नगर निगम की टीम ने अभियान के दौरान संवेदनशील और मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए भिक्षावृत्ति में लगे लोगों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। नगर निगम ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे भिक्षावृत्ति को बढ़ावा न दें और जरूरतमंदों के पुनर्वास में सहयोग करें। अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

बालिग को अपनी पंसद से जीवन जीने का पूरा अधिकार : हाई कोर्ट

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने कहा है कि बालिग होने के बाद प्रत्येक व्यक्ति को अपनी पसंद के स्थान पर रहने और अपनी इच्छा के व्यक्ति के साथ जीवन बिताने का संवैधानिक अधिकार है। एसीजे विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने यह टिप्पणी करते हुए बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका का निराकरण कर दिया। जबलपुर के रांझी , गोकलपुर निवासी एक महिला ने याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि उसकी बालिग बेटी को रितिक चौधरी नामक युवक अपने साथ ले गया है। महिला ने बताया कि रांझी थाने में गुमशुदगी दर्ज कराने के बावजूद पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई नहीं की। इस पर हाईकोर्ट ने युवती को पेश करने के निर्देश दिए थे। सुनवाई के दौरान पुलिस ने युवती को न्यायालय में प्रस्तुत किया।

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव

अंतिम प्रत्याशी सूची जारी

जबलपुर। जिला अधिवक्ता संघ, जबलपुर के निर्वाचन सत्र 2026-2028 के तहत नाम वापसी की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद शनिवार को विभिन्न पदों के लिए अंतिम प्रत्याशी सूची जारी कर दी गई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी जीएस ठाकुर ने सूची प्रकाशित करते हुए अधिवक्ताओं से शांतिपूर्ण, निष्पक्ष व गरिमापूर्ण मतदान में सहयोग का अनुरोध किया है। अध्यक्ष पद के लिए अभय शुक्ला, बाल्मीकि प्रसाद तिवारी, एचआर नायडू, ज्योति राय, मनीष कुमार मिश्रा एवं नरेंद्र जैन चुनाव मैदान में हैं। उपाध्यक्ष पद के लिए अजय कुमार शुक्ला, दिलीप कुमार श्रीवास्तव, कमल सिंह बघेल, मनोज कुमार तिवारी, मनोज शिवहरे, प्रमोद त्रिपाठी, प्रशांत कोहाड़े, सचिन गुप्ता, शेख मंजूर व सुखवीर सिंह नादड़ा उम्मीदवार हैं। महिला उपाध्यक्ष पद पर मधु राणा, सुनीता सूद गुप्ता व वर्षा तिवारी के बीच मुकाबला होगा। सचिव पद के लिए अमित कुमार साहू, दीपांशु साहू, गोपाल पटेल, ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी, महेंद्र अहिरवार, राहुल श्रीवास्तव, शैलेंद्र सिंह ठाकुर व यतेन्द्र अवस्थी (गुड्डा) मैदान में हैं। सह सचिव पद पर आवेश पटेल, दामोदर पाटकर, सतीश कुमार शर्मा, शैलेंद्र यादव व विनोद विश्वकर्मा चुनाव लड़ेंगे। कोषाध्यक्ष पद के लिए नेहा मिश्रा, नीलम दत्त, रेनू बाला सिंह व रेणुका शुक्ला व पुस्तकालय सचिव पद के लिए मनीष दुबे, रविन्द्र कुमार दत्त, वीरेंद्र कुमार पटेल व विजय यादव उम्मीदवार हैं।

समदड़िया मॉल पार्किंग-4

आम लोगों पर सख्ती, रसूखदारों के मामले में खामोशी, पार्किंग नियमों के पालन पर उठे सवाल

समदड़िया मॉल पर मेहरबान निगम? सड़क पर पेड पार्किंग जारी, कार्रवाई का इंतजार

हरिभूमि, जबलपुर।

सिविक सेंटर स्थित समदड़िया मॉल की पार्किंग व्यवस्था को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभागों की ओर से अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई सामने नहीं आई है। सार्वजनिक सड़क पर पेड पार्किंग, पार्किंग व्यवस्था और भवन स्वीकृति के पालन को लेकर उठ रही आपत्तियों के बावजूद नगर निगम और अन्य संबंधित विभागों की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है।

शहर में छोटे-छोटे अतिक्रमण और नियम उल्लंघन पर तत्काल कार्रवाई करने वाला नगर निगम इस मामले में अब तक कोई स्पष्ट कदम क्यों नहीं उठा पाया? यदि शिकायतें मिली हैं तो निरीक्षण रिपोर्ट क्या कहती है? यदि शिकायतें सही नहीं हैं तो प्रशासन सार्वजनिक रूप से स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं करता?

सूत्रों के अनुसार, मॉल की पार्किंग व्यवस्था, स्वीकृत भवन मानचित्र और वास्तविक स्थिति के बीच अंतर होने के आरोपों की जांच की मांग लगातार उठ रही है। साथ ही यह भी सवाल है कि सार्वजनिक सड़क पर यदि शुल्क लेकर पार्किंग संचालित हो रही है, तो उसके लिए सक्षम प्राधिकारी की अनुमति उपलब्ध है या नहीं।

हरिभूमि फॉलोअप

जिम्मेदार नहीं उठा रहे फोन

इस मामले मे सबसे बड़ा सवाल नगर पालिक निगम से है, आश्चर्य की बात यह है की पहले तो जिम्मेदार अधिकारी कार्यवाही की बात करते नजर आ रहे थे परन्तु अब उनका फोन भी नो रिप्लाई होने लगा है, जिससे इस मामले मे निगम अधिकारियो की कार्यप्रणाली संदेह के घेरे मे आ गई है।

तीखे सवाल

- क्या नगर निगम ने समदड़िया मॉल का हालिया निरीक्षण किया है?
- यदि किया है तो निरीक्षण रिपोर्ट सार्वजनिक क्यों नहीं की जा रही?
- सड़क पर पेड पार्किंग किस आदेश के आधार पर संचालित हो रही है?
- यदि नियमों का उल्लंघन नहीं है तो प्रशासन आधिकारिक रूप से इसकी जानकारी क्यों नहीं देता?
- यदि उल्लंघन है तो अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई?
- क्या प्रभावशाली लोगों के मामलों में नियमों का पालन अलग तरीके से कराया जा रहा है?
- क्या नगर निगम दस्तावेजों के आधार पर स्थिति स्पष्ट करेगा, या फिर यह मामला भी फाइलों में दबा रहेगा?

रादुविवि में ऑडिट विभाग की सतर्कता से सामने आया कथित फर्जीवाड़े का राज

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में श्रमसाध्य भुगतान से जुड़ी फाइलों में कथित छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। खास बात यह है कि इस पूरे घटनाक्रम का खुलासा किसी शिकायत या बाहरी जांच से नहीं, बल्कि विश्वविद्यालय के ऑडिट विभाग की सतर्कता से हुआ। अधिकारियों ने नोटशीट पर मौजूद हस्ताक्षर और उसके बाद जोड़ी गई टिप्पणी की हैंडराइटिंग में अंतर देखा, जिसके बाद पूरे मामले ने गंभीर रूप ले लिया। अब यह प्रकरण कुलगुरु कार्यालय के समक्ष विचाराधीन है और प्रारंभिक जांच में परीक्षा विभाग के एक लिपिक की भूमिका सामने आने की चर्चा है।

मामला इसलिए भी संवेदनशील माना जा रहा है क्योंकि श्रमसाध्य भुगतान से जुड़े प्रकरण में पहले से ही लोकायुक्त जांच लंबित है। ऐसे में भुगतान संबंधी फाइल में कथित रूप से अतिरिक्त टिप्पणी जोड़ने की घटना ने विश्वविद्यालय की प्रशासनिक कार्यप्रणाली और दस्तावेजों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

ऑडिट ने लौटाई थी फाइल

सूत्रों के अनुसार, गोपनीय विभाग को श्रमसाध्य भत्ते का भुगतान किए जाने के बाद उसी आधार पर परीक्षा विभाग की ओर से शेष भुगतान के लिए नोटशीट तैयार कर ऑडिट विभाग भेजी गई थी। फाइल का परीक्षण करने के बाद ऑडिट विभाग ने स्पष्ट टिप्पणी दर्ज करते हुए उसे वापस लौटा दिया कि श्रमसाध्य भुगतान प्रकरण में लोकायुक्त जांच लंबित है। इसलिए भुगतान संबंधी बिलों का सत्यापन फिलहाल नहीं किया जा सकता और जांच पूरी होने के बाद ही देयक प्रस्तुत किए जाएं। ऑडिट विभाग की इस टिप्पणी के बाद फाइल परीक्षा विभाग लौट गई। यहीं से पूरे मामले ने नया मोड़ ले लिया।

हस्ताक्षर और टिप्पणी के बीच जुड़ गई नई लाइन

सूत्र बताते हैं कि फाइल वापस पहुंचने के बाद नोटशीट में पहले से मौजूद हस्ताक्षर और ऑडिट टिप्पणी के बीच खाली स्थान पर एक अतिरिक्त पंक्ति लिख दी गई। इसमें उल्लेख किया गया कि "जांच केवल शैक्षणिक विभागों की चल रही है। बताया जा रहा है कि इसी अतिरिक्त टिप्पणी के आधार पर फाइल को दोबारा 6 जुलाई को ऑडिट विभाग भेजा गया, ताकि भुगतान प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सके।

अलग हैंडराइटिंग ने खड़ा कर दिया बड़ा सवाल

जब नोटशीट दूसरी बार ऑडिट विभाग पहुंची तो अधिकारियों ने दस्तावेज का बारीकी से परीक्षण किया। इसी दौरान उनकी नजर अतिरिक्त लिखी गई पंक्ति पर गई। अधिकारियों ने पाया कि नोटशीट पर पहले से दर्ज टिप्पणियों और नई लिखी गई लाइन की हैंडराइटिंग अलग-अलग है। यहीं से पूरे मामले का खुलासा हुआ। ऑडिट अधिकारियों ने तत्काल परीक्षा विभाग के संबंधित सेक्शन ऑफिसर (एसओ) से संपर्क कर अतिरिक्त टिप्पणी के संबंध में जानकारी मांगी। सूत्रों के अनुसार, एसओ ने स्पष्ट रूप से ऐसी कोई टिप्पणी लिखने से इंकार कर दिया।

जांच पहुंची कुलगुरु कार्यालय

मामला गंभीर होने पर पूरी फाइल कुलगुरु कार्यालय भेजी गई। प्रारंभिक स्तर पर संबंधित अधिकारी की हैंडराइटिंग का नमूना लेकर उसका मिलान कराया गया। सूत्रों का कहना है कि पड़ताल में यह स्पष्ट हुआ कि नोटशीट में अतिरिक्त टिप्पणी बाद में जोड़ी गई थी।

इसके बाद प्रशासनिक स्तर पर जांच आगे बढ़ाई गई और प्रारंभिक पड़ताल में परीक्षा विभाग में पदस्थ एक लिपिक की भूमिका सामने आने की चर्चा है। आरोप है कि संबंधित कर्मचारी ने बिना किसी वैधानिक अधिकार के आधिकारिक नोटशीट पर टिप्पणी दर्ज की।

अब कार्रवाई पर टिकी निगाहें

विश्वविद्यालय के प्रशासनिक गलियारों में इस बात की चर्चा है कि कुलगुरु छोटे-छोटे मामलों में भी सख्त कार्रवाई के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में इस संवेदनशील प्रकरण में क्या निर्णय लिया जाएगा, इस पर सभी की नजर बनी हुई है। वहीं कुछ कर्मचारियों के बीच यह भी चर्चा है कि संबंधित लिपिक को प्रशासनिक संरक्षण प्राप्त होने के कारण उसने ऐसा कदम उठाने का साहस किया। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

प्रशासनिक व्यवस्था पर उठे सवाल

यह पूरा मामला केवल श्रमसाध्य भुगतान तक सीमित नहीं है, बल्कि विश्वविद्यालय की फाइल सुरक्षा व्यवस्था और आधिकारिक दस्तावेजों की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े करता है। यदि किसी नोटशीट में बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के बाद में टिप्पणी जोड़ी जा सकती है, तो इससे भविष्य में अन्य प्रशासनिक निर्णयों की पारदर्शिता पर भी प्रश्नचिन्ह लग सकते हैं। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि विश्वविद्यालय प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ क्या कदम उठाए जाते हैं।

258वीं भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा 16 जुलाई को, श्रद्धालुओं से शामिल होने की अपील

जबलपुर। श्री जगदीश मंदिर गणेश मंदिर लोक न्यास द्वारा भगवान जगन्नाथ स्वामी, बलभद्र एवं सुभद्रा की 258वीं पारंपरिक रथ यात्रा 16 जुलाई (गुरुवार) को आषाढ़ शुक्ल द्वितीया के अवसर पर निकाली जाएगी। पुष्पों से सुसज्जित भव्य रथ में विराजमान भगवान जगन्नाथ स्वामी नगर भ्रमण कर भक्तों को दर्शन देंगे। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 10 बजे ग्राम बम्होरी के रजनीश गौतम एवं श्रीकृष्ण भजन संकीर्तन मंडली के भजनों से होगी। दोपहर 12:30 बजे पूजन-अर्चन के बाद श्री चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल जाबालिपुरम की अगुवाई में रथ यात्रा जगदीश मंदिर से दुर्गा चौक, गढ़ाफाटक, पड़ाव, बड़ा फुहारा, मिलौनीगंज होते हुए हनुमान अखाड़े पहुंचेगी।

रथ यात्रा के बाद 17 से 26 जुलाई तक भगवान जगन्नाथ स्वामी हनुमान अखाड़े में दस दिवसीय विश्राम करेंगे, जहां प्रतिदिन प्रातः हरिनाम संकीर्तन होगा। 26 जुलाई को सायं 4 बजे रथ की वापसी जगदीश मंदिर के लिए होगी। श्री जगदीश मंदिर गणेश मंदिर लोक न्यास के प्रबंध न्यासी लाल झलेंद्र सिंह बघेल, न्यासी राजकुमार साहू, प्रबंधक मोहित तिवारी, मंदिर पुजारी पं. देवेंद्र त्रिपाठी, संकीर्तनाचार्य पं. मनमोहन दुबे, संयोजक देवेंद्र नेमा, अतुल कुमार पटेल, मोहित कुमार पटेल एवं सत्यप्रकाश नामदेव ने सभी श्रद्धालुओं से रथ यात्रा में शामिल होने की अपील की है।

इकिगाई किड्स प्रीस्कूल में 'एलिस इन द वंडरलैंड' थीम पर सजी ग्रैंडपेरेंट्स टी पार्टी

जबलपुर। इकिगाई किड्स इंटरनेशनल प्रीस्कूल में दादा-दादी एवं नाना-नानी के सम्मान में 'एलिस इन द वंडरलैंड' थीम पर ग्रैंडपेरेंट्स टी पार्टी का आयोजन किया गया। रंग-बिरंगी सजावट और आकर्षक गतिविधियों से सजे विद्यालय परिसर में बच्चों और उनके दादा-दादी एवं नाना-नानी ने कप बैलेंसिंग चैलेंज, पेपर बैग रेस, मैग्नेट गेम्स सहित विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण बच्चों द्वारा प्रस्तुत 'आई लव ग्रैंडमा, आई लव ग्रैंडपा' गीत रहा, जिसने उपस्थित सभी अतिथियों को भावुक कर दिया। इसके बाद सभी ने चाय एवं अल्पाहार का आनंद लिया तथा प्रत्येक परिवार को बच्चों के साथ खिंचवाई गई तस्वीर वाला स्मृति-चिन्ह भेंट किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि दादा-दादी एवं नाना-नानी बच्चों के जीवन में संस्कार, प्रेम और नैतिक मूल्यों के महत्वपूर्ण आधार होते हैं। इस अवसर पर विद्यालय की संस्थापिका अर्पिता मालपानी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदीप गंगाधरन, प्राचार्या सोनिया कोचर एवं परमवीर कौर उपस्थित रहीं।

सोल म्युजिकल ग्रुप के संगीतमय कार्यक्रम का हुआ भव्य समापन

जबलपुर। सोल म्युजिकल ग्रुप द्वारा दत्त मंदिर प्रांगण में आयोजित सांस्कृतिक एवं संगीतमय कार्यक्रम का गुरुवार को भव्य समापन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं जूही राजावत की भक्तिमय प्रस्तुति 'तुम्ही मंदिर हो' से हुआ। इसके बाद डॉ. अनिल बाजपेयी, पूर्व रिटायर्ड जज मीना भट्ट, दिशा झा, प्रीति गर्ग, श्रीमती किरण, रहमान, सूरज (सूरदास) प्रजापति, श्रीमती रंजना गुप्ता, शैलेन्द्र शर्मा, प्रीति मिश्रा एवं डॉ. लियाउ ने लोकप्रिय गीतों की शानदार प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया। अभिषेक तिवारी ने 'कभी राम बनके कभी श्याम बनके' की भक्तिमय प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया, जबकि कार्यक्रम का टाइटल सॉन्ग डॉ. अनिल बाजपेयी ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन पंचम झा ने किया। इस अवसर पर डॉ. कु. अरूण सिंह, डॉ. रश्मि झा एवं श्रीमती अर्चना विजय खण्डेलवाल विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन ने डॉ. गोस्वामी पुष्पदेवानंद सरस्वती का किया सम्मान

जबलपुर। समाज एवं स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. गोस्वामी पुष्पदेवानंद सरस्वती को मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन द्वारा सम्मानित किया गया। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि कोविड-19 महामारी के दौरान डॉ. गोस्वामी ने दिन-रात मरीजों की सेवा कर मानवता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं में उनके सराहनीय योगदान और निस्वार्थ सेवा भाव को देखते हुए यह सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर संगठन ने उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे आगे भी इसी समर्पण और सेवा भावना के साथ समाज की सेवा करते रहेंगे।

अलग राज्य की मांग पर फिर गरमाई सियासत
जबलपुर को राजधानी बनाने की वकालत

जबलपुर। महाकौशल, बुंदेलखंड और बघेलखंड को मिलाकर अलग राज्य बनाने की मांग एक बार फिर राजनीतिक चर्चा का विषय बन गई है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने शनिवार को जबलपुर में मीडिया से चर्चा के दौरान अलग राज्य की मांग दोहराते हुए प्रस्तावित राज्य की राजधानी जबलपुर को बनाने की वकालत की। उन्होंने कहा कि जबलपुर ने उन्हें पहचान और सम्मान दिया है, इसलिए क्षेत्र के अधिकारों के लिए उन्हें किसी राजनीतिक दल से अनुमति लेने की जरूरत नहीं है। उन्होंने इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाकर व्यापक चर्चा कराने की मांग भी की। तन्खा ने कहा कि महाकौशल, बुंदेलखंड और बघेलखंड प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद विकास की दौड़ में पीछे रह गए हैं। उनका कहना था कि अलग राज्य की मांग किसी राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि क्षेत्र के विकास और अधिकारों से जुड़ा विषय है। मीडिया से बातचीत में विवेक तन्खा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेश दौरों पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि पहले नेता जनता की राय और आलोचना का सम्मान करते थे। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का उदाहरण देते हुए कहा कि उस समय सार्वजनिक प्रतिक्रिया को गंभीरता से लिया जाता था। दतिया प्रकरण पर भाजपा को घेरते हुए तन्खा ने कहा कि पार्टी के भीतर असंतोष बढ़ता दिखाई दे रहा है। उनका दावा था कि यदि यह स्थिति बनी रही तो वर्ष 2028 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को इसका राजनीतिक लाभ मिल सकता है।

रसात की फुहारों के बीच जबलपुर-मंडला में शूट हो रहा कुमार शानू का वीडियो सॉन्ग

जबलपुर। मानसून के खूबसूरत मौसम के बीच दिलीप म्यूजिक सर्किल और ए.वी.पी. फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही वीडियो एल्बम 'जरा आहिस्ता चल' की शूटिंग इन दिनों जबलपुर और मंडला के कान्हा क्षेत्र में चल रही है। प्रसिद्ध पार्श्वगायक कुमार शानू की आवाज़ में रिकॉर्ड गीत का फिल्मांकन भेड़ाघाट और मंडला स्थित किंगफिशर रिसॉर्ट में किया जा रहा है। एल्बम का निर्देशन विकास पांडे और वैशाली अदिति कर रहे हैं। विकास पांडे निर्देशन के साथ इस गीत में अभिनय भी कर रहे हैं, जबकि संगीत दिलीप दत्ता ने तैयार किया है। एल्बम में कुमार शानू के अलावा जान कुमार शानू और जावेद अली की आवाज़ भी सुनाई देगी। प्रमुख कलाकारों में विकास पांडे, रिया, श्रीनु जैन, मोली लक्ष्मी और अर्पित तिवारी शामिल हैं। प्रोडक्शन मैनेजर वैशाली अदिति ने बताया कि वर्तमान में बरसात की थीम पर आधारित कुमार शानू के गीत की शूटिंग हो रही है। इसके बाद जान कुमार शानू के गीत सहित दो अन्य गीतों की शूटिंग भी जबलपुर में की जाएगी। निर्देशक विकास पांडे ने कहा कि भविष्य की परियोजनाओं में भी स्थानीय कलाकारों और तकनीशियनों को अधिक से अधिक अवसर देने का प्रयास किया जाएगा, ताकि जबलपुर की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके।

रोटरी क्लब के निःशुल्क चिकित्सा शिविर में मरीजों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

बरेला। रोटरी क्लब एवं राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा के सहयोग से ज्ञानदीप नर्सिंग कॉलेज, हिनोतिया बरहा में शनिवार को निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में डॉ. छत्रपाल सिंहई, डॉ. राजेश धीरावानी एवं डॉ. राहुल शुक्ला के नेतृत्व में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने हजारों मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा ने कहा कि राजनीति पीड़ित मानवता की सेवा का माध्यम है, न कि पैसा कमाने का। उन्होंने जरूरतमंदों की अंतिम सांस तक सेवा करने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में आयोजक अनिल मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत किया। शिविर में राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा, संजय यादव, सम्मति सैनी, आशीष शुक्ला, अरविन्द तिवारी, रामजी रैकवार, विपिन झारिया, कपिल पटेल, बसंत तिवारी, विक्रम सिंह, जहीर अहमद, भूपेंद्र यादव, अभिषेक गौर, नरेश पटेल, अशोक विश्वकर्मा, शेख सलीम, माधव शर्मा, सुनील पाठक, दादूराम यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित रहे। परीक्षण के बाद मरीजों को भोजन भी कराया गया।

पश्चिम मध्य रेल में दो दिवसीय सतर्कता कार्य-निष्पादन समीक्षा बैठक संपन्न

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय में 9 एवं 10 जुलाई को आयोजित दो दिवसीय सतर्कता कार्य-निष्पादन समीक्षा बैठक का समापन हुआ। बैठक की अध्यक्षता रेलवे बोर्ड के प्रमुख कार्यकारी निदेशक (सतर्कता) राजेन्द्र कुमार सोनी ने की। इस दौरान पश्चिम मध्य रेलवे सहित विभिन्न रेलवे इकाइयों के सतर्कता कार्यों एवं प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी एवं प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया।

बैठक के शुभारंभ पर पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही को सतर्कता का मूल आधार बताते हुए ईमानदारी एवं नियमबद्ध कार्यप्रणाली अपनाने का आह्वान किया। वहीं वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी नीरज कुमार ने अनियमितताओं की रोकथाम, पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के लिए सतर्कता जागरूकता को कार्यसंस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाने पर बल दिया। समीक्षा बैठक में नियमित निरीक्षण, जांच प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाने, संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी तथा प्रणालीगत सुधारों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में बनारस लोकोमोटिव वर्क्स, अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे सहित विभिन्न रेलवे इकाइयों के मुख्य सतर्कता अधिकारियों ने भाग लिया। पश्चिम मध्य रेलवे की ओर से सौरभ कुमार, मनोज कुमार महावर, धनराज सिंह जाटव, अजय श्रीवास्तव एवं अमरदीप खरे सहित सतर्कता विभाग के अधिकारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (ए एंड पी) अनिल कुमार तिवारी ने किया।

लियोनार्ड एच.एस. स्कूल इंटरेक्ट इको क्लब ने किया पौधारोपण

जबलपुर। लियोनार्ड एच.एस. स्कूल के इंटरेक्ट इको क्लब के छात्रों ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत बरहा गांव के कृषि क्षेत्र में वाणिज्यिक एवं फलदार पौधों का पौधारोपण किया। पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से आयोजित इस अभियान में छात्रों ने बांस, पीपल, अशोक, यूकेलिप्टस सहित विभिन्न फलदार पौधे लगाए और उनकी देखभाल का संकल्प लिया।

इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य एलजी लोबो ने पौधारोपण के महत्व, वनों की कटाई, प्रदूषण और वैश्विक तापमान वृद्धि के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए छात्रों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनका संरक्षण करने का आह्वान किया। अभियान में जिया, वंशिका, सिद्धि, ममता, काव्या, लवली, दीप्ति, यशवंत, रामजी, यशराज, रजत, सचिन एवं संजीव सहित इंटरेक्ट इको क्लब के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में क्लब प्रभारी मिस पूजा एवं मोहसिन सर का विशेष सहयोग रहा।

बजरंग दल ने किया स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, सेवा सप्ताह कार्यक्रम संपन्न

भेड़ाघाट। बजरंग दल द्वारा आयोजित सेवा सप्ताह के अंतर्गत नर्मदा जिला के विभिन्न प्रखंडों में सेवा कार्यों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

कार्यक्रम के प्रभारी एवं बजरंग दल जिला संयोजक सत्यम बर्मन ने बताया कि सेवा सप्ताह के तहत पूरे भारत में चल रहे कार्यक्रमों की कड़ी में जबलपुर विभाग के नर्मदा जिला के सभी प्रखंडों में कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

स्वास्थ्य शिविर में जिला सह मंत्री विशाल नामदेव, जिला संयोजक सत्यम बर्मन, सह संयोजक राहुल बकाले, सुषमा प्यासी, सुरक्षा प्रमुख दिलीप बर्मन, प्रखंड संयोजक आकाश चक्रवर्ती, विवेक चक्रवर्ती, सरजू कुमार, दुर्गेश साहू, शेखर साहू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सेवा भावना के साथ लोगों की सहायता और स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश दिया गया।

श्री प्रीतमलाल रजक – चेरीताल वार्ड, तुलसी नगर, छाया ड्यूपलेक्स के सामने निवासी प्रिंस रजक के पिता श्री प्रीतमलाल रजक का 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया। अंतिम यात्रा आज 12 जुलाई, दिन रविवार को निवास स्थान से प्रातः 10 बजे रानीताल मुक्तिधाम के लिए प्रस्थान करेगी।

श्री शिव चरण रजक– पंसारी मोहल्ला गोरखपुर निवासी श्री शिव चरण रजक का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री रोहणी प्रसाद कोरी– पुष्प नगर कछपुरा निवासी श्री रोहणी प्रसाद कोरी (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री राहुल ठाकुर– कांचघर शीतलामाई रोड सर्वोदय स्कूल के पीछे निवासी श्री राम सिंह ठाकुर के पुत्र श्री राहुल ठाकुर (30) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विकास केवट– द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री किशन लाल केवट के पुत्र श्री विकास केवट (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री काशीराम चौरसिया- चंडालभाटा चेरीताल निवासी श्री काशीराम चौरसिया (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुंदर बेन– न्यू बिल्डिंग सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री सुंदर बेन (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री सज्जन श्रीवास– ककरैया तलैया गोरखपुर निवासी श्री सज्जन श्रीवास (29) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री लखन कुमार कोल– छुई खदान मड़ैया श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड निवासी श्री मधुर कुमार कोल के पुत्र श्री लखन कुमार कोल (37) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री विवेक परस्ते– शारदा चौक मदनमहल निवासी श्री महेश परस्ते के पुत्र श्री विवेक परस्ते (26) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब मात्र 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362100

बीपीसीएल के सहयोग से अधारताल तालाब में चलाया गया स्वच्छता अभियान

जबलपुर। अधारताल तालाब, जबलपुर में स्थानीय नागरिकों द्वारा स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य तालाब परिसर की साफ-सफाई, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा नागरिकों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित करना था। इस अवसर पर भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की ओर से तनुज कुशवाहा एवं कपिल वर्मा विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए।कार्यक्रम की शुरुआत सभी उपस्थित नागरिकों द्वारा स्वच्छता शपथ के साथ हुई, जिसमें सभी ने स्वच्छता बनाए रखने, सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग न करने तथा पर्यावरण की रक्षा करने का संकल्प लिया। इसके पश्चात सभी ने मिलकर अधारताल तालाब परिसर में साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया।

इस अवसर पर बीपीसीएल के प्रतिनिधियों ने नागरिकों को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का महत्व बताते हुए अपने आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने और प्लास्टिक मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी अभियानों में सहयोग देने का संकल्प लिया। बीपीसीएल के सहयोग से आयोजित यह स्वच्छता अभियान स्वच्छ, स्वस्थ एवं प्लास्टिक मुक्त समाज की दिशा में एक सराहनीय एवं प्रेरणादायक पहल रहा।

नाम एंव जन्मतिथि परिवर्तन सूचना

I, INDERJEET is legally FATHER of ARMY NO-15720885A, Rank - HAV, Name- SUSHIL KUMAR presently residing at Vill - HIMATPURA -POST-HIMATPURA Teh - ABOHAR, Distt – FAZILKA State-PUNJAB, PIN- 152118 शपथपूर्वक निलि कथन करता हूं कि मेरे बेटे के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम एंव जन्मतिथि INDER JEET / 02/05/1962 दर्ज है। जो कि गलत है। यह कि मेरे आधार कार्ड एंव अन्य दस्तावेजो में मेरा नाम एंव जन्मतिथि INDERJEET/01/01/1946 दर्ज है। जो कि सही है मेरे नाम को पढा व सुना एंव मेरे बेटे के सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जाए । द्वारा शपथ पत्र नं 38AA 580964 दिनांक 11-07-26 नोटरी जबलपुर म प्र ।

गलत नाम एंव जन्मतिथि
INDER JEET/02/05/1962
सही नाम एंव जन्मतिथि
INDERJEET/01/01/1946

नाम एंव जन्मतिथि परिवर्तन सूचना

I, DROPATI DEVI is legally MOTHER of ARMY NO-15720885A, Rank - HAV, Name- SUSHIL KUMAR presently residing at Vill - HIMATPURA -POST-HIMATPURA Teh - ABOHAR, Distt – FAZILKA State-PUNJAB, PIN- 152118 शपथपूर्वक निलि कथन करता हूं कि मेरे बेटे के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम एंव जन्मतिथि DAROPATI / 06/03/1966 दर्ज है। जो कि गलत है। यह कि मेरे आधार कार्ड एंव अन्य दस्तावेजो में मेरा नाम एंव जन्मतिथि DROPATI DEVI/12/04/1948 दर्ज है। जो कि सही है मेरे नाम को पढा व सुना एंव मेरे बेटे के सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जाए । द्वारा शपथ पत्र नं 38AA 580963 दिनांक 11-07-26 नोटरी जबलपुर म प्र ।

गलत नाम एंव जन्मतिथि
DAROPATI / 06/03/1966
सही नाम एंव जन्मतिथि
DROPATI DEVI/12/04/1948

■ निवेशकों के साथ उद्योग की भी पहली पसंद बन रही चांदी

चांदी का बाजार अक्सर निवेशकों को चौंका रहा, बनाए रखें नजर

निवेशकों को सोने में 2 से 3 प्रतिशत तो चांदी में 5 से 8 प्रतिशत का लाभ

सोना, रुपया, क्रिप्टो व कॉपर तय कर रहे हैं चांदी की चाल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

इसे वैश्विक अर्थव्यवस्था का बैरोमीटर भी कहा जाता है। जब उद्योगों में उत्पादन बढ़ता है तो कॉपर की मांग बढ़ जाती है। चूंकि चांदी का उपयोग भी इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल, बैटरी, मेडिकल उपकरण, इलेक्ट्रिक वाहन और कई आधुनिक तकनीकों में होता है, इसलिए कॉपर की तेजी कई बार चांदी की मांग बढ़ने का संकेत भी देती है। यही वजह है कि निवेशक कॉपर की कीमतों पर भी नजर रखते हैं।

चांदी को अक्सर सोने का विकल्प माना जाता है, लेकिन इसकी कीमत तय होने का तरीका सोने से कहीं अधिक जटिल है। यही कारण है कि कई बार जब सोना मामूली बढ़ता या घटता है, तब चांदी में कहीं अधिक तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है। इसके पीछे सिर्फ मांग और आपूर्ति नहीं, बल्कि सोने की कीमत, डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति, बिटकॉइन जैसे डिजिटल निवेश, कॉपर की चाल और वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम भी जिम्मेदार होते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि चांदी एक ऐसी धातु है, जिसका इस्तेमाल निवेश के साथ-साथ उद्योगों में भी बड़े पैमाने पर होता है। इसलिए इसकी कीमत पर कई तरह के कारकों का एक साथ असर पड़ता है। यही वजह है कि चांदी का बाजार अक्सर निवेशकों को चौंका देता है।

सोना बढ़े तो चांदी क्यों दौड़ने लगती है?

सोना और चांदी दोनों को सुरक्षित निवेश का माध्यम माना जाता है। जब दुनिया में आर्थिक अनिश्चितता, महंगाई, युद्ध या वित्तीय संकट जैसे हालात बनते हैं, तब निवेशक सोने और चांदी में निवेश बढ़ा देते हैं। ऐसे समय में दोनों धातुओं की कीमतों में तेजी देखने को मिलती है। हालांकि, चांदी का बाजार सोने की तुलना में छोटा है। यही कारण है कि निवेश का थोड़ा-सा अतिरिक्त प्रवाह भी इसकी कीमतों में बड़ा बदलाव ला सकता है। कई बार सोने में 2 से 3 प्रतिशत की तेजी के मुकाबले चांदी 5 से 8 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। इसी वजह से चांदी को अधिक उतार-चढ़ाव वाली कीमती धातु माना जाता है।

रुपये की मजबूती और कमजोरी का सीधा असर

भारत अपनी जरूरत का अधिकांश चांदी विदेशों से आयात करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों के साथ-साथ डॉलर और रुपये की विनिमय दर भी घरेलू बाजार में अहम भूमिका निभाती है। यदि डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होता है तो आयात महंगा हो जाता है। इससे भारतीय बाजार में चांदी की कीमत बढ़ जाती है, भले ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत स्थिर हो। वहीं, रुपया मजबूत होने पर आयात लागत कम हो सकती है और कीमतों में कुछ राहत मिल सकती है। यही कारण है कि विदेशी मुद्रा बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव पर चांदी के कारोबारी और निवेशक लगातार नजर बनाए रखते हैं।

बिटकॉइन का बढ़ता प्रभाव

डिजिटल युग में बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टोकरेंसी भी निवेश की दुनिया का बड़ा हिस्सा बन चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में यह देखा गया है कि कई निवेशक अपने पोर्टफोलियो में सोना, चांदी और बिटकॉइन को वैकल्पिक निवेश के रूप में रखते हैं। जब क्रिप्टो बाजार में तेजी आती है तो कुछ निवेशक कीमती धातुओं से पैसा निकालकर बिटकॉइन में लगाते हैं। इसके विपरीत, जब बिटकॉइन में तेज गिरावट आती है या जोखिम बढ़ता है, तब निवेशक सुरक्षित विकल्प के तौर पर फिर से सोना और चांदी की ओर लौटते हैं। यही बदलाव चांदी की कीमतों में भी दिखाई देता है। कॉपर यानी तांबा दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण औद्योगिक धातुओं में शामिल है।

ग्रीन एनर्जी ने बढ़ाई उम्मीदें

दुनिया तेजी से स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ रही है। सोलर पैनलों के निर्माण में चांदी का महत्वपूर्ण उपयोग होता है। इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहनों, स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और नई ऊर्जा तकनीकों में भी इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में यदि ग्रीन एनर्जी परियोजनाओं का विस्तार इसी गति से जारी रहा तो चांदी की औद्योगिक मांग और मजबूत होगी। इससे इसकी कीमतों को दीर्घकाल में समर्थन मिल सकता है।

वैश्विक घटनाओं से भी बदलती है दिशा

चांदी की कीमत केवल घरेलू कारणों से तय नहीं होती। अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ब्याज दरें, डॉलर इंडेक्स, महंगाई के आंकड़े, कच्चे तेल की कीमतें और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक तनाव भी इसकी चाल बदल सकते हैं।
यदि ब्याज दरें घटने की संभावना बनती है तो निवेशक कीमती धातुओं की ओर आकर्षित होते हैं। वहीं, डॉलर मजबूत होने पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी पर दबाव आ सकता है। इसी तरह युद्ध, व्यापारिक विवाद या वैश्विक आर्थिक मंदी जैसी घटनाएं भी निवेशकों की रणनीति बदल देती हैं।

निवेशकों के लिए सीख?

विशेषज्ञों का कहना है कि चांदी में निवेश केवल कीमत देखकर नहीं करना चाहिए। निवेश से पहले यह समझना जरूरी है कि बाजार में तेजी या गिरावट की वजह क्या है। यदि तेजी केवल किसी अस्थायी घटना के कारण है तो निवेश में सावधानी बरतनी चाहिए।

लंबी अवधि के निवेशकों के लिए चरणबद्ध निवेश (एसआईपी या नियमित अंतराल पर खरीद) अपेक्षाकृत सुरक्षित रणनीति मानी जाती है। इससे बाजार में अचानक आने वाले उतार-चढ़ाव का असर कम हो सकता है। चांदी की कीमतों में बार-बार होने वाले बदलाव के पीछे केवल एक कारण नहीं होता। सोने की चाल, रुपये की स्थिति, बिटकॉइन में निवेशकों का रुझान, कॉपर की मांग, औद्योगिक उपयोग और वैश्विक आर्थिक घटनाएं मिलकर इसकी दिशा तय करती हैं। यही वजह है कि चांदी कभी तेज रफ्तार से चमकती है तो कभी अचानक फिसल जाती है। आने वाले समय में ग्रीन एनर्जी, इलेक्ट्रिक वाहनों और आधुनिक तकनीक में बढ़ते उपयोग के कारण चांदी की मांग मजबूत रहने की संभावना है। हालांकि, निवेशकों को इसकी अस्थिर प्रकृति को समझते हुए सोच-समझकर और संतुलित रणनीति के साथ निवेश करना चाहिए।

रेस्टोरेंट या क्लाउड किचन, किस बिजनेस में है ज्यादा मुनाफा?

बिजनेस डेस्क

भारत का फूड बिजनेस तेजी से बदल रहा है। कुछ साल पहले तक रेस्टोरेंट खोलना ही इस क्षेत्र में सफलता का सबसे बड़ा रास्ता माना जाता था, लेकिन ऑनलाइन फूड डिलीवरी के बढ़ते चलन ने तस्वीर बदल दी है। अब कम लागत में शुरू होने वाले क्लाउड किचन तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। यही वजह है कि नए उद्यमियों के सामने सबसे बड़ा सवाल है कि रेस्टोरेंट खोलें, क्लाउड किचन शुरू करें या दोनों का मिश्रित यानी हाइब्रिड मॉडल अपनाएं। विशेषज्ञों का मानना है कि सही बिजनेस मॉडल का चुनाव केवल लागत के आधार पर नहीं, बल्कि लक्ष्य, बजट, ग्राहकों की पसंद और स्थानीय बाजार की मांग को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

क्या है क्लाउड किचन मॉडल?

क्लाउड किचन ऐसा किचन होता है, जहां केवल खाना तैयार किया जाता है और उसकी बिक्री ऑनलाइन ऑर्डर के माध्यम से होती है। इसमें ग्राहकों के बैठने, सजावट, सर्विस स्टाफ या बड़े शोरूम की जरूरत नहीं होती। ऑर्डर सीधे फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म या खुद के ऐप और वेबसाइट के जरिए ग्राहकों तक पहुंचाए जाते हैं। कम जगह और सीमित कर्मचारियों के कारण इसकी शुरुआती लागत पारंपरिक रेस्टोरेंट की तुलना में काफी कम होती है। यही वजह है कि छोटे निवेश वाले उद्यमी इसे तेजी से अपना रहे हैं।

रेस्टोरेंट की सबसे बड़ी ताकत क्या

रेस्टोरेंट केवल खाना बेचने का माध्यम नहीं, बल्कि ग्राहकों को एक अनुभव भी देता है। परिवार के साथ डिनर, दोस्तों की पार्टी, जन्मदिन का आयोजन या बिजनेस मीटिंग जैसी जरूरतों के लिए लोग आज भी रेस्टोरेंट का रुख करते हैं। यहीं पर ब्रांड की पहचान भी मजबूत होती है। अच्छा माहौल, बेहतर सेवा और स्वाद ग्राहकों को दोबारा आने के लिए प्रेरित करते हैं। इसके अलावा पेय पदार्थ, डेजर्ट और अन्य अतिरिक्त उत्पादों की बिक्री से भी रेस्टोरेंट की आय बढ़ती है।

कम लागत से बढ़त बनाते हैं क्लाउड किचन

क्लाउड किचन का सबसे बड़ा फायदा इसकी कम परिचालन लागत है। महंगे इंटीरियर, बड़े हॉल, अतिरिक्त कर्मचारियों और प्रमुख बाजार में दुकान लेने की जरूरत नहीं होती। इससे किराया, बिजली और रखरखाव का खर्च काफी कम हो जाता है। कम खर्च के कारण यदि बिक्री अच्छी हो तो मुनाफे की संभावना भी बढ़ जाती है। यही वजह है कि कई नए फूड ब्रांड पहले क्लाउड किचन से शुरुआत करते हैं और बाद में रेस्टोरेंट की ओर बढ़ते हैं।

ऑनलाइन डिलीवरी ने खोले नए अवसर

भारत में स्मार्टफोन और इंटरनेट की पहुंच बढ़ने के साथ ऑनलाइन खाना मंगाने का चलन भी तेजी से बढ़ा है। बड़े शहरों के साथ अब छोटे शहरों में भी लोग मोबाइल ऐप के जरिए खाना ऑर्डर कर रहे हैं। इस बदलाव का सबसे बड़ा फायदा क्लाउड किचन को मिला है। बिना अलग-अलग इलाकों में महंगे रेस्टोरेंट खोले भी एक ब्रांड कई क्षेत्रों में ग्राहकों तक पहुंच सकता है। इससे विस्तार आसान और अपेक्षाकृत कम खर्चीला हो जाता है।

हाइब्रिड मॉडल क्यों बन रहा है पसंद

फूड इंडस्ट्री में अब कई बड़े ब्रांड हाइब्रिड मॉडल अपना रहे हैं। इसमें एक या दो प्रमुख स्थानों पर रेस्टोरेंट चलाया जाता है, जबकि शहर के अन्य हिस्सों में क्लाउड किचन के जरिए ऑनलाइन ऑर्डर पूरे किए जाते हैं। इस मॉडल से एक तरफ ग्राहकों के बीच ब्रांड की पहचान मजबूत होती है, वहीं दूसरी ओर कम लागत में अधिक क्षेत्रों तक पहुंच बनाना संभव हो जाता है। यही कारण है कि कई विशेषज्ञ इसे भविष्य का संतुलित बिजनेस मॉडल मानते हैं। किसी भी फूड बिजनेस की सफलता केवल मॉडल पर निर्भर नहीं करती। सबसे पहले स्थानीय बाजार की मांग, प्रतिस्पर्धा, ग्राहकों की पसंद और निवेश क्षमता का आकलन करना जरूरी है।

मुश्किल वक्त की ढाल है सोना, ऐसे कर सकते हैं पैसों का इंतजाम

जानकारी
बिजनेस डेस्क

वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि गोल्ड लोन केवल जरूरत पड़ने पर ही लेना चाहिए। रोजमर्रा के खर्च, गैर-जरूरी खरीदारी या विलासिता की वस्तुओं के लिए आभूषण गिरवी रखना उचित नहीं माना जाता। यह विकल्प उन परिस्थितियों के लिए बेहतर है, जहां अचानक धन की जरूरत हो और उसके बदले कोई सस्ता व तेज विकल्प उपलब्ध न हो।

भारतीय परिवारों में सोना केवल आभूषण नहीं, बल्कि बचत और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। शादी-ब्याह, त्योहार और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर लोग वर्षों तक सोना खरीदते हैं। लेकिन जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ती है तो कई परिवारों के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि क्या अपनी जमा-पूंजी बेच दी जाए या कोई दूसरा रास्ता अपनाया जाए। वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी परिस्थितियों में सोना बेचने के बजाय उसके बदले गोल्ड लोन लेना अधिक समझदारी भरा विकल्प हो सकता है। गोल्ड लोन की खास बात यह है कि इसमें आपको अपने आभूषण बेचने की जरूरत नहीं पड़ती। बैंक या वित्तीय संस्थान सोने को गिरवी रखकर उसकी कीमत के आधार पर ऋण उपलब्ध कराते हैं। लोन चुकाने के बाद वही आभूषण सुरक्षित वापस मिल जाते हैं। इस कारण यह विकल्प उन परिवारों के लिए उपयोगी माना जाता है, जिन्हें कम समय के लिए धन की आवश्यकता होती है। जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं, जब अचानक बड़ी रकम की जरूरत पड़ जाती है। किसी परिवार में बीमारी, बच्चों की पढ़ाई, शादी, कारोबार के लिए कार्यशील पूंजी, खेती-किसानी या अन्य आपात स्थिति में तत्काल नकदी की जरूरत महसूस हो सकती है। ऐसे समय में यदि पर्याप्त बचत उपलब्ध न हो, तो लोग अक्सर सोना बेचने का निर्णय लेते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि जरूरत अस्थायी है और कुछ महीनों में पैसा लौटाने की क्षमता है, तो सोना बेचने के बजाय गोल्ड लोन लेना बेहतर विकल्प हो सकता है। इससे परिवार की वर्षों की बचत भी सुरक्षित रहती है और जरूरत का पैसा भी मिल जाता है। गोल्ड लोन की राशि आपके पास मौजूद सोने की शुद्धता और बाजार मूल्य के आधार पर तय की जाती है। आमतौर पर अधिक शुद्ध सोने पर अधिक ऋण मिलने की संभावना रहती है। हालांकि, वित्तीय संस्थान नियामकीय नियमों के अनुसार सोने के मूल्य का एक निश्चित हिस्सा ही ऋण के रूप में देते हैं। लोन स्वीकृत होने की प्रक्रिया भी अपेक्षाकृत तेज होती है। जरूरी दस्तावेज पूरे होने पर कई मामलों में उसी दिन या कुछ घंटों के भीतर राशि खाते में जमा हो सकती है।

सोना बेचने और गिरवी रखने में क्या अंतर है

सोना बेचने पर वह हमेशा के लिए आपके हाथ से निकल जाता है। यदि भविष्य में उसकी कीमत बढ़ती है तो उसका लाभ भी आपको नहीं मिल पाता। दूसरी ओर, गोल्ड लोन में आभूषण आपकी संपत्ति बने रहते हैं। लोन चुकाने के बाद वही आभूषण वापस मिल जाते हैं। यही वजह है कि वित्तीय सलाहकार गोल्ड लोन को अल्पकालिक जरूरतों के लिए उपयोगी मानते हैं, जबकि स्थायी वित्तीय संकट में अन्य विकल्पों पर भी विचार करने की सलाह देते हैं।

लोन लेने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

गोल्ड लोन लेने से पहले ब्याज दर, प्रोसेसिंग शुल्क, भुगतान की अवधि और समय पर किस्त चुकाने की क्षमता का आकलन जरूर करें। अलग-अलग बैंक और वित्तीय संस्थान अलग शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराते हैं। इसलिए एक से अधिक संस्थानों की शर्तों की तुलना करना लाभदायक हो सकता है। यह भी समझना जरूरी है कि समय पर लोन का भुगतान नहीं होने पर अतिरिक्त ब्याज या अन्य शुल्क लग सकते हैं। लंबे समय तक भुगतान न होने की स्थिति में गिरवी रखा सोना नीलामी की प्रक्रिया तक पहुंच सकता है।

डिजिटल सुविधाओं से हुई प्रक्रिया आसान

पिछले कुछ वर्षों में गोल्ड लोन की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक हुई है। कई बैंक और वित्तीय संस्थान ऑनलाइन आवेदन, दस्तावेज सत्यापन और लोन से जुड़ी जानकारी डिजिटल माध्यम से उपलब्ध करा रहे हैं। इससे ग्राहकों का समय बचता है और प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनती है।

क्या करें

- आपातकालीन जरूरत होने पर ही गोल्ड लोन लेने का फैसला करें।
- लोन लेने से पहले अलग-अलग बैंक और वित्तीय संस्थानों की ब्याज दर और अन्य शुल्क की तुलना करें।
- केवल उतनी ही राशि का लोन लें, जितनी वास्तव में जरूरी हो।
- लोन की अवधि और किस्तों का भुगतान समय पर करें, ताकि अतिरिक्त ब्याज या जुर्माने से बचा जा सके।
- गिरवी रखने से पहले सोने के आभूषणों का वजन और शुद्धता की जानकारी अपने पास सुरक्षित रखें।
- लोन से जुड़े सभी दस्तावेज और रसीदें संभालकर रखें।

क्या न करें

- गैर-जरूरी खर्च, लग्जरी सामान या छुट्टियां मनाने के लिए गोल्ड लोन न लें।
- केवल जल्दी पैसा मिलने के लालच में बिना शर्तें पढ़े किसी भी संस्था से लोन न लें।
- किस्तों का भुगतान टालने की गलती न करें, इससे ब्याज बढ़ सकता है और सोने की नीलामी का जोखिम भी पैदा हो सकता है।
- जरूरत से ज्यादा लोन लेकर भविष्य पर अनावश्यक वित्तीय बोझ न बढ़ाएं।
- किसी अनधिकृत या अविश्वसनीय संस्था के पास अपने आभूषण गिरवी न रखें।
- लोन की शर्तों, प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्कों को नजरअंदाज न करें।

■ लंबी अवधि के निवेशकों के लिए बाजार का ठहराव भी बन सकता है सुनहरा अवसर

शेयर बाजार में गिरावट का इंतजार नहीं करें, जारी रखें अपना निवेश

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में निवेश करने वाले ज्यादातर लोग एक ही सवाल पूछते हैं क्या अभी निवेश करें या बड़ी गिरावट का इंतजार करें? यह दुविधा नए निवेशकों में सबसे ज्यादा देखने को मिलती है। कई लोग मानते हैं कि बाजार में तेज गिरावट आने के बाद निवेश करना ही सबसे अच्छा फैसला होता है। हालांकि, बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि केवल क्रैश का इंतजार करना कई बार महंगा साबित हो सकता है। यदि किसी निवेशक का लक्ष्य लंबी अवधि में संपत्ति बनाना है, तो अच्छी कंपनियों में चरणबद्ध तरीके से निवेश शुरू करना अधिक व्यावहारिक रणनीति हो सकती है। शेयर बाजार का सबसे कठिन काम यह तय करना है कि बाजार कब सबसे नीचे पहुंचेगा और कब सबसे ऊपर होगा। वास्तविकता यह है कि कोई भी निवेशक या विशेषज्ञ लगातार यह सटीक अनुमान नहीं लगा सकता। कई बार बाजार बिना किसी बड़ी गिरावट के ही नई ऊंचाइयों पर पहुंच जाता है। ऐसे में जो निवेशक केवल बड़ी गिरावट का इंतजार करते रहते हैं, वे अच्छे अवसर गंवा देते हैं।

ठहरा हुआ बाजार देता है सोचने का मौका

जब बाजार लगातार तेजी में होता है तो निवेशक अक्सर जल्दबाजी में फैसले लेते हैं। इसके विपरीत, जब बाजार सीमित दायरे में कारोबार करता है या कुछ समय तक ठहरा रहता है, तब निवेशकों के पास कंपनियों का मूल्यांकन करने का समय मिलता है। यही वह दौर होता है, जब किसी कंपनी के कारोबार, मुनाफे, कर्ज, प्रबंधन और भविष्य की संभावनाओं का शांत दिमाग से विश्लेषण किया जा सकता है। ऐसे समय में चुने गए मजबूत शेयर लंबी अवधि में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

चरणबद्ध निवेश बेहतर

विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार की दिशा का अनुमान लगाने के बजाय नियमित अंतराल पर निवेश करना ज्यादा प्रभावी रणनीति है। यदि निवेशक हर महीने या तय समय पर अच्छी कंपनियों में निवेश करता है, तो बाजार के उतार-चढ़ाव का औसत प्रभाव कम हो जाता है। यही कारण है कि म्यूचुअल फंड में एसआईपी और शेयरों में नियमित निवेश की रणनीति को लंबे समय के लिए उपयोगी माना जाता है। इससे निवेशक को बाजार के हर स्तर पर खरीदारी का अवसर मिलता है। हर गिरावट निवेश का अवसर नहीं होती। निवेश करने से पहले यह देखना जरूरी है कि कंपनी का कारोबार मजबूत है या नहीं। केवल सस्ती कीमत देखकर शेयर खरीदना सही रणनीति नहीं मानी जाती।

भावनाओं से नहीं, योजना से करें निवेश

शेयर बाजार में सबसे बड़ी चुनौती निवेशक की अपनी भावनाएं होती हैं। तेजी के समय लालच और गिरावट के समय डर अक्सर गलत फैसलों की वजह बनते हैं। कई निवेशक तेजी में ऊंचे भाव पर खरीदते हैं और गिरावट में नुकसान पर बेच देते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश हमेशा पहले से तय योजना के अनुसार होना चाहिए। यदि किसी कंपनी के मूलभूत आधार मजबूत हैं, तो बाजार में अस्थायी गिरावट घबराने का कारण नहीं बननी चाहिए।

अच्छी कंपनियों में चरणबद्ध तरीके से निवेश करना अधिक व्यावहारिक रणनीति

तीन से पांच साल का नजरिया रखिए

यदि निवेश का लक्ष्य कुछ महीनों का है, तो बाजार का उतार-चढ़ाव चिंता का विषय बन सकता है। लेकिन जिन निवेशकों का लक्ष्य तीन से पांच वर्ष या उससे अधिक का है, उनके लिए अल्पकालिक गिरावट का महत्व कम हो जाता है। भारत की अर्थव्यवस्था में बुनियादी ढांचे, विनिर्माण, बैंकिंग, डिजिटल सेवाओं, रक्षा और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में लगातार निवेश बढ़ रहा है। यदि यह रफ्तार बनी रहती है, तो मजबूत कंपनियों को इसका लाभ मिल सकता है।
शेयर बाजार में निवेश हमेशा जोखिम के साथ आता है। कोई भी शेयर या सेक्टर लगातार अच्छा प्रदर्शन करेगा, इसकी गारंटी नहीं होती। इसलिए पूरा पैसा एक ही कंपनी या एक ही सेक्टर में लगाने के बजाय विविधीकरण करना बेहतर माना जाता है।

सही रणनीति अपनाएं

शेयर बाजार में सफलता केवल सही समय का इंतजार करने से नहीं, बल्कि सही रणनीति अपनाने से मिलती है। यदि निवेशक मजबूत कंपनियों का चयन करें, नियमित निवेश बनाए रखें और लंबी अवधि का नजरिया रखें, तो बाजार का मौजूदा ठहराव भी भविष्य की बेहतर कमाई का आधार बन सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा रहेगा, लेकिन धैर्य, अनुशासन और सही कंपनियों का चुनाव ही निवेश को सफल बनाता है। इसलिए केवल बड़ी गिरावट का इंतजार करने के बजाय सोच-समझकर और चरणबद्ध तरीके से निवेश की शुरुआत करना अधिक व्यावहारिक कदम माना जा सकता है।

यह करना चाहिए

- निवेश से पहले अपने वित्तीय लक्ष्य और निवेश अवधि तय करें।
- मजबूत बुनियादी स्थिति (फंडामेंटल) वाली कंपनियों में ही निवेश करें।
- एकमुश्त निवेश के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करें।
- अलग-अलग सेक्टरों और कंपनियों में निवेश कर पोर्टफोलियो को विविध बनाएं।
- कंपनी के वित्तीय नतीजों, कर्ज, प्रबंधन और भविष्य की संभावनाओं का अध्ययन करें।
- बाजार में गिरावट आने पर घबराने के बजाय अपनी निवेश रणनीति की समीक्षा करें।
- लंबी अवधि का नजरिया रखें और धैर्य बनाए रखें।

यह नहीं करें

- केवल शेयर बाजार में बड़ी गिरावट (क्रैश) का इंतजार करते हुए निवेश टालते न रहें।
- सोशल मीडिया, अफवाहों या बिना रिसर्च के शेयर न खरीदें।
- लालच या डर में आकर बार-बार खरीद-बिक्री न करें।
- पूरा निवेश एक ही शेयर या एक ही सेक्टर में न लगाएं।
- उधार लेकर या आपातकालीन जरूरत के पैसे से शेयर बाजार में निवेश न करें।
- हर दिन के उतार-चढ़ाव को देखकर अपनी लंबी अवधि की रणनीति न बदलें।

-बिना जोखिम समझे केवल पिछले रिटर्न देखकर किसी शेयर में निवेश न करें।

पहली ही बारिश में भूमिगत मार्ग तालाब बन जाते हैं, सड़कें नदियों का रूप ले लेती हैं और जिंदगी की रफ्तार वाहनों की लंबी कतारों के दलदल में फंसकर रेंगने लगती है। पिछले कुछ वर्षों से हम इस स्थिति से हर वर्ष दो-चार होते हैं और हर बार यही सवाल हमारे सामने आकर खड़ा हो जाता है कि क्या हमारे स्थानीय निकाय जनसुविधाएं उपलब्ध कराने में नाकाम हो रहे हैं या फिर हम लोग अनियंत्रित होकर अपनी क्षमता से कहीं अधिक नागरिक सुविधाओं पर दबाव डाल रहे हैं? पहले शहरों में बड़े तालाब और झीलें होती थीं, जो बारिश के पानी को इकट्ठा कर जलस्तर ठीक करने का काम करती थी। आज उन तालाबों और झीलों पर अधिकार कर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए हैं। यदि इस जल का एक बड़ा भाग भी वैज्ञानिक ढंग से संचित कर लिया जाए तो गर्मियों में पेयजल संकट, भूजल स्तर में गिरावट और सिंचाई संबंधी समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। बदलते मौसम चक्र के कारण वर्षा अब कम दिनों में अधिक तीव्रता से हो रही है। यदि वर्षा जल को संरक्षित नहीं किया गया तो बाढ़ का खतरा बढ़ेगा। दूसरी ओर, पहाड़ी राज्यों में विकास बनाम विनाश की लड़ाई चल रही है। तथाकथित 'सस्टेनेबल मॉडल' और 'व्यावसायिक मॉडल' के बीच के अंतर ने संकट को बढ़ाया है। *इन्हीं समस्याओं के समाधान की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

हम खुद बना रहे बारिश को आपदा

विश्लेषण

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

वरिष्ठ स्तंभकार

इस समस्या के मूल में सबसे पहला और सबसे बड़ा कारण हमारी प्रशासनिक व्यवस्था की शिथिलता है। हर साल मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के नाम पर करोड़ों रुपये का बजट आवंटित किया जाता है। फाइलों और कागजों पर तो सारी तैयारियां मुकम्मल नजर आती हैं, लेकिन जमीन पर हकीकत कुछ और ही बयां करती है। सत्य तो यह है किअनियोजित शहरीकरण के साथ-साथ नागरिकों का असंतुलित और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार भी इस समस्या को गहरा करने में अहम भूमिका निभा रहा है। रोजगार और बेहतर जीवन स्तर की तलाश में गांवों से शहरों की ओर होने वाले निरंतर पलायन ने शहरों की छाती पर अप्रत्याशित बोझ बढ़ा दिया है।

सुदर्शन फ़ाकिर ने कहा है-

ये दौलत भी ले लो, ये शोहरत भी ले लो,
भले छीन लो मुझसे मेरी जवानी।
मगर मुझको लौटा दो बचपन का सावन,
वो कागज़ की कश्ती, वो बारिश का पानी।

बारिश की बूंदें हमेशा आम जनमानस के लिए एक सुकून का सुखद संदेश लेकर आती हैं। तपती और झुलसा देने वाली गर्मी के बाद जब धरती की प्यास बुझती है तो मिट्टी से आने वाली सोंधी खुशबू किसी भी मन को आनंदित कर देती है। बारिश प्रकृति का वह वरदान है जो नवजीवन का संचार करता है, लेकिन आज के इस आधुनिक युग में जहां हम भौतिक विकास की सीढ़ियां चढ़ रहे हैं, मानसून का यह प्राकृतिक सौंदर्य हमारे लिए एक बुरे सपने जैसा बनता जा रहा है। अभी मानसून की शुरुआत ही हुई है कि महानगरों से लेकर छोटे कस्बों तक की सड़कें, नालियां और जल निकासी व्यवस्था चरमराने लगी है। पहली ही बारिश में भूमिगत मार्ग तालाब बन जाते हैं, सड़कें नदियों का रूप ले लेती हैं और जिंदगी की रफ्तार वाहनों की लंबी कतारों के दलदल में फंसकर रेंगने लगती है।

पिछले कुछ वर्षों से हम इस स्थिति से हर वर्ष दो-चार होते हैं और हर बार यही सवाल हमारे सामने आकर खड़ा हो जाता है कि क्या हमारे स्थानीय निकाय जनसुविधाएं उपलब्ध कराने में नाकाम हो रहे हैं या फिर हम लोग अनियंत्रित होकर अपनी क्षमता से कहीं अधिक नागरिक सुविधाओं पर दबाव डाल रहे हैं?

यदि इस प्रश्न के उत्तर की अच्छे से तलाश की जाए तो इस समस्या के मूल में सबसे पहला और सबसे बड़ा कारण हमारी प्रशासनिक व्यवस्था की शिथिलता है। हर साल मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के नाम पर करोड़ों रुपये का बजट आवंटित किया जाता है। फाइलों और कागजों पर तो सारी तैयारियां मुकम्मल नजर आती हैं, लेकिन जमीन पर हकीकत कुछ और ही बयां करती है।

सफाई के नाम पर अक्सर केवल दिखावा

इस सन्दर्भ में अधिक गहनता से विचार करने पर बड़ा कारण हमारे सामने आता है। दरअसल नगरीय नियोजन के नाम पर हमने कंक्रीट के ऐसे जंगल खड़े कर दिए हैं, जहां पानी को जमीन के भीतर रिसने या बाहर निकलने का कोई प्राकृतिक रास्ता ही नहीं बचा है।

हमारे पूर्वजों ने जल संरक्षण के लिए पारंपरिक तालाबों, जोहड़ों, बावड़ियों और झीलों का निर्माण किया था, जिन्हें आज पाटकर उन पर बहुमंजिला इमारतें और विशाल व्यावसायिक परिसर खड़े कर दिए गए हैं अथवा अवैध कब्जे करके उनका अस्तित्व मिटा दिया गया है। जब जल को बहने के लिए जगह नहीं मिलेगी तो वह स्वाभाविक रूप से हमारी सड़कों और घरों में ही तो प्रवेश करेगा। अत्याधुनिक नगरों की परिकल्पनाएं और बड़े-बड़े दावे पहली ही बारिश के पानी में कागज की नाव की तरह बहते हुए नजर आते हैं। सफाई के नाम पर अक्सर केवल दिखावा होता है; जो गाद और कचरा नालों से निकाला जाता है, उसे बारिश आने तक वहीं सड़कों के किनारे छोड़ दिया जाता है, जो पहली बारिश के प्रवाह के साथ वापस उसी नाले में बहकर उसे दोबारा अवरुद्ध कर देता है।

गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार

अब इस सिक्के के दूसरे पहलू पर भी विचार करना अत्यंत आवश्यक है। क्या सारा दोष केवल व्यवस्था और प्रशासन का है? सत्य तो यह है कि अनियोजित शहरीकरण के साथ-साथ नागरिकों का असंतुलित और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार भी इस समस्या को गहरा करने में अहम भूमिका निभा रहा है। रोजगार और बेहतर जीवन स्तर की तलाश में गांवों से शहरों की ओर होने वाले निरंतर पलायन ने शहरों की छाती पर अप्रत्याशित बोझ बढ़ा दिया है। एक शहर या मोहल्ले की जल निकासी व्यवस्था एक निश्चित आबादी का भार सहने के लिए बनाई जाती है। जब वहां क्षमता से कई गुना अधिक लोग रहने लगेंगे, बिना किसी योजना के अवैध बस्तियां बसेंगी और सड़कों तक अतिक्रमण होगा तो सबसे मजबूत व्यवस्था का चरमराना भी तय है। लोग नागरिक सुविधाओं पर बेतहाशा दबाव डाल रहे हैं, लेकिन उन सुविधाओं के रखरखाव में अपना आत्मीय योगदान देने से कतराते हैं।

बुनियादी सुविधाओं का टोटा

एक समय था जब जलभराव और यातायात अवरोध की समस्या केवल बड़े महानगरों तक सीमित मानी जाती थी। आज छोटे शहर और कस्बे भी इस महामारी की चपेट में आ चुके हैं। छोटे शहरों ने महानगरों की तर्ज पर अंधाधुंध भवनों का निर्माण तो शुरू कर दिया, लेकिन भूमिगत जल निकासी और जल प्रबंधन जैसी बुनियादी सुविधाओं का उस अनुपात में विकास नहीं किया गया है। इसके कारण वहां की स्थिति महानगरों से भी अधिक भयावह होती जा रही है, क्योंकि वहां तकनीकी संसाधनों का अभाव महानगरों की तुलना में कहीं अधिक है। सड़कों, फुटपाथों और आंगनों को पक्का (सीमेंटेड) कर देने से बारिश का पानी प्राकृतिक रूप से धरती के अंदर नहीं जा पाता। इसके अलावा शहरों के विस्तार के साथ ड्रेनेज नेटवर्क और सीवरेज लाइनें नहीं बिछाई जातीं।

दृढ़ इच्छाशक्ति की कमी

हम अपने घरों का कचरा, पॉलिथीन की थैलियां, प्लास्टिक या कांच की बोतलें, निर्माण सामग्री के मलबे को खुले नालों में फेंक देते हैं। जो बाद में पानी के बहाव को पूरी तरह से रोक देता है। जब समूचा तंत्र इस कचरे के कारण दम तोड़ने लगता है, तब हम प्रशासन को कोसने लगते हैं। घरों के बाहर जल निकासी के रास्तों पर पक्के चबूतरे बना लेना और अतिक्रमण करना एक आम प्रवृत्ति बन गई है, जिससे सफाई व्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित होती है। वस्तुतः मानसून के दौरान उत्पन्न होने वाली यह भयंकर स्थिति प्रशासनिक नाकामी और नागरिक लापरवाही का मिलाजुला परिणाम है। जहां प्रशासन के पास दृढ़ इच्छाशक्ति की कमी है, वहीं नागरिकों के पास अपने कर्तव्यों के प्रति बोध का अभाव है। जब तक दोनों एक-दूसरे पर दोषारोपण करते रहेंगे, तब तक संकट का कोई स्थायी समाधान कभी नहीं निकल पाएगा। अंतः मानसून को एक त्रासदी बनने से रोकने के लिए सत्ता और समाज, दोनों को मिलकर एक ईमानदार शुरुआत करनी ही होगी।

पहाड़ी राज्यों में विकास बनाम विनाश की लड़ाई

व्यवस्था

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

एक बार फिर मानसून ने भारत के पहाड़ी और उत्तर-पूर्वी राज्यों में भारी तबाही मचाई है। हिमाचल प्रदेश में नदियों के उफान से पुल बह रहे हैं, उत्तराखंड में चारधाम यात्रा मार्गों पर भूस्खलन से सैकड़ों यात्री फंसे हैं, जम्मू-कश्मीर के संवेदनशील पहाड़ी ढलानों पर मलबा गिर रहा है और पूर्वोत्तर के राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम और त्रिपुरा में लाखों लोग बाढ़ और विस्थापन का दंश झेल रहे हैं। हर साल मानसून के दौरान पहाड़ों में मचने वाली यह चीख-पुकार अब केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं रह गई है। यह एक गंभीर चेतावनी है कि क्या प्रकृति का मिजाज बदला है या फिर हमारे लालच और संवेदनहीनता ने इन शांत पहाड़ों को टाइम बम में तब्दील कर दिया है? भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, इस वर्ष मानसून की तीव्रता में अप्रत्याशित बदलाव देखा गया है। जुलाई के शुरुआती हफ्तों में ही हिमाचल के सोलन और सिरमौर जैसे इलाकों में इतनी भारी बारिश हुई कि स्कूल-कॉलेज बंद करने पड़े।

किन्नौर में उफनती नदी ने लोहे के मजबूत पुलों को लील लिया। पूर्वोत्तर में अरुणाचल प्रदेश के 26 से अधिक जिलों में फ्लैश फ्लड और रॉकफॉल ने पूरे जनजीवन को पंगु बना दिया है। वैज्ञानिक और पर्यावरणविद् लंबे समय से चेतावनी दे रहे हैं कि हिमालय दुनिया की सबसे नई और कच्ची पर्वत शृंखलाओं में से एक है। इसकी एक निश्चित वहन क्षमता है, लेकिन विकास की अंधी दौड़ में हमने इस संवेदनशीलता को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। पहाड़ की छाती को चीरकर अवैज्ञानिक बुनियादी ढांचा और फोर-लेन सड़कें बनाई जा रही हैं। पहाड़ों की सड़कों को चौड़ा करने के लिए 'वर्टिकल कटिंग' यानी सीधी कटाई की जा रही है। नतीजा, हल्की सी बारिश होते ही पूरी की पूरी पहाड़ी नीचे आ जाती है। दूसरा, पहाड़ी क्षेत्रों में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स का अनियंत्रित जाल बिछ रहा है। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को मोड़कर बनाई जा रही सुरंगों और बांधों ने पहाड़ों को अंदर से खोखला कर दिया है। टनल बनाने के लिए की जाने वाली अनियंत्रित ब्लास्टिंग से टेक्टोनिक रूप से सक्रिय यह क्षेत्र और अधिक अस्थिर हो गया है। पहाड़ी टूरिस्ट डेस्टिनेशंस पर अनियंत्रित कंक्रीटीकरण और पर्यटन का दबाव है।

यह संभलने का समय है। प्रकृति हमारी सबसे बड़ी संरक्षक है, अगर उसके नियमों की अनदेखी की गई तो सबसे बड़ी संहारक बन जाती है। मानव का भविष्य प्रकृति पर विजय में नहीं बल्कि उसके साथ संतुलित और जिम्मेदार सह-अस्तित्व में है।

शिमला, मनाली, नैनीताल और जोशीमठ जैसे शहरों में वहन क्षमता से कई गुणा अधिक बहुमंजिला होटल और इमारतें खड़ी हो गई हैं। पहाड़ों का ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह ठप है जिससे बारिश का पानी जमीन के अंदर रिसकर पूरी जमीन को ही धंसा रहा है। मानव जाति की संवेदनहीनता केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं है। वैश्विक स्तर पर कार्बन उत्सर्जन के कारण जो 'ग्लोबल वॉर्मिंग' हो रही है, उसका सीधा असर मानसून के पैटर्न पर पड़ा है। अब शॉर्ट-इयूरेशन इंटेंस रेनफॉल होने लगा है। गर्म हवाओं के कारण पहाड़ों के ऊपर अचानक घने बादलों का निर्माण होता है जिससे सीमित दायरे में प्रलयंकारी बारिश होती है जिसे क्लाउड बर्स्ट या बादल का फटना कहते हैं। उत्तर-पश्चिम भारत में जब भूमध्य सागर से आने वाली नम हवाएं यानी वेस्टर्न डिस्टर्बेंस मानसूनी हवाओं से टकराती हैं तो पहाड़ों पर विनाशकारी स्थिति पैदा होती है। पहाड़ी राज्यों में विकास बनाम विनाश की लड़ाई चल रही है। तथाकथित 'सस्टेनेबल मॉडल' और 'व्यावसायिक मॉडल' के बीच के अंतर ने संकट को बढ़ाया है। नदियों के पास अपना रिवर बैड या 'बाढ़ क्षेत्र' होता है जहां वे फैलती हैं। लेकिन नदी तटों पर अवैध माइनिंग, होटल और बस्तियों का अंधाधुंध निर्माण हुआ है जिससे पानी अब सीधे शहरों में घुसता है। संसद की संसदीय समिति की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार हिमालयी राज्यों में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी देने से पहले वहां के भू-वैज्ञानिक ढांचे और वहन क्षमता का कड़ाई से मूल्यांकन नहीं किया जाना आपदाओं का सबसे बड़ा कारण है।

यदि हमें खूबसूरत पहाड़ों और वहां रहने वाले करोड़ों लोगों को बचाना है तो हमें अविलंब कठोर कदम उठाने होंगे। सख्त इको-सेंसिटिव जोनिंग पहाड़ों की जरूरत है। आपदा संभावित क्षेत्रों में भारी निर्माण कार्य और बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं पर पूर्ण प्रतिबंध अनिवार्य है। सड़कों के निर्माण में ग्रीन इंजीनियरिंग और 'बायो-इंजीनियरिंग' तकनीकों का उपयोग जरूरी है। कंक्रीट की दीवारों के बजाय ऐसी वनस्पतियां लगाई जाएं जो मिट्टी को स्वाभाविक रूप से बांधें। पहाड़ों को 'मॉल' या कंक्रीट का जंगल बनाने की भूल हमें नहीं करनी चाहिए। विकास ऐसा होना चाहिए जो पहाड़ों की ऊंचाई को बनाए रखे न कि उन्हें मलबे के ढेर में तब्दील कर दे। प्रकृति कभी अन्याय नहीं करती, वह केवल संतुलन स्थापित करती है। हमने जंगल काटे, नदियों को बांधा और पहाड़ों को तोड़ा-अब प्रकृति अपना जवाब दे रही है। प्रकृति चेतावनी भी देती है और सबक भी सिखाती है। आज की सुविधा, कल की त्रासदी न बन जाए इसलिए प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, सह-अस्तित्व ही मानवता का भविष्य है। धरती का धैर्य असीम नहीं है; जब वह टूटता है, तब आपदाएं जन्म लेती हैं लिहाजा यह संभलने का समय है। प्रकृति हमारी सबसे बड़ी संरक्षक है, अगर उसके नियमों की अनदेखी की गई तो सबसे बड़ी संहारक बन जाती है। मानव का भविष्य प्रकृति पर विजय में नहीं बल्कि उसके साथ संतुलित और जिम्मेदार सह-अस्तित्व में है।

पारंपरिक जल संरक्षण प्रणाली अपनाएं

मंथन

विनीत पाण्डेय

वरिष्ठ पत्रकार

हर वर्ष गर्मियों के आगमन के साथ देश के अधिकांश राज्यों में पेयजल संकट की खबरें सुर्खियां बन जाती हैं। कहीं टैंकरों के पीछे लंबी कतारें लगती हैं, कहीं महिलाएं कई किलोमीटर दूर से पानी ढोने को मजबूर होती हैं, तो कहीं किसान सूखे खेतों को देखकर आसमान की ओर टकटकी लगाए रहते हैं। विडंबना यह है कि कुछ ही सप्ताह बाद मानसून आता है और वही देश बाढ़, जलभराव तथा नदियों के उफान से जूझने लगता है। एक ओर पानी की बूंद-बूंद के लिए संघर्ष और दूसरी ओर करोड़ों लीटर वर्षाजल का बिना उपयोग समुद्र में बह जाना, यही हमारे जल प्रबंधन की सबसे बड़ी विफलता है। भारत विश्व के उन देशों में है जहां वर्षा की मात्रा पर्याप्त है, लेकिन उसका वितरण असमान और प्रबंधन अत्यंत कमजोर है।

यदि इस जल का एक बड़ा भाग भी वैज्ञानिक ढंग से संचित कर लिया जाए तो गर्मियों में पेयजल संकट, भूजल स्तर में गिरावट और सिंचाई संबंधी समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। आज देश के अनेक शहरों का भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, जयपुर और हैदराबाद जैसे महानगरों में भूजल का अत्यधिक दोहन चिंता का विषय बन चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी पारंपरिक कुएं और हैंडपंप सूखते जा रहे हैं। इसका प्रमुख कारण यह है कि जितनी तेजी से हम धरती से पानी निकाल रहे हैं, उतनी ही गंभीरता से उसे वापस धरती में पहुंचाने का प्रयास नहीं कर रहे। वर्षाजल संचयन इस असंतुलन को ठीक करने का सबसे प्रभावी और अपेक्षाकृत सस्ता उपाय है। दुर्भाग्य से भारत में जल संरक्षण की चर्चा अक्सर तब होती है जब संकट सिर पर आ जाता है। गर्मियों में पानी की कमी पर योजनाएं बनती हैं और मानसून आते ही पूरा ध्यान जल निकासी पर केंद्रित हो जाता है। शहरों में वर्षाजल को सहेजने के बजाय उसे जल्द से जल्द नालों के माध्यम से बाहर निकालने की व्यवस्था की जाती है। परिणाम यह होता है कि बरसात के कुछ दिनों बाद वही शहर फिर पानी की कमी से जूझने लगते हैं। यह स्थिति बताती है कि हमारी प्राथमिकताएं दीर्घकालिक समाधान के बजाय तात्कालिक राहत तक सीमित हैं। भारत की पारंपरिक जल संरक्षण प्रणाली इस मामले में आज भी प्रेरणा देती है। राजस्थान के जोहड़, गुजरात की बावड़ियां, महाराष्ट्र के बंधारे, दक्षिण भारत के तालाब और उत्तर भारत के पोखर केवल जल स्रोत नहीं थे, बल्कि समाज की सामूहिक जल संस्कृति का हिस्सा थे। इन संरचनाओं ने सदियों तक लोगों की प्यास बुझाई और भूजल स्तर को बनाए रखा। आधुनिक लागू किया जाना चाहिए। छतों पर गिरने वाले पानी को पाइपों के माध्यम से भूमिगत टैंकों या रिचार्ज पिट तक पहुंचाया जा सकता है। इससे न केवल पेयजल की उपलब्धता बढ़ेगी बल्कि भूजल स्तर भी सुधरेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में भी छोटे-छोटे तालाब, चेक डैम, खेत-तालाब, मेड़बंदी और जलग्रहण क्षेत्र विकास जैसी योजनाओं को व्यापक स्तर पर लागू करने की आवश्यकता है। इन उपायों से वर्षाजल लंबे समय तक भूमि में ठहरता है, जिससे कृषि को लाभ मिलता है और सूखे की संभावना कम होती है। जल संरक्षण केवल संसाधन प्रबंधन

सरकारों को भी केवल नई जलापूर्ति परियोजनाओं पर निर्भर रहने के बजाय जल संरक्षण आधारित विकास मॉडल अपनाना होगा। जल संकट का स्थायी समाधान नए स्रोत खोजने में नहीं, बल्कि प्रकृति द्वारा हर वर्ष दिए जाने वाले अमूल्य वर्षाजल को सम्मानपूर्वक संचित करने में है।

विकास की दौड़ में इन पारंपरिक प्रणालियों की उपेक्षा हुई और उनके स्थान पर केवल पाइपलाइन आधारित जल आपूर्ति व्यवस्था पर निर्भरता बढ़ती चली गई। अब समय आ गया है कि आधुनिक तकनीक और पारंपरिक ज्ञान का समन्वय किया जाए। नगर नियोजन, भवन निर्माण, औद्योगिक लाइसेंस और ग्राम विकास योजनाओं में वर्षाजल संचयन को अनिवार्य शर्त बनाना चाहिए। वर्षाजल संचयन को केवल सरकारी योजना मान लेना भी पर्याप्त नहीं होगा। यह सामाजिक भागीदारी का विषय है। प्रत्येक मकान, विद्यालय, सरकारी कार्यालय, उद्योग और बहुमंजिला इमारत में वर्षाजल संचयन प्रणाली को अनिवार्य रूप से का विषय नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन से निपटने की रणनीति भी है। बदलते मौसम चक्र के कारण वर्षा अब कम दिनों में अधिक तीव्रता से हो रही है। यदि इस तेज वर्षा को संरक्षित नहीं किया गया तो एक ओर बाढ़ का खतरा बढ़ेगा।

भविष्य की जल नीति में वर्षाजल संचयन को केंद्रीय स्थान देना समय की मांग है। सरकारों को भी केवल नई जलापूर्ति परियोजनाओं पर निर्भर रहने के बजाय जल संरक्षण आधारित विकास मॉडल अपनाना होगा। जल संकट का स्थायी समाधान नए स्रोत खोजने में नहीं, बल्कि प्रकृति द्वारा हर वर्ष दिए जाने वाले अमूल्य वर्षाजल को सम्मानपूर्वक संचित करने में है।

बाढ़ नियंत्रण में छोटे बांध भी सहायक

मानसून

चरण जीत चरण

स्वतंत्र पत्रकार

मानसून एक ऐसा शब्द है जिसका नाम जुबान पर आने या किताब में पढ़ने से ही मन में एक बड़ा खूबसूरत दृश्य बनता है। बारिश की बूंदें ठंडी हवा ,चारों तरफ हरियाली, खेतों की मेड़ों पर उगती दूब, पेड़ों पर फूटती कोपलें, उजाले की ओर दौड़ते कीट-पतंगे, रात के अंधेरे में सन्नाटे को चीरती कीटों की आवाज़ और इन सबमें सबसे महत्वपूर्ण जेठ की तपती दोपहरी में चलती हुई लू के थपेड़ों से व्याकुल प्यासी धरती पर पड़ती पानी की बूंदों से उठती मिट्टी की सोंधी महक।

वर्षों से मानसून भारतीय सभ्यता और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। भारत में बहुत से तीज-त्योहार, खानपान, रहन-सहन और जीवन से जुड़ी बहुत सारी गतिविधियां मानसून के अनुसार निर्धारित की गई हैं। मानसून अगर समय पर न आए या बारिश कम हो तो भारतीय जनजीवन इससे बहुत अधिक प्रभावित होने लगता है। मानसून के इस मौसम में अगर बारिश निर्धारित मात्रा से कम होती है तो जीवन-यापन का एक बड़ा संकट पैदा हो जाता है। यदि बारिश अधिक होती है तो और बड़ा संकट पैदा होता है। हालांकि भारत ने अपने स्तर पर सीमित संसाधनों के माध्यम से इस क्षेत्र में बहुत से उपाय किए हैं, लेकिन कई बार जब मानसून अपने पुराने रिकॉर्ड तोड़ता है तो पूर्व में किए गए सारे इंतज़ाम नाकाफ़ी लगने लगते हैं। फिर नए सिरे से एक नई बहस शुरू हो जाती है कि और क्या इंतज़ाम किए जाएं कि बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा सके। अत्यधिक वर्षा के कारण पानी का प्रवाह बाढ़ के रूप में जब नदियों के तटों को तोड़ता हुआ खेतों, गांवों और शहरों में प्रवेश करता है तो यह सिर्फ धनहानि नहीं करता बल्कि कई बार इतनी बड़ी मात्रा में जनहानि होती है जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। गांव के गांव इस बाढ़ में बह जाते हैं। नदियों के तटबंध टूटने के कारण सड़कें, रेल लाइनें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। यहां तक कि सामान्य यातायात भी थम जाता है। आज जब हम इंटरनेट के आधुनिक युग में जी रहे हैं तो बाढ़ से प्रभावित लोगों के जीवन से जुड़ी असामान्य तस्वीरें और वीडियो देखकर एक प्रश्न अनायास ही मन में उठता है कि आधुनिकता का ढोल पीटने वाली इस दुनिया में क्यों ऐसे इंतज़ाम नहीं हो सके कि बाढ़ से होने वाले नुकसान को न्यूनतम स्तर तक ले जाया जा सके। बांध बाढ़ की तीव्रता को कम करने में सहायक हो सकते हैं, लेकिन वे हर स्थिति में बाढ़ को पूरी तरह नहीं रोक सकते। आज़ादी के बाद भारत में कई बड़े बांध बनाए गए जिनका उद्देश्य पानी के प्रवाह को नियंत्रित करना और उससे बिजली का उत्पादन कर देश के विकास में उपयोग करना था। इसका लाभ यह हुआ कि भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हुआ, लेकिन इन बड़े बांधों के कुछ विपरीत प्रभाव भी हैं। अत्यधिक वर्षा के कारण जब ये बांध अपनी क्षमता को लांघने लगते हैं तो इनसे पानी की बड़ी मात्रा छोड़ दी जाती है और यही पानी कृत्रिम बाढ़ का काम करता है जो सामान्य बाढ़ से कई गुना अधिक घातक होता है। विशेषज्ञ अपने सुझाव देते हैं?

जब भी बाढ़ को रोकने के लिए बांध बनाने की बात होती है तो विपरीत प्रभाव भी सामने आने लगते हैं। जैसे कोई भी बांध बनाने के बाद कई किलोमीटर का हराभरा क्षेत्र पानी में डूब जाता है। उस क्षेत्र की वनस्पतियां, गांव, तालाब, झील सब इस बांध के पेट में समा जाते हैं।

इससे उस क्षेत्र में रहने वाले लोगों का जनजीवन असामान्य रूप से प्रभावित होता है। इसका मतलब ये नहीं है कि परिस्थितियों से निपटने के लिए कुछ न किया जाए। समाधान अपने पारंपरिक जल-संरक्षण के साधनों और स्रोतों की ओर लौटने में भी निहित है। हमारे पूर्वजों ने पानी को सही दिशा देने के उपाय बहुत पहले खोज लिए थे। एक समय पर गांव और शहरों में बड़े-बड़े तालाब और झीलें होती थीं जो बारिश के पानी को इकट्ठा कर जलस्तर को ठीक करने काम करती थी। आज उन तालाबों और झीलों पर अधिकार कर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए हैं। जिसके कारण न सिर्फ पानी अनियंत्रित हुआ बल्कि जलस्तर भी तेज़ी से नीचे गिरा है। ज़रूरत है उन तालाबों और झीलों को फिर से उनके मौलिक स्वरूप में लाने की। छोटे-छोटे बांधों के माध्यम से इन तालाबों और झीलों तक पानी पहुंचाकर न सिर्फ बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा सकता है, बल्कि भूगर्भ जलस्तर को बढ़ाकर रबी की फसल के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था की जा सकती है।

तालाबों और झीलों को फिर से उनके मौलिक स्वरूप में लाने की जरूरत है। छोटे-छोटे बांधों के माध्यम से इन तक पानी पहुंचाकर न सिर्फ बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा सकता है, बल्कि भूगर्भ जलस्तर को बढ़ाकर रबी की फसल के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था की जा सकती है।

इसके निर्माण से न केवल भारत सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल को भारी सफलता मिली है, बल्कि देश का रक्षा औद्योगिक आधार भी मजबूत हुआ है और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं

एजेंसी ▶▶ विशाखापत्तनम

भारतीय नौसेना की समुद्री ताकत और मारक क्षमता में शनिवार को एक ऐतिहासिक इजाफा हुआ है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विशाखापत्तनम डॉकयार्ड में आयोजित एक भव्य समारोह में स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस महेंद्रगिरि को आधिकारिक तौर पर नौसेना के बेड़े में कमीशन कर दिया है।

यह भारतीय नौसेना के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट 17ए का छठा युद्धपोत है। कमीशनिंग समारोह के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को नौसेना द्वारा 'गार्ड ऑफ ऑनर' से सम्मानित किया गया। इस विशेष अवसर पर नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन भी उनके साथ मौजूद रहे।

समुद्र में बढ़ेगी भारत की ताकत

नौसेना में शामिल हुआ महेंद्रगिरि रडार से बचने की अचूक तकनीक

1 यह प्रोजेक्ट 17ए का छठा स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट

2 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी तकनीक से निर्मित

आईएनएस महेंद्रगिरि नौसेना में शामिल

आत्मनिर्भर भारत की मिसाल

आईएनएस महेंद्रगिरि को भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो (डब्ल्यूडीबी) द्वारा पूरी तरह से स्वदेशी रूप से डिजाइन किया गया है और इसका निर्माण मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने किया है। यह युद्धपोत स्वदेशी जहाज निर्माण में भारत की लगातार बढ़ती विशेषज्ञता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। इसमें 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी उपकरणों और तकनीक का उपयोग किया गया है। इसके निर्माण में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों सहित बड़ी संख्या में भारतीय उद्योगों ने अपना योगदान दिया है।

'महेंद्रगिरीश' समुद्र में तैरता एक अभेद्य किला

- हर मोर्चे पर अचूक मारक क्षमता
- किसी भी खतरे से एक साथ निपटने में सक्षम
- समुद्री सुरक्षा, सर्च एंड रेस्क्यू मिशन में उपयोगी
- मानवीय सहायता और आपदा राहत में उपयोगी
- अत्याधुनिक स्वदेशी हथियारों, एडवांस सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर प्रणालियों से लैस

महेंद्रगिरि हिंद महासागर में भारत के समुद्री हितों की रक्षा करेगा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह अत्याधुनिक युद्धपोत हमारे घरेलू रक्षा उद्योगों की अविश्वसनीय क्षमताओं का जीता-जागता प्रमाण है। उन्होंने देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि महेंद्रगिरि भारत के समुद्री हितों की रक्षा करने और एक सुरक्षित हिंद-महासागर के हमारे संकल्प को मजबूत करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश अब तेजी से भारत के रक्षा निर्माण और एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग के एक नए पावरहाउस के रूप में उभर रहा है, जो भविष्य में रक्षा क्षेत्र में भारत को और अधिक आत्मनिर्भर बनाएगा।

महेंद्रगिरि पर्वत के नाम पर मिला नाम

इस अत्याधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट का नाम ओडिशा में स्थित पूर्वी घाट की महेंद्रगिरि पर्वत श्रृंखला के नाम पर रखा गया है। नौसेना के अनुसार, यह पर्वत श्रृंखला दृढ़ता, असीम ताकत और अटूट संकल्प का प्रतीक है, और ठीक यही गुण इस युद्धपोत में भी समाहित हैं। नौसेना के शीर्ष अधिकारियों का मानना है कि आईएनएस महेंद्रगिरि भारत के समुद्री इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय जोड़ेगा और देश की समुद्री सीमाओं की रक्षा में एक मजबूत दीवार साबित होगा।

खबर संक्षेप

बहामास में छोटा विमान क्रैश, 10 लोगों की मौत

सैन जुआन। बहामास में शुक्रवार को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे उसमें सवार 10 लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद सरकार ने विमानन कंपनी 'फ्लेमिंगो एअर' की उड़ानों पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी। यह हादसा बहामास की राजधानी नासाउ के ठीक पश्चिम में स्थित नॉर्थ एंड्रोस में हुआ। विमान मायागुआना जा रहा था, तभी पायलट ने एक समस्या की सूचना दी और विमान को वापस नासाउ ले आया। विमान के उतरने और यात्रियों के बाहर निकलने के बाद उसमें आग लग गई। इस घटना की भी जांच की जा रही है।

मेटा पर 133 लाख करोड़ के जुर्माने की मांग

वॉशिंगटन। अमेरिका में मेटा पर 133 लाख करोड़ रुपए का भारी जुर्माना लगाने की मांग उठी है। अमेरिका के चार राज्य कैलिफोर्निया, कोलोराडो, केंटकी और न्यू जर्सी ने यह मांग की है। मेटा पर युवाओं को सोशल मीडिया की लत लगाने का आरोप है। मेटा पर भारी जुर्माना लगाने की मांग की गई है, जबकि मेटा कि कुल बाजार कीमत भी लगभग 143 लाख करोड़ रुपए है। मामले में अगली सुनवाई अगस्त में कैलिफोर्निया के ऑकलैंड में शुरू होगी। कंपनी पर प्लेटफॉर्म की सुरक्षा को लेकर भी लोगों को गलत जानकारी देने का आरोप है।

आतंकी कांडू के खिलाफ इंटरपोल नोटिस जारी

श्रीनगर। आतंकवाद के खिलाफ जंग में स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) कश्मीर को बड़ी सफलता मिली है। एसआईए ने हिजबुल मुजाहिदीन के नामित आतंकी इम्तियाज अहमद कांडू उर्फ फयाज उर्फ सज्जाद के खिलाफ इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस जारी करवा लिया है। यह नोटिस 2013 में हुए तरजू, हाइगाम आतंकी हमले के मामले में जारी किया गया है। अब इस नोटिस के बाद अंतरराष्ट्रीय कानून प्रवर्तन एजेंसियां आरोपी को ढूंढकर, हिरासत में लेकर भारत प्रत्यर्पण की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर सकेंगी।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए

साल 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 35 हजार करोड़ रुपए तक पहुंचाने का लक्ष्य

व्यापार, रक्षा, आर्थिक सहयोग समेत विभिन्न क्षेत्रों में संबंधों को नई मजबूती देने पर चर्चा की

एजेंसी ▶▶ ऑकलैंड

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को न्यूजीलैंड की राजधानी ऑकलैंड में पीएम क्रिस्टोफर लक्सन के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-न्यूजीलैंड साझेदारी की व्यापक समीक्षा की और व्यापार, रक्षा, आर्थिक सहयोग समेत विभिन्न क्षेत्रों में संबंधों को नई मजबूती देने पर चर्चा की। इससे पहले गवर्नमेंट हाउस में पीएम मोदी का औपचारिक स्वागत किया गया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। पीएम मोदी और पीएम क्रिस्टोफर लक्सन की मौजूदगी में भारत और न्यूजीलैंड के बीच कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर साइन किए गए।

इन समझौतों का उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, शिक्षा, तकनीक और अन्य क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करना है। पीएम मोदी ने दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को आर्थिक सहयोग के नए युग की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ेंगे और निवेश, प्रौद्योगिकी, सेवाओं तथा प्रतिभा आदान-प्रदान के नए अवसरों का लाभ उठाएंगे।

पीएम मोदी ने दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को आर्थिक सहयोग के नए युग की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ेंगे।

20 अरब डॉलर के निवेश का किया स्वागत

पीएम मोदी और पीएम क्रिस्टोफर लक्सन द्विपक्षीय वार्ता करते हुए

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि न्यूजीलैंड ने अगले 15 वर्षों में भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने कहा कि यह केवल निवेश नहीं, बल्कि भारत की विकास यात्रा में सहभागी बनने का भरोसा है। उन्होंने भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बताते हुए कहा कि बढ़ता मध्यम वर्ग, डिजिटल परिवर्तन और मजबूत बुनियादी ढांचा भारत को वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बना रहे हैं।

एफटीए सहित कई मुद्दों पर बनी सहमति

1. भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर
2. 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 35 हजार करोड़ रुपए तक पहुंचाने का लक्ष्य
3. रक्षा और सुरक्षा सहयोग को और मजबूत किया जाएगा
4. पर्यटन बढ़ाने के लिए सीधी उड़ानें शुरू करने की दिशा में काम होगा
5. कृषि, डेयरी, बागवानी, कीवीफ्रूट, सेब और शहद उत्पादन में साझेदारी बढ़ेगी
6. पशुपालन और डेयरी क्षेत्र में भी समझौता हुआ
7. शिक्षा, विज्ञान और तकनीक में कई एमओयू
8. आपदा प्रबंधन में भारत की एनडीएम और न्यूजीलैंड की एजेंसी के बीच समझौता हुआ
9. भारत-न्यूजीलैंड खेल सहयोग योजना को आगे बढ़ाया जाएगा
10. हाई-परफॉर्मेंस स्पोर्ट्स, स्पोर्ट्स साइंस और कोचिंग में सहयोग
11. सांस्कृतिक सहयोग और समुद्री विरासत संरक्षण पर एमओयू
12. आतंकवाद पर संयुक्त कार्य समूह बनाने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर
13. हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और नियम-आधारित व्यवस्था का समर्थन
14. दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों और विदेश मंत्रियों के बीच नियमित वार्ता होगी

पीएम मोदी के भाषण की 4 खास बातें

ये कोलेब का जमाना, दोनों देश साथ: पीएम मोदी ने कहा कि अगर हम कंटेंट क्रिएटर्स की भाषा में बात करें तो ये कोलेब का जमाना है। दोनों देश स्पोर्ट्स में भी बहुत शानदार कोलेब कर सकते हैं। रग्बी इसका बहुत बड़ा उदाहरण है। भारत रग्बी में न्यूजीलैंड से सीखना चाहता है। हमें कोच चाहिए, एक्सपर्ट चाहिए। न्यूजीलैंड हमारी बहुत मदद कर सकता है।

चंद्रयान की लैंडिंग पर न्यूजीलैंड नाच रहा था: भारत और न्यूजीलैंड का भविष्य जुड़ा है। स्पेस से सेक्टर इसका बहुत बड़ा उदाहरण है। भारत का चंद्रयान जब मून के साउथ पोल पर लैंड किया तो न्यूजीलैंड नाच रहा था। उस दिन हमें गर्व हुआ। यहां की स्पेस कंपनियों ने कई बार हमारे साथ मिलकर काम किया है।

हजारों किमी की दूरी, मगर दिल में हिंदुस्तान: हजारों किमी दूर रहते हुए भी आपके दिल के किसी कोने में कहीं न कहीं हिंदुस्तान बसता ही है। शरीर यहां होगा मन भारत में होगा। इसलिए आप भारत की हर उपलब्धि पर भी नजर रखते हैं।

जनकल्याण भावना अहम: हमारे लिए सामने वाले देश की जनसंख्या नहीं, जनकल्याण की भावना मायने रखती है। और इसलिए हमने न्यूजीलैंड से भी बहुत कुछ सीखा है और अब भी सीख रहे हैं। यह वो देश है जिसने सबसे पहले महिलाओं को वोटिंग का अधिकार दिया था।

भारत-न्यूजीलैंड बिजनेस इवेंट में पीएम मोदी बोले

भारत वैश्विक विकास का लॉन्च पैड

पीएम नरेंद्र मोदी ने न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन के साथ भारत-न्यूजीलैंड बिजनेस इवेंट के दौरान उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने भारत को वैश्विक निवेश और विकास का प्रमुख केंद्र बताते हुए निवेशकों को देश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि भारत सिर्फ एक बड़ा बाजार नहीं, बल्कि वैश्विक विकास के लिए एक लॉन्च पैड है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। बढ़ता मध्यम वर्ग, डिजिटल तकनीक का व्यापक उपयोग और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर भारत को वैश्विक विकास का केंद्र बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने 'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' को शासन का आधार बनाया है, जिससे नीतिगत स्थिरता, राजनीतिक स्थिरता और विकास की निरंतरता सुनिश्चित हुई है। उन्होंने कहा कि दुनिया के लिए हमारा संदेश है कि भारत सिर्फ एक बाजार नहीं, बल्कि वैश्विक विकास के लिए एक लॉन्च पैड है।

व्यापक साझेदारी और सहयोग पर जोर

न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन ने कहा कि दोनों देशों ने कम समय में मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन अब सहयोग केवल एफटीए तक सीमित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि रणनीतिक साझेदारी के जरिए दोनों देश रक्षा, व्यापार, निवेश और अन्य क्षेत्रों में सहयोग को और व्यापक बनाएंगे। रणनीतिक साझेदारी दोनों देशों के रिश्तों को अधिक गहराई और स्पष्ट दिशा देगी। उन्होंने पीएम मोदी की व्यक्तिगत प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि भारत-न्यूजीलैंड संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पीएम क्रिस्टोफर ने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र के दो अलग-अलग छोर पर होने के बावजूद भौगोलिक दूरी भारत और न्यूजीलैंड के आर्थिक सहयोग में बाधा नहीं बनेगी। उन्होंने कहा कि एफटीए के लागू होने के पहले दिन से ही न्यूजीलैंड के भारत को होने वाले निर्यात पर 57% टैरिफ समाप्त हो जाएगा, जिससे दोनों देशों के व्यापार को नई गति मिलेगी।

पाकिस्तान के पूर्व राजदूत का खुलासा

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति भारत के कहने पर नहीं आए पाकिस्तान

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

नई दिल्ली में काम कर चुके पाकिस्तान के पूर्व राजदूत अब्दुल बासित ने कहा है कि भारत के कहने पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने पाकिस्तान का दौरा टाल दिया था। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सारी बातें तय हो चुकी थीं कि वो भारत भी जाएंगे और पाकिस्तान की भी यात्रा करेंगे। लेकिन भारत ने इसपर एतराज कर दिया। इसके बाद इंडोनेशिया के राष्ट्रपति पाकिस्तान नहीं आए। बासित ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि पीएम नरेंद्र मोदी की जो शख्सियत है वो काफी

दिलचस्प है और खासकर उस वक्त जब वो विदेश दौरा करते हैं तो काफी तैयारियां की जाती हैं। आगे कहा कि इंडोनेशिया का जहां तक ताल्लुक है, तो पारंपरिक तौर पर भारत और इंडोनेशिया के अच्छे तालुक्कात रहे हैं। ये कोई आज की बात भी नहीं है बल्कि जबसे भारत और इंडोनेशिया वजूद में आए हैं तब से दोनों के रिश्ते जबरदस्त रहे हैं।

पीओके नेताओं ने पाक पीएम को दिया अल्टीमेटम

मांगें मान लो, वरना 15 जुलाई को असेंबली से आजादी का करेंगे ऐलान

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भयंकर प्रदर्शन शुरू हो चुका है। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रही 'जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' (जेएएसी) ने 15 जुलाई को पाकिस्तान की असेंबली से आजादी का ऐलान करने की बात कही है। स्थानीय नेताओं ने पाकिस्तान की सेना ने फौरन शहर खाली करने का अल्टीमेटम दिया है और ऐतिहासिक रूप से शांतिपूर्ण इलाके को 'टेरर ज़ोन' बताने की कोशिशों को सख्ती से खारिज किया है। पीओके में हालात तेजी से बिगड़

चुके हैं और हजारों लोग ईदगाह ग्राउंड पर मौजूद हैं। प्रदर्शनकारियों के नेताओं ने विदेशी मीडिया को पाकिस्तानी सेना का अत्याचार देखने के लिए आमंत्रित किया है। पिछले दिनों एक प्रदर्शन के दौरान असीम मुनीर के आदेश पर पाकिस्तानी सेना ने निहत्थे लोगों पर फायरिंग शुरू कर दी थी। इसमें 30 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

भारतीय सशस्त्र सेनाओं की ताकत में होगा इजाफा

अमेरिका से खरीदेगा 31 एमक्यू-9 रीपर ड्रोन सीमाओं और महासागर पर रखेंगे पैनी नजर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सशस्त्र बल अपनी निगरानी क्षमताओं को मजबूत करने के लिए अमेरिका से 31 एमक्यू-9 रीपर ड्रोन खरीद रहे हैं। इस रणनीतिक रक्षा सौदे के तहत भारतीय नौसेना को 15 जबकि थल सेना और वायु सेना को 8-8 ड्रोन सौंपे जाएंगे। लगभग 40 घंटे से अधिक की बेजोड़ उड़ान क्षमता और सैटेलाइट कनेक्टिविटी से लैस ये हाई-एल्टीट्यूड ड्रोन, मानवयुक्त विमानों की तुलना में अत्यधिक समय तक संवेदनशील सीमाओं और हिंद महासागर पर पैनी नजर रखने में सक्षम हैं।

एमक्यू-9 रीपर ड्रोन

जल्द ही भारत में होंगे तैयार

भारत 3 बिलियन डॉलर से अधिक की लागत से इन ड्रोन्स की खरीद कर रहा है। इनका इस्तेमाल मुख्य रूप से हिंद महासागर और भारत की लंबी जमीनी सीमाओं की निगरानी के लिए किया जाएगा। भारतीय नौसेना वर्तमान में लीज पर लिए गए दो रीपर ड्रोन का पहले से ही संचालन कर रही है।

8 साल का अनुबंध

यह अनुबंध 8 साल या 1,50,000 उड़ान घंटों के लिए परफॉर्मेंस बेस्ड लॉजिस्टिक्स प्रदान करने वाली एक मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहाल सुविधा स्थापित करने के लिए है। इन अत्याधुनिक ड्रोन्स की डिलीवरी साल 2029 से शुरू होने की उम्मीद है। ये ड्रोन एडवांस सेंसर सूट से लैस है। इसमें दिन, रात और थर्मल इमेजिंग के लिए इलेक्ट्रो-ऑप्ट्रॉनिक पॉड और विभिन्न कार्यों के लिए ट्यून किए गए रडार लगे हैं। ये अपने साथ आठ एजीएम-114 हेलफायर एयर-टू-ग्राउंड मिसाइलें ले जा सकता है।

मैसेजिंग एप्स की मनमानी पर सरकार कसेगी नकेल

जल्द लाएगी कॉमन रेगुलेटरी फ्रेमवर्क सभी के लिए बंधनकारी होंगे नियम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार अब देश में सोशल मीडिया और मैसेजिंग एप्स की मनमानी पर लगाम कसने के लिए नए नियम लाने की तैयारी में है। यूजरनेम फीचर पर मचे घमासान के बाद अब इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय किसी एक एप के बजाए देश में सक्रिय सभी मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स के लिए एक समान नियम लागू करने की योजना में है। इसका मतलब है कि आने वाले दिनों में चाहे व्हाट्सएप हो, टेलीग्राम हो, सिग्नल हो या और अन्य मैसेजिंग एप्स सबको सरकार के एक ही नियम के दायरे में रहकर

काम करना होगा। रिपोर्ट्स के अनुसार अब सरकार एक ऐसा कॉमन रेगुलेटरी फ्रेमवर्क तैयार करने पर विचार कर रही है। इसके पीछे उद्देश्य पूरे सेक्टर में एक समान सुरक्षा और जवाबदेही सुनिश्चित करना है, ताकि किसी एक प्लेटफॉर्म के लिए अलग नियम न हों। हालांकि ऐसा कोई भी नियम लागू करने से पहले सरकार मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स से भी बात करेगी।

अयातुल्ला खामेनेई की अंतिम विदाई पर ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा का संदेश

हमारा देश खून का बदला लेगा, ट्रंप का आदेश- ईरान को पूरी तरह तबाह कर देंगे

ट्रंप लंबे समय से ईरानी हिटलिस्ट में

एजेंसी ▶▶ तेहरान/ वॉशिंगटन

ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने अपने पिता अयातुल्ला अली खामेनेई के लिए आज प्रार्थना सभा का आयोजन किया। पिता के अंतिम संस्कार की तरह मोजतबा खामेनेई सुरक्षा कारणों से प्रार्थना सभा में भी शामिल नहीं हुए। मगर इस मौके पर उन्होंने एक के बाद एक कई ट्वीट कर सोशल मीडिया से लेकर पूरी दुनिया को चौंका दिया। मोजतबा लगभग एक घंटे तक लगातार ट्वीट करते रहे।

लगातार एक घंटे तक ट्वीट करते रहे मोजतबा

1000 मिसाइलें तैनात मेरी हत्या होते ही दाग दें

डोनाल्ड ट्रंप | मोजतबा खामेनेई

अली खामेनेई को बताया हुसैन जैसा

मोजतबा ने अपने ट्वीट में कहा कि ईरान की इस्लामी क्रांति मूल रूप से हुसैनी थी, जो इमाम हुसैन के नारों और सिद्धांतों पर बनी और फली-फूली थी। ईरान के शहीद नेता का विकास भी इन्हीं सिद्धांतों के साये में हुआ था। शहीद खामेनेई का चरित्र हुसैनी था, वे हुसैन की तरह सोचते थे। शहीद खामेनेई ने हुसैन जैसा आचरण किया और इमाम हुसैन की तरह ही जिहाद और प्रतिरोध में भाग लिया। शहीद खामेनेई ने हुसैनी विचारधारा के रास्ते पर अपना खून बहाकर शहादत हासिल की।

हत्यारों से लें बदला

मोजतबा ने आगे लिखा कि सालों से, ईरान की जनता ने हुसैन के रास्ते पर चलते हुए और हुसैन व उनके रास्ते के दुश्मनों से लड़ते हुए अपने बच्चों की कुर्बानी दी है; और आज वह उनके खून का, और हमारे दौर में हुसैन जैसे लोगों के खून का बदला लेना चाहती है। हम उन अपराधी और शर्मनाक हत्यारों से बदला लेकर आपके पवित्र खून और इन दो हालिया युद्धों के सभी शहीदों के खून का बदला लेने का संकल्प लेते हैं। हमारा देश इसी बदले की मांग कर रहा है, और यह निश्चित रूप से किया जाना चाहिए।

अल्लाह आपका भला करें: ट्रंप

वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान उनकी हत्या करने में कामयाब होता है, तो अमेरिका बड़े पैमाने पर ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए उन्होंने पहले ही निर्देश दे दिए हैं। ट्रंप ने कहा कि मैं काफी लंबे समय से उनकी सूची में हूं। हम इस स्थिति से निपट रहे हैं। ट्रंप ने ये भी कहा कि एक हजार मिसाइलें तैनात हैं और अगर उनकी हत्या हुई तो ये इन्हें दाग दिया जाएगा।

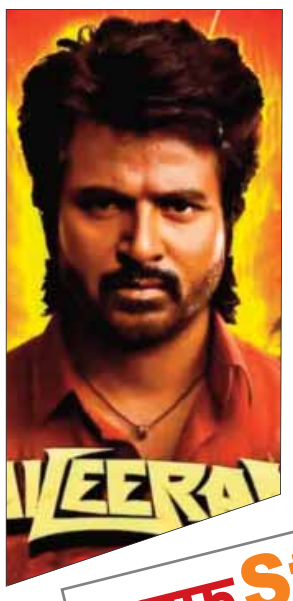

आज ज़ी सिनेमा पर 'मावीरन' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर...

मुंबई। ज़ी सिनेमा पर अभिनेता शिवकार्तिकेयन अभिनीत सुपरहिट एक्शन-फैंटेसी फिल्म मावीरन का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर आज 12 जुलाई को रात आठ बजे होगा। निर्माताओं ने बताया कि निर्देशक मैडोना अश्विन की फिल्म मावीरन एक्शन, कॉमेडी, फैंटेसी और भावनाओं का अनूठा संगम है। फिल्म की कहानी सत्या नामक एक कार्टूनिस्ट के इर्द-गिर्द घूमती है, जो टकराव से बचने वाला साधारण युवक है। एक हादसे के बाद उसे एक रहस्यमयी आवाज़ सुनाई देने लगती है, जो उसके जीवन की दिशा बदल देती है। इसके बाद वह अपने भीतर छिपे साहस को पहचानते हुए एक भ्रष्ट नेता के खिलाफ बेबस लोगों के लिए न्याय की लड़ाई लड़ता है।

लाइफ Style

प्रियंका

'द साइकिल ऑफ लव' का ट्रेलर जारी

एजेंसी ⏭ मुंबई

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'द साइकिल ऑफ लव' का ट्रेलर जारी किया है। वह फिल्म से बतौर कार्यकारी निर्माता जुड़ी हैं, जबकि इसका निर्देशन ऑरलैंडो वॉन आइन्सीडेल ने किया है।

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'द साइकिल ऑफ लव' का ट्रेलर जारी किया है। वह फिल्म से बतौर कार्यकारी निर्माता जुड़ी हैं, जबकि इसका निर्देशन ऑरलैंडो वॉन आइन्सीडेल ने किया है। इसकी कहानी 1970 के दशक में घटित दिल्ली के रहने वाले 23 वर्षीय कलाकार पीके महानंदिया पर आधारित है, जो सच्चे प्यार की तलाश में भारत से स्वीडन तक 6,000 मील की यात्रा पर साइकिल से निकले थे। ये सेकंड-हैंड साइकिल उन्होंने अपनी पेंटिंग्स बेचकर खरीदी थी। प्रियंका ने लिखा, 'जब मैंने पहली बार उस यात्रा की कहानी सुनी पीके महालंदिया प्यार के लिए महाद्वीपों की साइकिल यात्रा की कहानी सुनकर मैं दंग रह गई। ये उन दुर्लभ, अविश्वसनीय सच्ची कहानियों में से एक है जो लंबे समय तक आपके मन में रहती है।' उन्होंने निर्देशक का आभार जताते हुए लिखा, 'ये फिल्म आशा और अपने दिल की बात मानने के साहस की एक गहरी मानवीय कहानी है। मुझे आपके साथ ट्रेलर साझा करके खुशी हो रही है।' अभिनेत्री ने आगे लिखा, 'फिल्म 28 अगस्त को अमेरिका और 18 सितंबर को ब्रिटेन में रिलीज होगी। जल्द अन्य अंतरराष्ट्रीय रिलीज तारीखों की घोषणा होगी।

हॉलीवुड मसाला

शादी के बाद पहली बार दिखे

लॉस एंजिल्स। कैलिफोर्निया में जुजू स्मिथ-शस्टर की शादी हुई, जहां टेलर स्विफ्ट और ट्रैविस केल्सी शादी के बाद पहली बार पति-पत्नी के रूप में एक साथ किसी बड़े कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान टेलर स्विफ्ट गुलाबी फूलों वाले एक बेहद खूबसूरत बॉल गाउन में नजर आईं, जिसने सबका ध्यान खींचा। वहां टेलर स्विफ्ट ने अपनी शादी की अंगूठी भी दिखाई, वहीं ट्रैविस केल्सी क्लासिक ग्रे सूट में काफी हैंडसम लग रहे थे। इसी महीने की शुरुआत में शादी के बंधन में बंधने के बाद ये इस नई शादीशुदा जोड़ी की पहली बड़ी सार्वजनिक उपस्थिति थी।

'इयूनः पार्ट 3' का धमाकेदार ट्रेलर जारी

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'इयूनः पार्ट 3' इस साल बॉक्स ऑफिस पर तबाही मचाने के लिए तैयार है। डेनिस विलेन्यूव द्वारा निर्देशित फिल्म से टिमोथी चालमेट, जेंडाया और रॉबर्ट पैटिनसन की पहली आधिकारिक झलक पहले ही जारी हो चुकी थी। अब निर्माताओं ने फिल्म का धमाकेदार ट्रेलर जारी कर दिया है, जो ब्रह्मांड के सबसे खूंखार युद्ध का संकेत देता है। साइंस-फिक्शन से भरपूर यह इस फ्रैंचाइजी की तीसरी और आखिरी कड़ी है, जिसमें दमदार वीएफएक्स शामिल है। 'इयूनः पार्ट 3' की कहानी 17 साल आगे से शुरू होती है। इस बार पॉल एट्रीडेस (टिमोथी) के सामने रूप बदलने वाला खलनायक स्काइटेल (रॉबर्ट) खड़ा है। वह उसके साम्राज्य ध्वस्त करना चाहता है। उधर, पॉल और चानी (जेंडाया) के रिश्ते में दूरियां आ चुकी हैं।

'गोलमाल 5' में धमाल मचाएंगी प्रियामणि

मुंबई। रोहित शेट्टी एक बार फिर 'गोलमाल' फ्रैंचाइजी की दुनिया में कदम रख चुके हैं। इस सुपरहिट फिल्म की 5वीं किस्त के साथ अजय देवगन और उनकी पूरी पलटन लौटने के लिए तैयार है। काफी समय से चर्चा थी कि इस बार निर्माता फिल्म में महिला अभिनेत्री को शामिल नहीं करेंगे और यह पूरी तरह से पुरुष प्रधान फिल्म होगी। अब फिल्म पर आई हालिया जानकारी पिछले दावे से पूरी तरह उलट है, क्योंकि एक अभिनेत्री इसमें शामिल हो गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 'गोलमाल 5' से अभिनेत्री प्रियामणि का नाम जुड़ चुका है। 'फैमिली मैन' और 'आर्टिकल 370' जैसी फिल्मों व सीरीज से चर्चा बटोरने वालीं अभिनेत्री फिल्म में एक नकारात्मक किरदार निभाती हुई दिखाई देंगी।

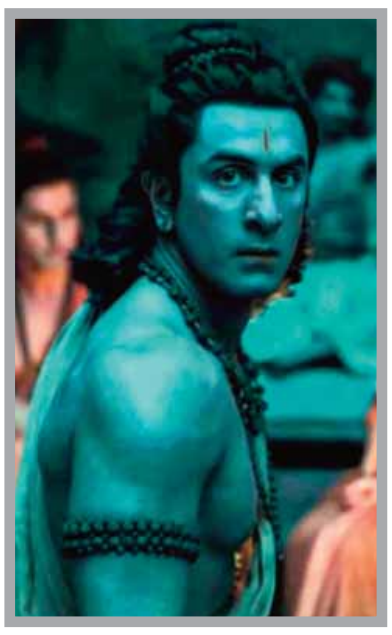

रामायण का ट्रेलर 24 को होगा रिलीज

मुंबई। निर्माता नमित मल्होत्रा की बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायणम का ट्रेलर 24 जुलाई को दुनिया भर में रिलीज किया जाएगा। मेकर्स ने सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए कहा कि फिल्म का ट्रेलर वैश्विक स्तर पर एक साथ प्रीमियर होगा। फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है। इसमें रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका में नजर आएंगे। इसका पहला भाग दिवाली 2026 और दूसरा भाग दिवाली, 2027 में सिनेमाघरों में प्रदर्शित किया जाएगा। मेकर्स के अनुसार, दो भागों में बनाई जा रही इस महागाथा का उद्देश्य भारत के सबसे प्रतिष्ठित महाकाव्यों में से एक रामायण को भव्य सिनेमाई प्रस्तुति, भावनात्मक गहराई और अत्याधुनिक विजुअल इफेक्ट्स के साथ वैश्विक दर्शकों तक पहुंचाना है।

टीवी मसाला

जेब खर्च के खातिर किया छोटा-मोटा काम, 'स्प्लिट्सविला' ने चमका दी किस्मत

नई दिल्ली। एक्टर पारस छाबड़ा ने टीवी की दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। आज भले ही वे बड़ा नाम बन चुके हैं, लेकिन उनकी किस्मत का सितारा चमका था साल 2012 में आए शो 'स्प्लिट्सविला 5' से।

शो ने दिल्ली के लड़के को देखते ही देखते घर-घर में मशहूर कर दिया। पारस छाबड़ा ने न सिर्फ शो में अपना जलवा बिखेरा, बल्कि आकांक्षा पोपली के साथ मिलकर सीजन की ट्रॉफी भी अपने नाम की थी। एक जीत ने उनके लिए ग्लैमर वर्ल्ड के सारे दरवाजे हमेशा के लिए खोल दिए। पारस का बचपन सामान्य नहीं था। उन्होंने बहुत छोटी उम्र में ही अपने पिता को खो दिया था। उनकी मां रूबी छाबड़ा ने अकेले ही बेहद मुश्किल हालातों में उनकी परवरिश की। मां के इसी स्ट्रगल को देखकर पारस के अंदर भी कुछ बड़ा करने की जिद पैदा हुई। कॉलेज की पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने मॉडलिंग में हाथ आजमाना शुरू कर दिया था। उन्होंने शुरुआती दिनों में जेबखर्च के लिए कई छोटे-मोटे काम भी किए उन्हें धीरे-धीरे विज्ञापनों में काम मिलने लगा।

'बिग बॉस 13' साबित हुआ टर्निंग प्वॉइंट : पारस ने 'स्प्लिट्सविला 5' की कामयाबी के बाद कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वे 'वी द सीरियल' में दिखे और साल 2015 में दोबारा 'स्प्लिट्सविला 8' का हिस्सा बने। उन्होंने टीवी सीरियल्स का रुख किया और 'बढ़ो बहू', 'आरंभ', 'कलीरें' और 'अघोरी' जैसे शोज में अपनी एक्टिंग का दम दिखाया। 'विघ्नहर्ता गणेश' सीरियल में निभाया गया उनका रावण का किरदार दर्शकों को खूब पसंद आया। लेकिन उनके करियर का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साल 2019 में आया, जब उन्होंने 'बिग बॉस 13' में एंट्री ली। वे शो में टॉप 6 तक पहुंचे और फिनाले के दिन 10 लाख का सूटकेस लेकर शो से बाहर आ गए।

राजकुमार राव की कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने तैयार...

मुंबई। अभिनेता राजकुमार राव के अभिनय के लोग दीवाने हैं। अब वह एक बार फिर कई बड़े प्रोजेक्ट्स के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। उनकी करीब 6 आगामी फिल्में चर्चा में हैं, जिनमें से 2 इसी साल रिलीज होंगी, जबकि 4 फिल्में 2027 में सिनेमाघरों में दस्तक देंगी। फैंस के बीच उनकी आने वाली फिल्मों को लेकर जबरदस्त उत्साह है। ऐसे में आइए देखते हैं राजकुमार की आने वाली फिल्मों की पूरी सूची।

'प्रहार- द उज्ज्वल निकम स्टोरी' और 'रफ्तार': कोर्टरूम ड्रामा फिल्म 'प्रहार- द उज्ज्वल निकम स्टोरी' इस साल 7 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में राजकुमार के साथ-साथ वमिका गब्बी, जयदीप अहलावत और सिकंदर खेर भी मुख्य किरदार में हैं। राजकुमार की थ्रिलर फिल्म 'रफ्तार' इसी साल 16 अक्टूबर को रिलीज होगी। इस फिल्म में राजकुमार के साथ कीर्ति सुरेश, अनुराग ठाकुर, रोहन वर्मा, तान्या मानिकतला और रजत कपूर मुख्य भूमिका में हैं।

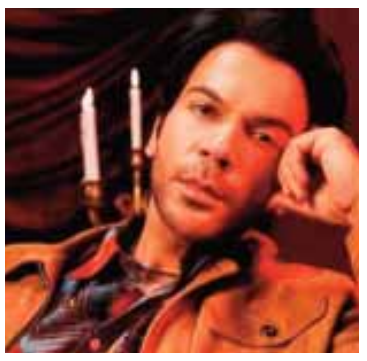

'दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी' और 'भेड़िया 2' : भारतीय क्रिकेटर सौरव गांगुली की बायोपिक फिल्म 'दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी' 14 मई, 2027 में रिलीज होगी। विक्रमादित्य मोटवानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में राजकुमार मुख्य किरदार में दिखाई देंगे। मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की फिल्म 'भेड़िया 2' साल 2027 तक रिलीज हो सकती है। इस फिल्म में वरुण धवन मुख्य किरदार में नजर आएंगे। वहीं राजकुमार एक कैमियो भूमिका में दिखाई देंगे।

'स्त्री 3' और 'छोटी स्त्री' : हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री' के दोनों पार्ट के हिट होने के बाद अब निर्माता इसका तीसरा पार्ट बनाने जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फिल्म 2027 में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में राजकुमार और श्रद्धा कपूर साथ नजर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एनिमेटेड स्पिन-ऑफ फिल्म 'छोटी स्त्री' आने वाली है। इस फिल्म में राजुकार और श्रद्धा नजर आ सकते हैं। हालांकि, मेकर्स ने इसका इसकी रिलीज की तारीख और कास्ट का खुलासा नहीं किया है।

सनी देओल की इन फिल्मों ने की थी खूब कमाई, जीत लिए थे सबके दिल

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता सनी देओल अपनी दमदार अदाकारी और एक्शन फिल्मों के लिए मशहूर हैं। उनकी लीगल कोर्टरूम ड्रामा 'इक्का' अब नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। अगर आप इस फिल्म को देखने की योजना बना रहे हैं, तो उससे पहले सनी की उन सुपरहिट फिल्मों पर भी नजर डालिए, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और करोड़ों की कमाई कर दर्शकों का दिल जीत लिया था।

'गदर 2' और 'गदर: एक प्रेम कथा'

सनी की सबसे कमाऊ फिल्मों की सूची में सबसे पहला नाम 'गदर 2' का है, जो 2023 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने 686 करोड़ रुपये की जबरदस्त कमाई की थी। इस फिल्म में सनी के साथ-साथ अमीषा पटेल भी मुख्य भूमिका में थीं। 'गदर: एक प्रेम कथा' का नाम इस सूची में दूसरे नंबर पर है। ये साल 2001 में रिलीज हुई थी। इसने उस समय दुनियाभर में 132.6 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

'जाट' और 'यमला पगला दीवाना'

एक्शन-ड्रामा फिल्म 'जाट' साल 2025 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुल 126 करोड़ की कमाई की थी। फिल्म में सनी के अलावा रणदीप हुड्डा भी मुख्य भूमिका में थे। कॉमेडी फिल्म 'यमला पगला दीवाना' 2011 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 88.55 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इस फिल्म में सनी के साथ-साथ उनके दिवंगत पिता धर्मेंद्र और बॉबी देओल भी थे।

'बॉर्डर'

निर्देशक जेपी दत्ता के निर्देशन में बनी फिल्म 'बॉर्डर' (1997) भारतीय सिनेमा की सबसे बेहतरीन और ऐतिहासिक देशभक्ति फिल्मों में से एक है। यह फिल्म 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान हुई 'लोंगेवाला की लड़ाई' पर आधारित है। फिल्म में सनी देओल ने मेजर कुलदीप सिंह चांदपुरी का यादगार और दमदार किरदार निभाया था। उनके साथ सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ और अक्षय खन्ना जैसे कलाकारों ने भी शानदार अभिनय किया। इसने 64.98 करोड़ रुपये की रिकॉर्डतोड़ कमाई की थी।

'धमाल 4' के आगे 'अल्फा' ने टेके घुटने 2 करोड़ रुपए कमाने में भी छूटे पसीने...

'धमाल 4' ने पहले दिन कमाए इतने करोड़

'धमाल 4' ने रिलीज के पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है। फिल्म ने पहले ही दिन 10 करोड़ से ज्यादा की कमाई की है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, इस कॉमेडी फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 13.75 करोड़ रुपये के साथ अपना खाता खोला है। इंद्र कुमार के निर्देशन में बनी 'धमाल 4' में रितेश देशमुख, अरशद वारसी, जावेद जाफरी, संजय मिश्रा, रवि किशन, अंजलि आनंद, ईशा गुप्ता और संजीदा शेख भी अहम भूमिका में हैं।

मुंबई। बॉक्स ऑफिस पर इस शुक्रवार यानी 10 जुलाई को अजय देवगन की कॉमेडी फिल्म 'धमाल 4' रिलीज हुई। फिल्म ने सिनेमाघरों में आते ही तहलका मचा दिया है। भले ही फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, लेकिन पहले दिन कमाई के मामले में इसने बाजी मार ली है। आलम ये है कि फिल्म के आगे आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की एक्शन-थ्रिलर 'अल्फा' पूरी तरह पस्त हो गई है। आइए जानें दोनों फिल्मों की कमाई।

'धमाल 4' की आंधी में उड़ी 'अल्फा'

'धमाल 4' के रिलीज होते ही आलिया भट्ट की स्पाई थ्रिलर 'अल्फा' की कमाई को बड़ा झटका लगा है। पहले हफ्ते में 47.45 करोड़ कमाने वाली ये फिल्म अपने आठवें दिन (दूसरे शुक्रवार) बॉक्स ऑफिस पर पस्त नजर आई। फिल्म आठवें दिन 2 करोड़ भी नहीं कमा सकी और महज 1.65 करोड़ रुपये पर सिमट गई। इसके साथ ही 'अल्फा' का 8 दिनों का कुल कारोबार 49.10 करोड़ रुपये हो गया है।

धनुष और वेत्रिमारन की ब्लॉकबस्टर जोड़ी की वापसी, 'तमिल मुरुगन' का पहला प्रोमो रिलीज

मुंबई। साउथ सिनेमा के सुपरस्टार धनुष ने निर्देशक वेत्रिमारन के साथ अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'तमिल मुरुगन' का पहला प्रोमो जारी कर दिया है। इस प्रोमो के सामने आने के बाद से ही फैंस के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता काफी बढ़ गई है। ये फिल्म अरिवुमथी की एक चर्चित किताब पर आधारित है, जो तमिल इतिहास के एक बेहद महान और शक्तिशाली नेता की कहानी को बयां करती है। इस ऐतिहासिक नायक का विशेष जिक्र तमिलों के प्राचीन संगम साहित्य में भी मिलता है। इन फिल्मों में साथ काम कर चुके धनुष और वेत्रिमारन साउथ सिनेमा के सुपरस्टार धनुष और दिग्गज निर्देशक वेत्रिमारन एक बार फिर इतिहास दोहराने के लिए तैयार हैं। ये पांचवीं बार है, जब ये सुपरहिट जोड़ी किसी फिल्म के लिए एक साथ आई है। इससे पहले यह जोड़ी 'पोलधवन', 'आदुवलम', 'वडा चेन्नई' और 'असुरन' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दे चुकी है, जिन्होंने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर कमाई की, बल्कि राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी अपने नाम किए।

सिद्धार्थ की फिल्म 'वन' की बदली रिलीज तारीख

मुंबई। सिद्धार्थ मल्होत्रा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वन- फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' अब 28 अगस्त को नहीं आएगी। निर्माता बालाजी मोशन पिक्चर्स ने एक मोशन पोस्टर जारी करते हुए इसकी नई रिलीज तारीख का ऐलान किया है। दीपक मिश्रा और अरुणम कुमार द्वारा निर्देशित यह फिल्म पहले रक्षाबंधन के अवसर पर सिनेमाघरों में आनी थी। चूंकि उसी हफ्ते में श्रद्धा कपूर की 'ईशा' और यश की 'टॉक्सिक' रिलीज हो रही हैं। इस टकराव से बचने के लिए ये फैसला लिया गया है। निर्माता एकता कपूर ने 'वन' का एनिमेटेड मोशन पोस्टर जारी किया है, जिसमें त्रिशूल लिए एक व्यक्ति खूंखार बाघ और नंदी से घिरा हुआ है। उसके चारो ओर बिजली की कड़क दिखाई गई है। पोस्ट के साथ कैप्शन दिया गया, 'बाघ की दहाड़ है... नंदी उसकी शक्ति है। और वन... उसकी कहानी।' फिल्म में सिद्धार्थ के साथ तमन्ना भाटिया मुख्य किरदार में हैं। यह अब 25 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। इसके बाद अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक देगी।

छग में अब निजी विश्वविद्यालय खोलना होगा आसान, नहीं देनी होगी 3 से 5 करोड़ की विन्यास निधि, 25 एकड़ जमीन की अनिवार्यता भी खत्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

प्रदेश में निजी विवि के स्थापना संबंधित नियम जल्द ही बदलने वाले हैं। नवीन विवि की स्थापना के लिए अनिवार्य भूमि सहित निर्धारित राशि में भी छूट की तैयारी है। दो दिन पहले सीएम विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) (संशोधन) विधेयक, 2026 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया है। इस विधेयक में कई तरह के प्रावधान किए गए हैं। नए नियमों के हिसाब से अब नए विश्वविद्यालय के लिए विन्यास निधि के रूप में अनुसूचित क्षेत्र के लिए 3 करोड़ और सामान्य क्षेत्र के लिए 5 करोड़ की राशि का प्रावधान समाप्त होगा। इसके साथ ही नए विश्वविद्यालय के लिए 25 एकड़ जमीन की अनिवार्यता भी समाप्त हो जाएगी। भारत सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय के विनियमन प्रकोष्ठ की अनुशंसाओं के अनुरूप निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना संबंधी प्रावधानों को अधिक व्यावहारिक, गुणवत्तापूर्ण और समकालीन बनाने के लिए ये बदलाव किए जा रहे हैं। अधिकारियों का मानना है कि इसके तहत निजी विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए विन्यास निधि के स्थान पर रक्षित निधि का प्रावधान लागू करने से अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के भविष्य को संवारने के लिए आवश्यक उपाय सुनिश्चित किए जा सकेंगे। इस संशोधन से राज्य में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा संस्थानों की स्थापना को प्रोत्साहन मिलेगा।

राज्य सरकार का नियम समाप्त

उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें तो राज्य सरकार ने यह बड़ा बदलाव करने के लिए विश्वविद्यालय की स्थापना संबंधी राज्य सरकार के नियम को हटा दिया है। इसकी जगह अब केंद्र का नियम लागू होगा। यही नहीं अब निजी विश्वविद्यालयों को प्रति विद्यार्थी फीस की एक प्रतिशत राशि सरकार के पास जमा करनी होगी। इसमें आधारभूत अधोसंरचना, पुस्तकालय एवं अन्य सुविधाओं को यूजीसी एवं सक्षम नियामक संस्थाओं के मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने का प्रावधान किया गया है।

प्रदेश में 15 शासकीय व 19 निजी विवि

छत्तीसगढ़ में शासकीय विश्वविद्यालयों से अधिक संख्या निजी विश्वविद्यालयों की है। प्रदेश में 15 शासकीय विवि हैं, जबकि निजी विवि 19 हैं। निजी विश्वविद्यालयों में डॉ. सी.व्ही. रमन विवि, मैट्स विवि, कलिंगा विवि, एमिटी विवि, ओपी जिंदल विवि, श्री रावतपुरा सरकार विवि, केके मोदी विवि, देव संस्कृति विवि, श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भारती विवि, आंजनेय विवि, दावड़ा विवि, रुंगटा विवि आदि शामिल हैं। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए निजी व शासकीय दोनों ही विश्वविद्यालयों में दाखिले प्रारंभ हो गए हैं।

Life Insurance Council
Together in service

बीमा सबके लिए' अभियान को गति, आईआरडीएआई ने जारी की उपभोक्ता जागरूकता कॉमिक बुक श्रृंखला

मुंबई। भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) के चेयरमैन अजय सेठ ने 'बीमा सबके लिए' (Insurance for All) के विजन को आगे बढ़ाते हुए उपभोक्ता जागरूकता कॉमिक बुक श्रृंखला का अनावरण किया। इस पहल का उद्देश्य जीवन बीमा से जुड़ी जटिल अवधारणाओं को सरल भाषा और रोचक कहानियों के माध्यम से आम लोगों तक पहुंचाना है। यह कॉमिक बुक श्रृंखला एमडब्ल्यूपी (Married Women's Property Act), वेवर ऑफ प्रीमियम (WoP) और गंभीर बीमारी राइडर जैसी बीमा अवधारणाओं को आसान तरीके से समझाने के लिए तैयार की गई है। इसमें युवा जीवन बीमा सलाहकार सुप्रिया की यात्रा के माध्यम से वित्तीय सुरक्षा और भविष्य की योजना के महत्व को दर्शाया गया है। कार्यक्रम में जीवन बीमा क्षेत्र के प्रमुख प्रतिनिधियों ने बीमा जागरूकता बढ़ाने और हर परिवार तक वित्तीय सुरक्षा पहुंचाने के लिए सामूहिक प्रयासों का संकल्प लिया। आईएसी-लाइफ के अध्यक्ष कमलेश राव ने कहा कि 'बीमा सबके लिए' का उद्देश्य केवल बीमा की पहुंच बढ़ाना नहीं, बल्कि प्रत्येक भारतीय परिवार की वित्तीय योजना में सुरक्षा को महत्वपूर्ण स्थान दिलाना है। लाइफ इंश्योरेंस काउंसिल के महासचिव आदित्य गुप्ता ने कहा कि जीवन बीमा लोगों और परिवारों को अनिश्चित परिस्थितियों के लिए तैयार करता है। उन्होंने उपभोक्ता जागरूकता को बढ़ाने और बीमा को सरल एवं सुलभ बनाने की दिशा में इस पहल को महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर 'इंडिया आस्क्स: व्हाई प्रायोरिटाइज लाइफ इंश्योरेंस?' विषय पर पैनल चर्चा भी आयोजित की गई, जिसमें आईएसी के अध्यक्ष कमलेश राव, एलआईसी के प्रबंध निदेशक दोराईस्वामी, पीएनबी मेटलाइफ के एमडी एवं सीईओ समीर बंसल और इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस के एमडी एवं सीईओ रुशभ गांधी शामिल हुए। चर्चा में जीवन बीमा की भूमिका, वित्तीय सुरक्षा और जागरूकता बढ़ाने के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया।

निजी प्रतिष्ठानों के लिए नए श्रम नियम लागू, महिलाओं की नाइट शिफ्ट और ओवरटाइम 144 घंटे तक हो सकेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में अब निजी क्षेत्र के लिए नए श्रम कानून लागू हो गए हैं। राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ दुकान एवं स्थापना (नियोजन एवं सेवा की शर्तों का विनियमन) (संशोधन) अधिनियम, 2025 विधानसभा में पारित कराया था। इसे अब राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई है। खास बात ये है कि नए कानून के हिसाब से महिला कर्मी अब निर्धारित सुरक्षा शर्तों के साथ रात्रि पाली (नाइट शिफ्ट) में काम कर सकेंगी। यही नहीं ओवर टाइम की लिमिट 125 से बढ़ाकर 144 घंटे साल कर दी गयी है। नए प्रावधान 20 या उससे अधिक कर्मियों वाले संस्थान पर लागू होंगे। पहले यह सीमा 10 कर्मियों वाले संस्थानों पर भी लागू होती थी।

काम के घंटे और ओवरटाइम में बदलाव

संशोधन के तहत प्रतिष्ठानों के संचालन और कर्मचारियों के कार्य समय से जुड़े प्रावधानों में भी परिवर्तन किया गया है। दैनिक कार्य अवधि से संबंधित समय-सीमा में संशोधन किया गया है तथा स्प्रेड-ओवर (काम की कुल अवधि) से जुड़े पुराने प्रतिबंधों में बदलाव किया गया है। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन यह है कि किसी कर्मचारी से एक वर्ष में लिए जा सकने वाले ओवरटाइम की अधिकतम सीमा 125 घंटे से बढ़ाकर 144 घंटे कर दी गई है।

कारोबार और रोजगार दोनों पर असर

जानकारों के अनुसार इन संशोधनों का उद्देश्य बदलती आर्थिक गतिविधियों और 24 घंटे संचालित होने वाले सेवा क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप श्रम कानूनों को अपडेट करना है। महिलाओं के लिए रात्रिकालीन कार्य की अनुमति से सेवा क्षेत्र को अतिरिक्त मानव संसाधन मिलेगा, वहीं ओवरटाइम सीमा बढ़ने से उद्योगों और प्रतिष्ठानों को कार्यबल प्रबंधन में अधिक लचीलापन मिलेगा। दूसरी ओर, महिला कर्मचारियों की सुरक्षा, परिवहन और कार्यस्थल पर आवश्यक सुविधाओं का प्रभावी पालन सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण होगा।

महिलाओं की नाइट शिफ्ट का रास्ता खुला

संशोधन का सबसे महत्वपूर्ण प्रावधान महिलाओं के रोजगार से जुड़ा है। अब राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित सुरक्षा एवं अन्य शर्तों के अधीन महिलाओं को रात 9 बजे से सुबह 6 बजे तक कार्य करने की अनुमति दी जा सकेगी। इससे आईटी, बीपीओ, ई-कॉमर्स, होटल, अस्पताल, कॉल सेंटर और अन्य 24 घंटे 7 दिन सेवाओं वाले क्षेत्रों में महिला रोजगार के अवसर बढ़ने की संभावना है। हालांकि यह अनुमति तभी प्रभावी होगी जब राज्य सरकार अलग से सुरक्षा, परिवहन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं संबंधी शर्तें अधिसूचित करेगी।

वैवाहिकी
वधु चाहिए

वधु चाहिए
59 वर्षीय अविवाहित ब्राह्मण पुरुष, बिलासपुर निवासी हेतु 50 से 62 वर्षीय कामकाजी या सेवानिवृत्त वधू चाहिए (जाति बंधन नहीं, बिना बच्चों वाली तलाकशुदा/ विधवा भी स्वीकार्य)
सम्पर्क करें
7898655147

वधु चाहिए- 34 वर्ष-5'6'' मनवा (कुर्मी), (US) अमेरिका में सॉफ्टवेयर इंजिनियर हेतु शिक्षित मांगलिक वधु चाहिए मो.- 99819-096941, 97552-05590 (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें) (313)

वधु चाहिए- Wanted Bride- Bengalee 42/5'-9'', General Caste, Divorcee. PG from IIIT, Posting Accenture Nagpur, 3 Lakhs/ month. Parents Pensioners. Houses Jabalpur & Kolkata. Caste no bar. Mob- 7987502840 (1007)

MOIL LIMITED
(A Government of India Enterprise)
MOIL Bhavan, 1-A, Katol Road, NAGPUR-440013
Website: www.moil.nic.in
Fax: 0712-2592073
CIN No.: L99999MH1962GOI012398
मॉयल MOIL

E-TENDER NOTICE
E-tenders are invited from reputed and experienced contractors for undertaking the following work:

Sr. No	Description & place of work	Tender No.
1.	Empanelment of Hospitals and Investigation Centers at Balaghat Mine.	MOIL/HOS/ 26-27/EHT/39

For details of tender document & schedule of e-tender visit website http://www.moil.nic.in and http://eprocure.gov.in. Corrigendum if any shall be uploaded only on the website and shall not be published in the news papers.
D.G. M. (M.S.)
For MOIL LIMITED
(हर एक काम, देश के नाम) (MOIL - Adding Strength to Steel)

सतलुज विवाद के बीच नया बवाल

खालड़ा हत्याकांड के दोषी पूर्व डीएसपी हुए गायब?

चंडीगढ़। फिल्म 'सतलुज' (पहले 'पंजाब 95') पर लगे बैन और इससे जुड़े तमाम विवाद के बीच एक नया रहस्यमय घटनाक्रम सामने आया है। जसवंत सिंह खालड़ा हत्याकांड में दोषी करार दिए गए पूर्व डीएसपी जसपाल सिंह को लेकर भी नया विवाद खड़ा हो गया है। नाभा ओपन एग्रीकल्चरल जेल प्रशासन ने पंजाब पुलिस से उनके वर्तमान पते का सत्यापन करने को कहा, क्योंकि होशियारपुर जिले में दर्ज उनके पते पर वह नहीं मिले। पुलिस ने बताया कि जेल प्रशासन की ओर से मिले अनुरोध के बाद पुलिस ने संबंधित गांव में सत्यापन किया, लेकिन वहां जसपाल सिंह नहीं मिले। उन्होंने कहा कि संभव है कि जेल रिकॉर्ड में उनके एक से अधिक पते दर्ज हों, लेकिन होशियारपुर वाले पते पर उनका पता नहीं चल सका।

वकील ने किया खबरों को खारिज

हालांकि, जसपाल सिंह के वकील गगनदीप सिंह घिरे ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा कि उनके मुवक्किल लापता नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर चल रही खबरें भ्रामक हैं। जसपाल सिंह अंतरिम जमानत पर बाहर हैं और फिलहाल पंजाब में अपने बेटे के साथ जालंधर में रह रहे हैं।

पश्चिम मध्य रेल
संकेत एवं दूरसंचार विभाग
खुली निविदा
मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) पश्चिम मध्य रेल्वे, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न लिखित कार्यों हेतु निर्धारित ई- निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा सूचना क्रमांक**-जबल-एन-सिग.-टेंडर-2026-22, **कार्य का नाम लोकेशन सहित**-पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल में IBS (34 संख्या) एवं एल.सी. गेट (34 संख्या) के रिले कक्षों में अग्नि पहचान एवं अलार्म प्रणाली की स्थापना तथा उनके व्यापक वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध (CAMC) सहित सिंगनल एवं दूरसंचार (एस एण्ड टी) कार्य। **निविदा का अनुमानित मूल्य (रू. मे)**-रू. 4,88,05,424.18 **निविदा फार्म की कीमत (रूपये)**- रू. 00/-**कार्यालय का पता**-मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) (कार्यालय प्रथम तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय जबलपुर), **बयाना राशि रुपये**-9,76,100/-, **समापन अवधि (माह)**-11 माह, **निविदा बंद होने की एवं खुलने की अंतिम तिथि एवं समय**- दिनांक 30.07.2026 को 15:00 बजे तक एवं 15.00 बजे के बाद खोली जाएगी। निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेल्वे वेब साइट https://ireps.gov.in उपलब्ध है तथा मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय पश्चिम मध्य रेल जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है। उक्त निविदा उक्त वेबसाइट से ऑनलाइन आवेदन की जा सकती है।
(हस्ता.)
मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार)
पश्चिम मध्य रेल्वे जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

आम सूचना (PUBLIC NOTICE)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारी संस्था मोहनलाल हरगोविंद दास चैरिटेबल ट्रस्ट हॉस्पिटल, राइट टाउन, जबलपुर के अभिलेखागार (Record Room) में रखे पुराने मरीजों के मेडिकल रिकॉर्ड दस्तावेजों का व्यवस्थितिकरण किया जा रहा है।
अत: ऐसे समस्त मरीज या उनके परिजन, जिनका इलाज इस hospital में दिनांक 01.01.2010 से दिनांक 01.01.2016 तक की अवधि के दौरान हुआ है और जिनके महत्वपूर्ण दस्तावेज या मेडिकल फाइलें अस्पताल में जमा हैं, वे दिनांक 11 जुलाई 2026 से दिनांक 15 अगस्त 2026 तक कार्यालयीन समय (सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक) में अस्पताल प्रबंधन से संपर्क कर अपने समस्त दस्तावेज व फाइलें अनिवार्य रूप से प्राप्त कर लें।
विशेष टीप: उक्त निर्धारित अंतिम तिथि (15 अगस्त 2026) के पश्चात इन सभी पुरानी फाइलों को नष्ट (Destroy) कर दिया जाएगा। यदि कोई भी संबंधित व्यक्ति अपनी फाइल समय पर प्राप्त नहीं करता है, तो भविष्य में अस्पताल प्रबंधन की उक्त दस्तावेजों के रख-रखाव के प्रति कोई जिम्मेदारी नहीं होगी और न ही इसके पश्चात भविष्य में उक्त दस्तावेजों के संबंध में अस्पताल के विरुद्ध कोई विधिक वाद (Legal Claim/Suit) प्रस्तुत किया जा सकेगा।
दिनांक: 11/07/2026
स्थान : राईट टाउन, जबलपुर

आज्ञा से,
मोहनलाल हरगोविंद दास चैरिटेबल ट्रस्ट हॉस्पिटल, जबलपुर
संपर्क सूत्र : 9575300131, 9329123479

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी उत्तर शहडोल वनमण्डल - 484001 (म. प्र.)
फोन-07652-245167 ई-मेल - dfotshahd@mp.gov.in
क्रमांक/व्यय/4395 दिनांक 6-7-2026

ई-विज्ञप्ति
वनमण्डल अंतर्गत विभिन्न भवनो आदि मे बोरवेल कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	कार्य का विवरण	निविदा मूल्य
1	BORE WELL WORKS FOR FIYNANCIAL YEAR 2026-27	2500000.00

निविदा के संबंध मे संपूर्ण जानकारी एमपी ई निविदा की ई निविदा क्रमांक 2026_MPFD_519310_1 से प्राप्त करे।
(तरूणा वर्मा) भा.व.से.
G-15516/26 वनमण्डलाधिकारी वनमण्डल उत्तर शहडोल

महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय छतरपुर (म.प्र.)
E-mail : mchhatrasaluniversity@gmail.com
Website : https://mcbu.ac.in
अधिसूचना क्र. 2040/स्था./2026 छतरपुर, दिनांक : 11.07.2026

शैक्षणिक संवर्ग के सह-प्राध्यापक एवं अशैक्षणिक संवर्ग के संचालक शारीरिक शिक्षा तथा सहायक ग्रंथपाल के पदों पर सीधी भर्ती हेतु विज्ञापन 2026

महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर (म.प्र.) के द्वारा शैक्षणिक संवर्ग के **'सह-प्राध्यापक'** के 20 पदों पर सीधी भर्ती हेतु विज्ञापन क्रमांक 1737/स्था./2026 छतरपुर, दिनांक 16.06.2026, गैर शैक्षणिक संवर्ग के **'संचालक शारीरिक शिक्षा'** के 01 पद पर विज्ञापन क्रमांक 1735/स्था./2026 छतरपुर, दिनांक 16.06.2026 एवं **'सहायक ग्रंथपाल'** के 02 पदों का विज्ञापन क्रमांक 1733/स्था./2026, छतरपुर, दिनांक 16.06.2026 जारी किया गया था। जिसमें उक्त तीनों सीधी भर्ती के पदों पर विश्वविद्यालय कार्यालय में आवेदन पत्र प्राप्त हो जाने की अंतिम तिथि 15.07.2026 सायं 6.00 बजे तक थी।
विश्वविद्यालय द्वारा उक्त सीधी भर्ती के पदों पर तिथि में वृद्धि करते हुए विश्वविद्यालय कार्यालय में आवेदन पत्र प्राप्त हो जाने की अंतिम तिथि **दिनांक 30.07.2026 सायं 6.00 बजे तक** अधिसूचित कर दी गई है। आवेदन पत्र भारतीय डाक सेवा की पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। इस विज्ञापन के संबंध में पूर्व में जारी समस्त नियम व शर्तें यथावत रहेंगी। विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट **https://mcbu.ac.in** पर देखे जा सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/126831/2026 कुलसचिव

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती

मिथुन — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय

धनु — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

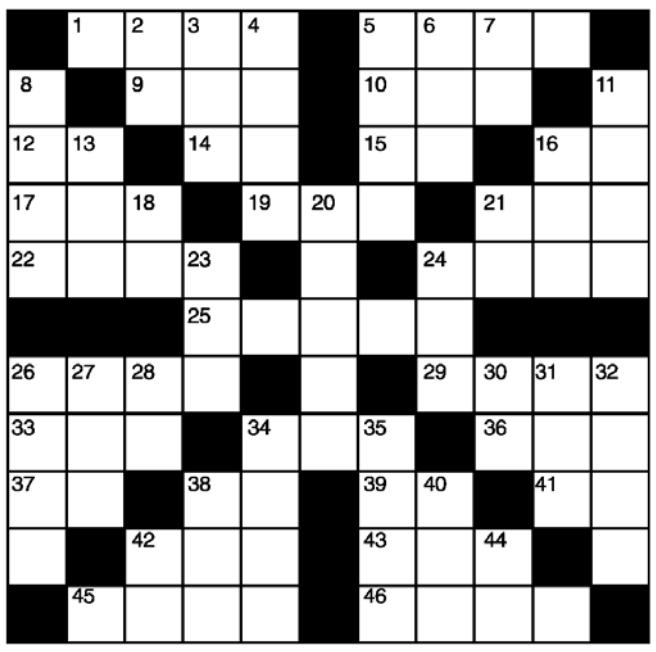

मीन — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

शब्द पहेली - 6284

बाएँ से दाएँ
1.लूटमार,डाका-4
5.रपटना -4
9.डोली उठानेवाले-3
10.पुत्र,लड़का-3
12.अधिकार-2
14.नवीन,नया-2
15.एक विदेशी शराब-2
16.कला,हुनर-2
17.मां का प्यार-3
19.दम,बल,जोर-3
21.पपीहा,पपीहरा-3
22.करामात,कारनामा-4
24.शमशीर,कृपाण-4
25.तरंगित,लहरीय-5
26.बोरिया-बिस्तर-4
29.साले की पत्नी-4
33.प्रयास,यत्न-3
34.सहायता,सहयोग-3
36.लीन,तल्लीन-3
37.गहन वन,बुनाई कर्म-2
38.टुकड़ा,कण-2
39.मैं का बहुवचन-2
41.भीगा हुआ-2
42.अंधकार,अंधेरा-3
43.द्रव मापने की इकाई-3
45.प्राचीर,स्तंभ-4
46.बादला,जरबाफ-4

ऊपर से नीचे
2.अधिकार-2
3.जगत,दुनिया-3
4. सुनसान शांति,-4
5.आदत-4
6.साजन, बालम-3
7.क्रमबद्धता-2
8.मूर्ख,बेवकूफ-4
11.बुनाई करने वाला-4
13.कटि,मध्यांग-3
16.धार्मिक आज्ञा-3
18.पितामह-2
20.कमर में पहनने वाला आभूषण -5
21.चलने का ढ़ंग-2
23.पिया,साजन-3
24.दया,रहम-3
26.बेमिसाल, अनूठा-4
27.स्वदेश,मातृभूमि-3
28.जनता,आम लोग -2
30.मैं का बहुवचन-2
31.अभिरुचि,तल्लीनता-3
32.जनता की राय-4
34.उपाधि,पदवी-4
35.देहरी,चौखट-4
38.कक्ष,रूम-3
40.बटाणा,काबुली-3
42.स्तर,परत-2
44.ईश्वर,खुदा,भगवान-2

शब्द पहेली- 6283 का हल

सूडोकु नवताल - 6294

★★★★★ कठिनतम

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6293 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

MANGAL SEMACHA, BANGALORE

हर वर्ष 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस मनाया जाता है। यह दिवस युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और संभावनाओं को दिशा देने का वैश्विक संकल्प दिवस भी है। विश्व युवा कौशल दिवस हमें यह संदेश देता है कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसके युवाओं के हाथों में होता है और उन हाथों की सबसे बड़ी शक्ति उनका कौशल ही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक युवा इसके महत्व को समझे और देश निर्माण में अपनी भूमिका को निभाए।

स्किल्ड युवाओं से संवरेगा देश-समाज का भविष्य

{ कवर स्टोरी / डॉ. यशोधरा भटनागर }

आज जब दुनिया तीव्र तकनीकी परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), स्वचालन, ग्रीन इकोनॉमी और डिजिटल क्रांति के दौर से गुजर रही है, तब कौशल विकास यानी स्किल डेवलपमेंट केवल रोजगार का प्रश्न नहीं रह गया है। यह सामाजिक न्याय, आर्थिक समृद्धि, आत्मनिर्भरता और सतत विकास का आधार बन चुका है। इसमें संदेह नहीं किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसके प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि उसके कुशल नागरिक होते हैं। भारत जैसे युवा देश के लिए यह तथ्य और भी महत्त्वपूर्ण है। हमारे पास विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी है। यदि यह युवा वर्ग उचित शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल से सुसज्जित हो जाए, तो अपना देश भारत केवल जनसंख्या के आधार पर ही नहीं, बल्कि ज्ञान, नवाचार और उत्पादकता के आधार पर भी संपूर्ण विश्व का नेतृत्व कर सकता है।

विश्व युवा कौशल दिवस की पृष्ठभूमि

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2014 में 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस के रूप में घोषित किया। इसका उद्देश्य युवाओं, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा संस्थानों, उद्योगों और नीति-निर्माताओं के बीच ऐसा संवाद स्थापित करना था, जिससे युवाओं को बदलती दुनिया की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल प्राप्त हो सके। इस दिवस का मूल स्पष्ट संदेश है कि युवाओं को केवल शिक्षित करना पर्याप्त नहीं, उन्हें दक्ष, सक्षम और आत्मनिर्भर बनाना भी उतना ही आवश्यक है।

कौशल का व्यापक अर्थ

कौशल यानी स्किल का अर्थ केवल किसी मशीन को चलाना या किसी तकनीक में दक्ष होना नहीं है। कौशल एक समग्र अवधारणा है, जिसमें ज्ञान, व्यवहार, दृष्टिकोण और कार्यकुशलता का संतुलित समावेश होता है। आज कौशल के अनेक आयाम उपलब्ध हैं। तकनीकी एवं व्यावसायिक कौशल, डिजिटल और आईटी कौशल, संचार एवं अभिव्यक्ति कौशल, नेतृत्व एवं प्रबंधन क्षमता, समस्या-समाधान और आलोचनात्मक चिंतन, उद्यमिता एवं वित्तीय साक्षरता, रचनात्मकता और नवाचार, भावनात्मक बुद्धिमत्ता तथा टीमवर्क। इन मानवीय गुणों के कौशल से यह बात पूरी तरह स्पष्ट हो जाती है कि कौशल केवल हाथों की दक्षता नहीं, बल्कि मस्तिष्क, व्यक्तित्व और मानवीय मूल्यों का समन्वय होता है।

बदलती दुनिया में नई चुनौतियां

इक्कीसवीं सदी का रोजगार बाजार निरंतर बदल रहा है। अनेक पारंपरिक कार्य एआई और ऑटोमेशन के कारण परिवर्तित हो रहे हैं। ऐसे समय में केवल एक बार सीखा गया ज्ञान जीवन भर पर्याप्त नहीं रह सकता। आज आवश्यकता है निरंतर सीखने की। डिजिटल तकनीक, डेटा विश्लेषण, साइबर सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, रोबोटिक्स, स्वास्थ्य सेवाएं, कृषि-प्रौद्योगिकी और रचनात्मक उद्योग जैसे क्षेत्रों में नए अवसर लगातार विकसित हो रहे हैं। इन अवसरों का लाभ वही युवा उठा पाएगा, जो स्वयं को समय के अनुसार निरंतर अद्यतन करता रहेगा।

कौशल और आत्मनिर्भरता

कौशल व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाता है। वह केवल नौकरी पाने की प्रतीक्षा नहीं करता, बल्कि अपने लिए नए अवसरों का निर्माण करता है। यही कारण है कि आज स्टार्टअप कल्चर, सामाजिक उद्यमिता और इनोवेशन को विशेष महत्त्व दिया जा रहा है। एक कुशल कारीगर, किसान, डिजाइनर, प्रोग्रामर, शिक्षक या तकनीशियन सभी राष्ट्रनिर्माण में समान रूप से योगदान देते हैं। किसी भी कार्य का सम्मान उसकी उपयोगिता से निर्धारित होता है, न कि उसके सामाजिक वर्गीकरण से। कौशल सम्मानजनक श्रम की संस्कृति को भी सुदृढ़ करता है।

जीवन कौशल का महत्व

तकनीकी दक्षता के साथ-साथ जीवन कौशल भी अत्यंत आवश्यक हैं। प्रभावी संवाद, समय-प्रबंधन, सहयोग, सहानुभूति, नेतृत्व, नैतिकता और तनाव-प्रबंधन ऐसे गुण हैं, जो किसी भी व्यक्ति को सफल ही नहीं, बल्कि संतुलित और जिम्मेदार नागरिक भी बनाते हैं। आज के युवा को केवल तकनीकी रूप से सक्षम नहीं, बल्कि सामाजिक रूप से संवेदनशील भी होना होगा। तकनीक का उपयोग तभी सार्थक है जब वह मानवता के हित में हो।

सभी वर्गों का हो कौशल विकास

विश्व युवा कौशल दिवस हमें यह भी स्मरण कराता है कि कौशल विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचना चाहिए। ग्रामीण युवाओं, महिलाओं, दिव्यांगजनों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को समान अवसर उपलब्ध कराना समावेशी विकास की अनिवार्य शर्त है। किसी राष्ट्र का भविष्य केवल उसके सपनों से नहीं, बल्कि उन सपनों को साकार करने वाले कुशल हाथों से निर्मित होता है। कौशल वह दीप है जो आत्मविश्वास को प्रकाशित करता है, श्रम को सम्मान देता है और संभावनाओं को उपलब्धियों में बदल देता है। आज आवश्यकता ऐसी पीढ़ी तैयार करने की है जो ज्ञानवान होने के साथ-साथ कर्मनिष्ठ, सृजनशील और उत्तरदायी भी हो। k

भविष्य के कौशल में रोजगार ही नहीं उत्तरदायित्व भी शामिल करना होगा

भविष्य के कौशलों में तकनीकी दक्षता के साथ पर्यावरणीय चेतना, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक नेतृत्व भी सम्मिलित होंगे। जलवायु परिवर्तन, सतत विकास और ग्रीन इकोनॉमी की चुनौतियां ऐसे युवाओं की मांग करती हैं, जो इनोवेशन के साथ संवेदनशीलता भी रखते हों। वास्तविक कौशल वही है, जो व्यक्ति को सफल होने के साथ-साथ उपयोगी और उत्तरदायी भी बनाए। श्रम के सम्मान और उत्कृष्टता की साधना को अपना जीवन मंत्र बनाए। जब युवा अपने कौशल से आत्मविश्वास अर्जित करेंगे, तब वे केवल अपने जीवन को नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की दिशा भी बदलेंगे। विकसित भारत का स्वप्न केवल योजनाओं से नहीं, बल्कि करोड़ों कुशल, सृजनशील, संवेदनशील और आत्मनिर्भर युवाओं के हाथों से साकार होगा।

निश्चय ही कुशल युवाओं के हाथों में ही वह शक्ति निहित है, जो विकसित, समृद्ध, समावेशी और मानवीय भारत के स्वप्न को यथार्थ में बदल सकती है। यही विश्व युवा कौशल दिवस का सार है और यही हमारे समय का सबसे बड़ा राष्ट्रीय संकल्प भी।

काम करने की दौड़-भाग में पीछे छूट ना जाए जिंदगी !

पैसा कमाने के लिए, जीवन में प्रगति, पद, प्रतिष्ठा के लिए काम करना तो जरूरी है। लेकिन कुछ लोगों को काम करने की लत लग जाती है। इसकी धुन में वे जिंदगी जीना ही जैसे भूल जाते हैं। इससे बचना क्यों जरूरी है, इससे कैसे बचें, आपको जरूर जानना चाहिए।

{ लाइफस्टाइल / वीरेंद्र बहादुर सिंह }

आज की दुनिया में काम सिर्फ जरूरत नहीं, पहचान भी बन चुका है। जिस व्यक्ति के पास काम है, उसे सफल माना जाता है। सुबह से रात तक भागते लोग, मोबाइल पर झुकी आंखें, लैपटॉप पर टिके हाथ और दिमाग में लगातार घूमती डेडलाइन, यह सब आधुनिक जीवनशैली का सामान्य दृश्य बन गया है। लेकिन कई बार हमारे भीतर यह सवाल भी उठने लगता है कि क्या हम काम कर रहे हैं, या काम हमें नियंत्रित कर रहा है?

मेहनती और वर्कोहोलिक में फर्क: मन लगाकर काम करने वाला व्यक्ति मेहनती कहलाता है। लेकिन मेहनती इंसान काम के साथ आराम करता है, परिवार के साथ समय बिताता है और अपने मन को विराम भी देता है। लेकिन वर्कोहोलिक व्यक्ति के लिए काम छोड़ना आसान नहीं होता। वह खाली बैठते ही बेचैन हो जाता है। उसे लगता है कि अगर वह काम नहीं करेगा तो समय बर्बाद होगा। ऐसे लोग छुट्टी के दिन भी लैपटॉप खोलकर बैठ जाते हैं।

सफलता की चमक में भीतर का अंधेरा: यह सच है कि ज्यादा काम करने वाले लोग जल्दी सफलता पा लेते हैं। ऑफिस में उनकी छवि जिम्मेदार और कर्मठ व्यक्ति की बनती है। प्रमोशन जल्दी मिलता है, आय बढ़ती है और समाज भी ऐसे लोगों को सम्मान की नजर से देखता है। लेकिन हर चमकती चीज सुकून नहीं देती। वर्कोहोलिक व्यक्ति बाहर से सफल दिख सकता है, मगर कई बार भीतर से टूटने लगता है। रिश्तों में दूरी आने लगती है। दोस्त छूट जाते हैं। परिवार के साथ बैठने का समय नहीं बचता। धीरे-धीरे जिंदगी सिर्फ टारगेट और डेडलाइन तक सीमित हो जाती है।

शरीर-मन के लिए अहितकर: विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन (आईएलओ) के अध्ययन बताते हैं कि सप्ताह में 55 घंटे या उससे अधिक काम करना गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक, हाई ब्लड प्रेशर, अनिद्रा और मानसिक थकान जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। ये रिपोर्ट्स संकेत देती हैं कि अत्यधिक काम अब सिर्फ जीवनशैली नहीं, स्वास्थ्य संकट बनता जा रहा है। लगातार या बिना आराम किए काम करने वाला व्यक्ति मानसिक रूप से भी कमजोर होने लगता है। चिंता, बेचैनी, अवसाद और चिड़चिड़ापन बढ़ने लगता है। कई बार इंसान को यह अहसास भी नहीं होता कि वह भीतर से टूट रहा है। वह सिर्फ यह सोचता रहता है कि थोड़ा और काम कर लूं, फिर आराम करूंगा। लेकिन ऐसा वक्त कभी नहीं आता।

रिश्तों पर पड़ता है बुरा असर: वर्कोहोलिज्म का सबसे गहरा असर रिश्तों पर पड़ता है। बच्चे पिता का इंतजार करते रहते हैं, पति-पत्नी के बीच बातचीत कम हो जाती है, दोस्तों से मुलाकातें खत्म होने लगती हैं। इससे रिश्ते भीतर से सूखने लगते हैं।

आराम है बहुत जरूरी: सच यह है कि इंसान मशीन नहीं है। शरीर को आराम चाहिए, मन को शांति चाहिए और आत्मा को अपनेपन की जरूरत होती है। अगर जिंदगी में सिर्फ काम ही बच जाए, तो उपलब्धियां भी एक दिन बोझ लगने लगती हैं। इसलिए कभी-कभी बिना किसी उद्देश्य के बैठना भी जरूरी होता है। अपने बच्चों के साथ हंसना, दोस्तों से बातें करना, किताब पढ़ना, संगीत सुनना, ये भी जिंदगी का हिस्सा हैं। जरूरत सिर्फ इतनी है कि हम अपने दिन की योजना समझदारी से बनाएं। k

{ कविता / कुलदीप सिंह भाटी }

पिता

पिता अब तक नहीं बना पाए
अपनी माकूल जगह कविताओं में
नहीं है पिता में
आत्म-विश्वास की कोई कमी
और न ही कह सकते हैं
इसे उनकी असफलता
न ही ऐसा कि
बैठ नहीं पाते वे फिट
कविताओं में
और न ही कविताएं अक्षम हैं
बरत पाने में पिताओं को
पिता भी शायद ही सकुचाते हों
कविताओं संग आते हुए
पिता ने कविताओं को
बेटियों की तरह पाला
वे कभी-कभार क्षणांश
तब ही आ पाते हैं
आज भी कविताओं में
जब बेटियों सरीखी कविताएं
खुद दौड़ पड़ती हैं उनकी ओर
अपनी बांहों में भर लेने के लिए।

{ व्यंग्य / पूनम पांडे }

फटकार का मौसम

हमारे लोकतंत्र में एक अद्भुत ऋतु आती है। न यह बरसात है, न बसंत, न चुनावी मौसम। इसका नाम है-फटकार ऋतु। इस ऋतु में मंत्री जी गरजते हैं, विधायक जी बरसते हैं, सांसद जी तमतमाते हैं और अधिकारी...। अधिकारी ऐसे बैठे रहते हैं, जैसे योग शिविर में अनुलोम-विलोम कर रहे हों।

जिले की समीक्षा बैठक शुरू होती है। नेता जी की त्यौरियां ऐसी चढ़ी होती हैं, मानो आज तो प्रशासन की शामत तय है। नेताजी पूछते हैं, 'यह सड़क अभी तक टूटी क्यों है?' अफसर कहते हैं, 'जी, टेंडर प्रक्रिया में है।' वे फिर पूछते हैं, 'अस्पताल में डॉक्टर नहीं हैं?' अधिकारी कहते हैं, 'जी, भर्ती प्रक्रिया में है।' नाराज होकर मंत्री जी पूछते हैं, 'तालाब सूखा क्यों है?' जवाब मिलता है, 'जी, वर्षा प्रक्रिया में है।' अब बेचारे बादल भी सोचते होंगे कि हमारे बरसने का ठेका भी किसी फाइल में अटक गया क्या! बैठक में जितनी बार 'प्रक्रिया' शब्द बोला जाता है, उतनी बार अगर काम हो जाए तो देश अगले सोमवार तक विकसित हो जाए।

नेता जी का गुस्सा भी बड़ा मेहनती होता है। मेज पर मुक्का मारते हैं। फाइलें कांप जाती हैं। पानी का गिलास हिल जाता है। कैमरे चौकन्ने हो जाते हैं। मगर अधिकारी? उनके चेहरे पर वही शांति, मुस्कान होती है, जो तपस्वी के चेहरे पर होती है। लगता है जैसे वे मन ही मन 'डांटाय नमः फटकाराय नमः' का जाप कर रहे हों।

अब अधिकारियों ने भी जीवन का गूढ़ दर्शन समझ लिया है। वे जानते हैं कि फटकार एक मौसमी फल है। मौसम आया, फल गिरा, मौसम गया, फल सड़ गया। बस! पहले जमाने में लोग चेचक निकलने पर प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर लेते थे। अब सरकारी अफसर फटकार सुन-सुनकर आलोचना-प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर चुके हैं। जिस अफसर को पांच साल में सौ फटकारें पड़ जाएं, उसे तो प्रशासनिक विश्वविद्यालय से मानद उपाधि मिलनी चाहिए, डॉक्टर ऑफ फटकार मैनेजमेंट।

आपने गौर किया होगा, अधिकारी डांट खाते समय कभी बहस नहीं करते, क्योंकि उन्हें मालूम है कि डांट की भी एक्सपायरी डेट होती है। बैठक समाप्त होते ही उसका असर वैसे ही उड़ जाता है, जैसे शादी के पंडाल से मेहमान। अगले दिन अखबार की हेडलाइन आती है। 'मंत्री जी का सख्त रुख, अधिकारियों की लगाई क्लास।' जनता चाय की चुस्की लेते हुए खुश हो जाती है 'चलो, आज तो खबर ली गई।' लेकिन उधर अधिकारी भी चाय की चुस्की लेते हुए कहते हैं, 'आज की हेडलाइन ठीक है। पिछली बार वाली फोटो ज्यादा अच्छी आई थी।' कभी-कभी तो लगता है कि सरकार को 'फटकार मंत्रालय' अलग से बना देना चाहिए। वहां रोज अभ्यास हो। सुबह नौ बजे-हल्की फटकार। दोपहर बारह बजे-कड़ी फटकार। शाम पांच बजे-अत्यंत कड़ी फटकार। रात को प्रेस नोट-भविष्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह वाक्य इतना पुराना हो चुका है कि पुरातत्व विभाग चाहे तो इसे खुदाई में मिली धरोहर घोषित कर दे।

हमारे तंत्र में सबसे अद्भुत जीव अगर कोई है, जिसे किसी चिड़ियाघर में रखा जाना चाहिए, तो वह है-चिकना घड़ा अधिकारी। इस प्रजाति की विशेषता है कि डांट इस पर ऐसे फिसलती है, जैसे गरम तवे पर पानी। मंत्री जी पूछते हैं, 'काम क्यों नहीं हुआ?' उत्तर मिलता है, 'जी, प्रयास जारी है।' फिर पूछा जाता है, 'कब तक होगा?' जवाब मिलता है, 'जी, शीघ्र होगा।'

असल बीमारी यह नहीं कि कुछ अधिकारी काम नहीं करते। बीमारी यह है कि काम न करने की भी कोई कीमत उन्हें नहीं चुकानी पड़ती। जब कुर्सी पर धूल जम जाए मगर कुर्सी न हिले, तब डांट मनोरंजन बन जाती है। आखिर नेता भी क्या करें? वे हर बैठक में वही संवाद बोलते हैं। अधिकारी हर बैठक में वही उत्तर देते हैं। पत्रकार हर बैठक में वही खबर लिखते हैं। जनता हर बैठक में वही उम्मीद पालती है। लगता है पूरा प्रशासन किसी पुराने रेडियो नाटक का पुनर्प्रसारण बन गया है। k

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

रोचक औपन्यासिक विमर्श

राजेंद्र यादव और मन्नू भंडारी के द्वारा लिखे गए उपन्यास 'एक इंच मुस्कान' को हिंदी साहित्य में अपनी तरह का अनोखा उपन्यास माना जाता है। अब से कुछ समय पूर्व प्रकाशित होकर आया उपन्यास 'फांसी' भी इसी धारा की कृति है। इसे भी दो लेखकों उद्भ्रांत और शैलेश पंडित ने मिलकर लिखा है। उपन्यास के आरंभिक सात अध्याय उद्भ्रांत ने लिखे फिर कई वर्षों के बाद अगले उन्नीस अध्याय शैलेश पंडित ने लिखकर इसे पूरा कर दिया था, पर उनके द्वारा किए गए कथांत से उद्भ्रांत संतुष्ट नहीं हुए और उन्होंने चार नए अध्याय लिखकर उपन्यास का अंत किया। तुलनात्मक रूप से उद्भ्रांत, शैलेश पंडित से वरिष्ठ हैं, लेकिन एक ही कथाभूमि पर दोनों ने जिस संतुलन के साथ कहानी को आगे बढ़ाया है, वह पाठक को अचरज में डाल सकता है। इसे पढ़ते हुए क्राइम थ्रिलर उपन्यास पढ़ने का भी एहसास होता है। उपन्यास के मुख्य पात्र का जीवन अनपेक्षित मोड़ों से होते हुए अपराध, जेल और फांसी के फंदे तक पहुंच जाता है। लेकिन यहीं पर आकर उपन्यास, किसी अपराधी को फांसी की सजा देने या न देने पर विमर्श का रूप लेता है। इस तरह उपन्यास का अंत न्याय प्रक्रिया में फांसी की सजा दिए जाने पर सवाल उठाता है। उपन्यास का कथा प्रवाह शुरू से अंत तक बांधे रखता है। k

किताब: फांसी (उपन्यास), **लेखक:** उद्भ्रांत-शैलेश पंडित,
मूल्य: 375 रुपए, **प्रकाशक:** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

मेरिनो ने फिर पलटी बाजी, सेमीफाइनल में स्पेन

करीबी मुकाबले में बेल्जियम को 2-1 से हराया

मिकेल मेरिनो ने लगातार दूसरे मैच में कमाल दिखाया और मैदान पर उतरने के बाद अपने दूसरे मिनट में ही निर्णायक गोल दागा, जिससे स्पेन ने बेल्जियम को करीबी मुकाबले में 2-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

'मैंने लगातार दूसरे मैच में ऐसा किया, इसलिए लगता है कि संयोग जैसी कोई चीज होती है। अगर आप तैयार हैं और कोशिश करते हैं तो कोई भी ऐसा कर सकता है। किस्मत ने भी मेरा साथ दिया।' मेरिनो ने अपने पहले विश्व कप में दो गोल किए हैं और ये दोनों ही ऐतिहासिक हैं।

– मिकेल मेरिनो
स्ट्राइकर, स्पेन

एजेंसी ▶▶| इंगलवुड

मेरिनो 86वें मिनट में मैदान पर आए और उन्होंने 88वें मिनट में बेल्जियम के बैकअप गोलकीपर सेने लैमेंस की गलती का फायदा उठाकर गोल कर दिया। उन्होंने बॉक्स में घुसकर तब गोल दागा जब लैमेंस पाउ कुबार्सी के लंबे शॉट पर रिबाउंड को नहीं रोक पाए थे। यह लगातार दूसरा मैच था जबकि मेरिनो ने स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरकर निर्णायक गोल किया। मेरिनो ने पिछले मैच में स्पेन की पुर्तगाल पर 1-0 की जीत में इंजरी टाइम के शुरुआती समय में सब्स्टीट्यूट के रूप में मैदान पर आने के चार मिनट बाद ही गोल कर दिया था। स्पेन सेमीफाइनल में टूर्नामेंट के प्रबल दावेदार फ्रांस का सामना करेगा।

टूर्नामेंट में पहली बार स्पेन ने खाया गोल

स्पेन के लिए फैबियान रुइज ने 30वें मिनट में गोल किया। बेल्जियम के फॉरवर्ड चार्ल्स डी केटेलेरे ने 41वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। यह टूर्नामेंट में पहला अवसर है जबकि स्पेन ने गोल खाया। स्पेन मार्च 2023 से लगातार 37 मैचों में अजेय रहा है। वह 2010 में खिताब जीतने के बाद पहली बार विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचा है। बेल्जियम का सभी प्रतियोगिताओं में लगातार 18 मैचों में अजेय रहने का सिलसिला समाप्त हो गया।

गोलकीपर लैमेंस 71वें मिनट में उतरे मैदान पर

गोलकीपर लैमेंस को 71वें मिनट में मैदान में उतरना पड़ा, क्योंकि बेल्जियम के लंबे समय से गोलकीपर रहे थिबाउट कर्टोइस जांघ में चोट लगने के कारण मैदान से बाहर चले गए थे। बेल्जियम ने अंतिम मिनटों में बराबरी का गोल करने के लिए जीजान से प्रयास किया, लेकिन आयमेरिक लापोर्टे ने सर्वश्रेष्ठ मौके पर शॉट बाहर मार दिया।

सेमीफाइनल में स्पेन और फ्रांस के बीच होगी भिड़ंत

स्पेन और फ्रांस के बीच मंगलवार को टेक्सास के अर्लिंग्टन में रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है। इस साल के विश्व कप में दोनों में से कोई भी टीम हारी नहीं है। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने कहा, 'यह दो दिग्गज टीम के बीच मुकाबला होगा लेकिन हम मैच जीतने में सक्षम हैं। उनकी टीम लाजवाब है लेकिन मुझे अपनी टीम पर पूरा भरोसा है।'

फाइनल पिच के टुकड़ों को बेचेगा फीफा

ईस्ट रदरफोर्ड। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा विश्व कप में कमाई करने का कोई मौका नहीं गंवा रही है और अब उसने उस पिच के टुकड़ों को बेचने का फैसला भी किया है, जहां इस टूर्नामेंट का फाइनल खेला जाएगा। फीफा पहले ही विश्व कप के टिकट और अन्य चीजों को ऊंची कीमतों पर बेचने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है और अब वह न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में 19 जुलाई को होने वाले फाइनल में इस्तेमाल होने वाली पिच के प्रत्येक टुकड़े को 450 डॉलर (लगभग 43000 रुपए) की दर से बेच रहा है। फीफा के स्टोर के अनुसार प्रत्येक टुकड़े का आकार 17.5 गुणा 17.5 गुणा 17.5 है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि यह आंकड़ा इंच, सेंटीमीटर या मिलीमीटर में है। फुटबॉल के शासी निकाय ने यह जानने के लिए भेजे गए ईमेल का तुरंत जवाब नहीं दिया। फीफा की वेबसाइट पर लिखा गयाा है, ''फुटबॉल इतिहास के एक प्रामाणिक हिस्से को अपने पास संजोकर रखें, जो फीफा विश्व कप 2026 के (फाइनल की) पिच का एक टुकड़ा है।'

अमेरिका, मैक्सिको बाहर गिरी टिकटों की कीमत

ईस्ट रदरफोर्ड। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा विश्व कप में कमाई करने का कोई मौका नहीं गंवा रही है और अब उसने उस पिच के टुकड़ों को बेचने का फैसला भी किया है, जहां इस टूर्नामेंट का फाइनल खेला जाएगा। फीफा पहले ही विश्व कप के टिकट और अन्य चीजों को ऊंची कीमतों पर बेचने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है और अब वह न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में 19 जुलाई को होने वाले फाइनल में इस्तेमाल होने वाली पिच के प्रत्येक टुकड़े को 450 डॉलर (लगभग 43000 रुपए) की दर से बेच रहा है। फीफा के स्टोर के अनुसार प्रत्येक टुकड़े का आकार 17.5 गुणा 17.5 गुणा 17.5 है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि यह आंकड़ा इंच, सेंटीमीटर या मिलीमीटर में है। फुटबॉल के शासी निकाय ने यह जानने के लिए भेजे गए ईमेल का तुरंत जवाब नहीं दिया। फीफा की वेबसाइट पर लिखा गयाा है, ''फुटबॉल इतिहास के एक प्रामाणिक हिस्से को अपने पास संजोकर रखें, जो फीफा विश्व कप 2026 के (फाइनल की) पिच का एक टुकड़ा है।'

खबर संक्षेप

एवियन चैंपियनशिपः अदिति ने कट में बनाई जगह

एवियन-लेस-बैंस। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने दूसरे दौर में एक अंडर 70 का स्कोर बनाकर अमुंडी एवियन चैंपियनशिप के कट में जगह बनाई। लेडीज यूरोपियन टूर में पांच बार की विजेता अदिति का 36 होल के बाद कुल स्कोर दो अंडर है और वह संयुक्त 38वें स्थान पर हैं। अदिति अपना 38वां मेजर टूर्नामेंट खेल रही हैं, जो किसी भी भारतीय पुरुष या महिला गोल्फर के लिए एक बड़ा रिकॉर्ड है। वह इस प्रतियोगिता में नौ बार में से पांचवीं बार कट में जगह बनाने में सफल रही। उन्होंने दूसरे दौर में चार बर्डी लगाई और इस बीच तीन बोगी भी की। इंग्लैंड की लॉटी वोड सात अंडर 64 का शानदार राउंड खेलकर आधे चरण के बाद 11 अंडर-पार के साथ शीर्ष पर पहुंच गई हैं।

गोलकीपर जीते 'गोल्डन बॉल' : सुब्रत पॉल

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज गोलकीपर सुब्रत पॉल का मानना है कि अमेरिका में चल रहा फीफा विश्व कप लियोनेल मेस्सी, किलियन एमबाप्पे, एर्लिंग हालैंड और हैरी केन जैसे स्ट्राइकर के लिए ही नहीं, बल्कि गोलकीपरों के असाधारण प्रदर्शन के लिए भी याद किया जाएगा। भारत की तरफ से 84 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले पॉल का मानना है कि फीफा विश्व कप के अंतिम चरण तक पहुंचने वाली टीमों की सफलता का श्रेय काफी हद तक उनके गोलकीपरों को जाता है। उन्होंने कहा, 'यह विश्व कप पूरी तरह से गोलकीपरों का है। मुझे लगता है कि गोलकीपर मैच जीतने, क्लीन शीट (मैच में एक भी गोल नहीं खाना) हासिल करने और स्कोर बराबर रखने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

तीरंदाजी : महिला टीम ने जीती चांदी

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

भारतीय तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम, प्रिथिका प्रदीप और चिकिथा तनीपार्थी की तिकड़ी ने विश्व कप के चौथे चरण की महिला कंपाउंड टीम स्पर्धा के फाइनल में मजबूत कोलंबिया से 228-232 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

इस रजत पदक के साथ भारत ने सत्र के अंतिम टूर्नामेंट में अपना खाता खोला। भारतीय दल को दिन में बाद में होने वाले मुकाबलों में पदकों की संख्या बढ़ाने की उम्मीद है। किशोर तीरंदाज प्रिथिका ने महिला कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा के सेमीफाइनल में भी जगह बना ली है और अब उन्हें दोहरा पदक जीतने के लिए केवल एक और जीत की जरूरत है।

प्रिथिका ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

रिकर्व वर्ग में दो पदकों की दौड़ में भारत

भारत रिकर्व वर्ग में भी दो पदकों की दौड़ में बना हुआ है। एक अन्य किशोर तीरंदाज कीर्ति शर्मा भी दोहरा पदक जीतने की उम्मीद लगाए हुए हैं। कीर्ति शर्मा रिकर्व मिश्रित टीम के कांस्य पदक मुकाबले में भारत के नंबर एक तीरंदाज धीरज बोम्मदेवरा के साथ उतरेंगी। साथ ही कीर्ति महिला व्यक्तिगत स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं तो एक और जीत से उनका एक और पदक सुनिश्चित हो जाएगा। महिला कंपाउंड टीम रैंकिंग में दुनिया की तीसरे नंबर की भारतीय टीम ने अप्रैल में मैक्सिको के पुएब्ला में आयोजित तीरंदाजी विश्व कप के पहले चरण में स्वर्ण पदक जीता था। हालांकि इस बार वह दुनिया की 14वें नंबर की कोलंबिया के सामने कोई खास चुनौती पेश नहीं कर सकी। कोलंबियाई टीम ने शानदार वापसी करते हुए पूरे दबदबे के साथ खिताब अपने नाम किया। सत्रह वर्षीय प्रिथिका ने छह बार 10 अंक का निशाना लगाया। हालांकि टीम की सबसे बड़ी निराशा अनुभवी ज्योति सुरेखा वेन्नम का खराब प्रदर्शन से हुई, जिन्होंने अपने आठ तीरों में केवल तीन बार 10 अंक हासिल किए।

अनिमेष की 100 मीटर दौड़ में नई उपलब्धि, हासिल किया दूसरा स्थान

एजेंसी ▶▶| वेटजलर

राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाई कर चुके फर्राटा धावक अनिमेष कुजूर ने विदेशी धरती पर किसी भारतीय का 100 मीटर दौड़ में अब तक का सबसे तेज समय निकालकर 'वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर प्रतियोगिता फास्ट आर्म्स फास्ट लेग्स मीट' में दूसरा स्थान हासिल किया।

इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने फाइनल में 10.14 सेकंड के अपने

व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ फिनिश लाइन पार की। उन्होंने इससे पहले क्वालीफाइंग में 10.19 सेकंड का समय निकाला था। फाइनल में निकाला गया उनका समय किसी भारतीय का दूसरा सबसे तेज समय है।

गुरिंदरवीर सिंह ने मई में रांची में फेडरेशन कप में 10.09 सेकंड का समय निकालकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। अनिमेष मुख्य रूप से 200 मीटर दौड़ में भाग लेते हैं और वह इस स्पर्धा में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक भी हैं। वह ग्लास्गो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार भाग लेंगे।

पुरुष ट्रैप निशानेबाजों ने किया निराश

शॉटगन विश्व कप : नीरु ने बनाया 'परफेक्ट' स्कोर, बनाई बढ़त

एजेंसी ▶▶| लोनाटो

भारत की नीरु ढांडा ने आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप की महिला ट्रैप प्रतियोगिता में शानदार शुरुआत करते हुए क्वालीफाइंग के पहले तीन राउंड के बाद 'परफेक्ट' स्कोर हासिल कर बढ़त बना ली है।

मौजूदा एशियाई और राष्ट्रीय चैंपियन 26 वर्षीय नीरु ने लगातार तीन राउंड में 25-25 का 'परफेक्ट' स्कोर बनाकर 75 अंक हासिल किए। अपने इस शानदार प्रदर्शन से वह 106 निशानेबाजों के बीच शीर्ष पर पहुंच गई हैं। उन्होंने अपनी करीबी प्रतिद्वंदी अमेरिका की राहेल

टोजियर और स्लोवाकिया की जुज़ाना रेहाक स्टेफेसेकोवा पर दो अंक की बढ़त हासिल कर रखी है।

पदक की दौड़ से बाहर पुरुष ट्रैप निशानेबाज

भारत के पुरुष ट्रैप निशानेबाजों के लिए पहला दिन निराशाजनक रहा और वे पदक की दौड़ से लगभग बाहर हो गए हैं। एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में शामिल अहवर रिजवी ने 75 में से 70 अंक हासिल किए और वह लगभग दो दर्जन निशानेबाजों के साथ 59वें स्थान पर हैं। शपथ भारद्वाज 68 का स्कोर बनाकर 103वें स्थान पर, जबकि अनुभवी काइनन चेनाई 67 का स्कोर बनाकर 208 निशानेबाजों में 19 अन्य खिलाड़ियों के साथ 117वें स्थान पर हैं।

इनियन ने जीता छठा ला प्लाग्ने ओपन

ला प्लाग्ने। भारतीय ग्रैंडमास्टर पी इनियन ने आयोजित छठे ला प्लाग्ने ओपन अंतरराष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंट के मास्टर्स वर्ग में अपराजित रहते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। तेईस साल के इनियन ने 9 दौर में 7.5 अंक हासिल कर खिताब जीता।

भारतीय खिलाड़ी ने टूर्नामेंट में भी एक भी बाजी नहीं गंवाई। उन्होंने छह मुकाबले जीते और तीन ड्रॉ खेले, जिससे वह स्पष्ट बढ़त के साथ चैंपियन बने। टूर्नामेंट में 20 देशों के 142 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिनमें 13 ग्रैंडमास्टर और 22 अंतरराष्ट्रीय मास्टर शामिल थे। पहले दौर में वॉकओवर मिलने और दूसरे दौर का मुकाबला ड्रॉ रहने के बाद इनियन ने लगातार दो जीत दर्ज कर लय हासिल की। पांचवें दौर में एक और ड्रॉ के बाद उन्होंने लगातार तीन मुकाबले जीतकर खिताब लगभग सुनिश्चित कर लिया।

विंबलडन देखने पहुंचे शुभमन, अल्काराज के खेल में ढूंढी बल्लेबाजी की झलक

एजेंसी ▶▶| लंदन

टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल का कहना है कि उन्हें टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज के खेल में अपनी बल्लेबाजी की झलक दिखाई देती है और उन्होंने स्पेनिश खिलाड़ी के 'ड्रॉप शॉट' की तुलना अपने खास 'शॉर्ट-आर्म' शॉट से की।

गिल विंबलडन के पुरुष एकल सेमीफाइनल मुकाबले देखने पहुंचे। इस अवसर पर उनके साथ दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और उनकी पत्नी अंजलि तेंदुलकर मौजूद रहे। उन्होंने महान टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर की प्रशंसा की। उन्होंने खेल के उन दिग्गजों के नाम बताए, जिन्हें वह अपने 'ड्रीम डिनर' में आमंत्रित करना चाहेंगे। आधुनिक टेनिस में अल्काराज का ड्रॉप शॉट सबसे प्रभावी रणनीतिक हथियारों में से एक माना जाता है जबकि गिल शॉर्ट-पिच गेंदों पर अक्सर 'शॉर्ट-आर्म' (पूरी बाजू के बजाय कोहनी को थोड़ा मोड़कर खेलना) शॉट खेलते हैं।

फेडरर को बताया अपना पसंदीदा टेनिस खिलाड़ी

गिल ने कहा, 'मैं विंबलडन जीतने के लिए सिनर का समर्थन कर रहा हूं। वह शानदार खिलाड़ी हैं और कोर्ट के अंदर और बाहर खुद को बेहतरीन तरीके से पेश करते हैं।'

'ड्रीम डिनर' मेहमानों के बारे में की चर्चा

गिल ने कहा, 'अल्काराज का ड्रॉप शॉट मुझे क्रिकेट के 'शॉर्ट-आर्म जैब' की याद दिलाता है। मैं भी यह शॉट खेलता हूं और यह मेरा खास शॉट है। यह धोखा देने वाला और बेहद प्रभावी है।'उन्होंने अपने 'ड्रीम डिनर' मेहमानों के बारे में सेरेना विलियम्स, फेडरर, क्रिकेट के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और वेस्टइंडीज के दिग्गज सर विवियन रिचर्ड्स का नाम लिया। उन्होंने कहा, 'सेरेना विलियम्स, रोजर फेडरर और फिर क्रिकेटरों में सर विवियन रिचर्ड्स और सचिन सर। ये चार दिग्गज हैं, जिनके साथ मैं बैठकर डिनर करना चाहूंगा।'

डायमंड लीगः उपलब्धि हासिल करने वाले बने पहले भारतीय एथलीट

सर्वेश का धमाकेदार डेब्यू, ऊंची कूद में बनाया रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| मोनाको

राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक सर्वेश कुशारे ने मोनाको में डायमंड लीग में अपने पदार्पण पर ही तीसरा स्थान हासिल करके ऊंची कूद में यह उपलब्धि हासिल करने वाला पहला भारतीय एथलीट बनकर इतिहास रचा और खुद को विशिष्ट क्लब में शामिल कर दिया।

वह इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में शीर्ष तीन में जगह बनाने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। 31 वर्षीय खिलाड़ी ने कई स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी वाली इस प्रतियोगिता में 2.26 मीटर की कूद लगाकर तीसरा स्थान हासिल किया। वह पिछले महीने भुवनेश्वर में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैंपियनशिप में 2.31 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने के महज दो सप्ताह बाद इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे थे।

शीर्ष तीन में जगह बनाने वाले चौथे भारतीय बने कुशारे

कुशारे भाला फेंक के सुपरस्टार नीरज चोपड़ा (2022 से 13 बार), लंबी कूद के खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर (2023 में एक बार) और चक्का फेंक के पूर्व एथलीट विकास गौड़ा (2015 में दो बार) के बाद डायमंड लीग प्रतियोगिता में शीर्ष तीन में जगह बनाने वाले चौथे भारतीय बन गए हैं। कुशारे ने तीसरे स्थान पर रहकर कतर के तीन बार के विश्व चैंपियन और तोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता मुताज एस्सा बरशिम और अमेरिका के 2023 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता जुवॉन हैरिसन जैसे स्टार खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा।

डोरोशचुक ने जीता खिताब

बरशिम 2.20 मीटर के प्रयास के साथ संयुक्त आठवें स्थान पर रहे। यूक्रेन के विश्व इंडोर चैंपियन ओलेह डोरोशचुक ने 2.32 मीटर की कूद लगाकर खिताब जीता, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के जैक किमानी 2.30 मीटर की कूद के साथ दूसरे स्थान पर रहे। किमानी तीन प्रयासों में भी 2.32 मीटर की कूद नहीं लगा सके, जबकि डोरोशचुक ने इसे अपने पहले ही प्रयास में हासिल कर दिखाया। किमानी भाग्यशाली रहे क्योंकि वह अपने तीसरे प्रयास में ही 2.16 मीटर की ऊंचाई को पार कर सके थे, जबकि कुशारे ने इसे आसानी से पार कर लिया।

ग्राम बामना में विकास कार्य और सरकारी योजनाएं बहाल कराने की मांग वाली जनहित याचिका निरस्त

ग्राम पंचायत की सभी आधिकारिक गतिविधियां बंद करें: हाई कोर्ट

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने सागर जिले की बांदा तहसील के ग्राम बामना में विकास कार्य और सरकारी योजनाएं बहाल कराने की मांग वाली जनहित याचिका निरस्त कर दी। एसीजे विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने कहा कि पगरा बांध परियोजना के तहत प्रभावित लोगों को मुआवजा दिया जा चुका है। ऐसे में ग्रामीणों को डूब क्षेत्र या आसपास की सरकारी भूमि पर बने रहने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है।

कोर्ट ने कहा कि यदि गांव में स्थायी नागरिक सुविधाएं और विकास कार्य जारी रखे गए तो इससे ग्रामीणों को वहीं रहने का प्रोत्साहन मिलेगा। जिससे पुनर्वास योजना के क्रियान्वयन में अनावश्यक बाधा उत्पन्न होगी। इसलिए जनहित में ग्राम पंचायत की आधिकारिक गतिविधियां बंद किया जाना उचित है। याचिका बामना निवासी संजय यादव व जगदीश यादव ने दायर की थी। उनका कहना था कि सरकारी निधि रोके जाने से सड़क, नाली, शौचालय समेत बुनियादी विकास कार्य ठप हैं।

पत्नी और नवजात की देखभाल के लिए अस्थायी जमानत

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे एक दोषी को अस्थाई जमानत दे दी। जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस अवनींद्र कुमार सिंह की डिवीजन बेंच ने आवेदक को पत्नी और नवजात शिशु की देखभाल के लिए 12 दिन की अस्थायी जमानत प्रदान की है। सिंगरौली जिला न्यायालय से दोषसिद्ध आवेदक की ओर से बताया गया कि उसकी गर्भवती पत्नी ने बच्चे को जन्म दिया है और देखभाल के लिए परिवार में कोई अन्य सक्षम व्यक्ति नहीं है। लाला राम वैश्य सहित चार आरोपितों को सिंगरौली जिला न्यायालय ने जनवरी 2026 में हत्या के आरोप में दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इस फैसले को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट में अपील दायर की गई है। सुनवाई के दौरान आरोपी ने गर्भवती पत्नी की देखभाल के लिए अस्थायी जमानत का आवेदन प्रस्तुत किया था। पहले हाई कोर्ट ने आवेदन में बताए गए तथ्यों का सत्यापन कराने के निर्देश दिए थे। अगली सुनवाई में सरकारी अधिवक्ता ने भी पुष्टि की कि अपीलकर्ता की पत्नी ने हाल ही में बच्चे को जन्म दिया है। तथ्यों के सत्यापन के बाद युगलपीठ ने आरोपी को 12 दिन की अस्थायी जमानत मंजूर करते हुए निर्देश दिया कि वह 20 जुलाई, 2026 को शाम पांच बजे तक संबंधित ट्रायल कोर्ट के समक्ष आत्मसमर्पण करेगा।

आरोपी के कब्जे से कोई गांजा या अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई है और न ही अभियोजन ऐसा कोई स्वतंत्र प्रत्यक्ष साक्ष्य

200 किलो गांजा तस्करी केस में 'पायलटिंग' के आरोपी को हाईकोर्ट से जमानत

जबलपुर। शहडोल जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र के बहुचर्चित 200 किलोग्राम गांजा तस्करी प्रकरण में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने आरोपी मनीष शुक्ला को जमानत दे दी है। न्यायमूर्ति देव नारायण मिश्रा की एकलपीठ ने यह राहत देते हुए कहा कि मामले की सुनवाई और विचारण निचली अदालत में जारी रहेगा। अभियोजन के अनुसार 13-14 अप्रैल की दरमियानी रात जैतपुर थाना क्षेत्र के कामता मोड़ पर हुए एक सड़क हादसे में तीन लोगों की कुएं में गिरने से मौत हो गई थी। हादसे की जांच के दौरान पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों से करीब 200 किलोग्राम गांजा बरामद किया था। भारी मात्रा में मादक पदार्थ की बरामदगी और तीन रहस्यमयी मौतों के कारण यह मामला पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बन गया था। पुलिस ने जांच के दौरान मनीष शुक्ला को भी आरोपी बनाया। आरोप था कि वह गांजा से भरे वाहनों की पायलटिंग कर रहा था और पूरे नेटवर्क को सुरक्षित रास्ता उपलब्ध कराने में उसकी भूमिका थी। इसी आधार पर उसके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। हाईकोर्ट में आरोपी की ओर से अधिवक्ता निखिल भट्ट ने तर्क दिया कि मनीष शुक्ला को केवल सह-अभियुक्त के मेमोरेंडम कथन के आधार पर आरोपी बनाया गया है। उसके कब्जे से कोई गांजा या अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई है और न ही अभियोजन ऐसा कोई स्वतंत्र प्रत्यक्ष साक्ष्य प्रस्तुत कर पाया है, जिससे उसकी संलिप्तता प्रथम दृष्टया सिद्ध हो सके। बचाव पक्ष ने यह भी कहा कि केवल मेमोरेंडम कथन का स्वतंत्र साक्ष्यात्मक मूल्य नहीं होता। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायमूर्ति देव नारायण मिश्रा की एकलपीठ ने आरोपी को जमानत देने का आदेश पारित किया। हालांकि अदालत ने मामले के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी नहीं की है और स्पष्ट किया है कि मुख्य प्रकरण का परीक्षण निचली अदालत में विधि अनुसार जारी रहेगा।

फिटनेस-टैक्स-परमिट में गड़बड़ी पर आरटीओ ने की कार्रवाई

स्कूल के बाहर चेकिंग में 5 वाहन नियम तोड़ते मिले

जबलपुर। सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यावसायिक वाहनों के खिलाफ परिवहन विभाग ने शनिवार को विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रिंकू शर्मा के निर्देशन में एमएम इंटरनेशनल स्कूल के पास की गई जांच के दौरान सात वाहनों की जांच की गई, जिनमें से पांच वाहनों में फिटनेस, टैक्स और परमिट से जुड़ी गंभीर अनियमितताएं मिलीं। सभी दोषी वाहनों के खिलाफ मोटरयान अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई की गई।

जांच के दौरान एमपी-20-पीए-8297 बिना वैध फिटनेस के संचालित होता मिला। एमपी-20-जेडएन-2088 पर टैक्स संबंधी अनियमितता पाई गई। वहीं एमपी-16-पी-5544 बिना टैक्स और परमिट के सड़क पर दौड़ता मिला। इसके अलावा एमपी-54-पी-0207 और एमपी-09-डीए-5544 में भी वैध परमिट नहीं पाया गया। दूसरी ओर एमपी-66-पी-0418 और एमपी-20-डीए-7744 सभी दस्तावेजों के साथ नियमों के अनुरूप संचालित पाए गए। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रिंकू शर्मा ने कहा कि सड़क सुरक्षा और परिवहन नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए इस तरह के अभियान लगातार जारी रहेंगे। उन्होंने वाहन संचालकों से सभी आवश्यक दस्तावेज अद्यतन रखने की अपील करते हुए चेतावनी दी कि भविष्य में नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ और अधिक सख्त कार्रवाई की जाएगी।

4 साल की देरी से भी नहीं खत्म हुआ बीमा का हक

जबलपुर। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि वास्तविक दुर्घटना होने पर मात्र तकनीकी कारणों से बीमाधारक के अधिकारों का हनन नहीं किया जा सकता। आयोग ने माना कि उपभोक्ता संरक्षण कानून का उद्देश्य वास्तविक पीड़ित को राहत देना है न कि प्रक्रिया संबंधी कमियों का सहारा लेकर उसके वैध अधिकारों से वंचित करना।आयोग के अध्यक्ष पंकज यादव एवं सदस्य सोनल पंडित की पीठ ने नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को सेवा में कमी का दोषी मानते हुए बैतूल निवासी मोहन चक्र अग्रवाल के पक्ष में राहत के आदेश दिए। परिवादी की बोलेरो वर्ष 2020 में दुर्घटनाग्रस्त होकर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। बीमा कंपनी ने दुर्घटना की सूचना करीब चार वर्ष चार माह बाद मिलने, वाहन के कथित व्यावसायिक उपयोग तथा क्षमता से अधिक सवारियां होने का हवाला देकर दावा निरस्त कर दिया था। परिवादी की ओर से अधिवक्ता अरुण जैन ने सर्वोच्च न्यायालय के ओम प्रकाश बनाम रिलायंस जनरल इंश्योरेंस मामले का हवाला देते हुए तर्क दिया कि यदि दुर्घटना वास्तविक है तो सूचना देने में हुई देरी अकेले दावा अस्वीकार करने का आधार नहीं हो सकती। आयोग ने इस दलील को स्वीकार करते हुए कहा कि बीमा कंपनी के अपने सर्वेयर ने भी दुर्घटना और वाहन की क्षति को वास्तविक पाया था। ऐसे में दावा निरस्त करना उपभोक्ता के साथ अन्याय है। आयोग ने कंपनी को नियमानुसार दावा निपटाने और परिवादी को राहत देने के निर्देश दिए।

फर्जी बिल बुक मिलने पर एफआईआर

अवैध रेत भंडारण पर कार्रवाई कर पोकलेन मशीन की जब्त

जबलपुर। जिले में अवैध खनिज गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खनिज, राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने पाटन तहसील के ग्राम हरदुआ में अवैध रूप से भंडारित रेत जब्त की है। कार्रवाई के दौरान मौके से लावारिस हालत में मिली एक पोकलेन मशीन भी कब्जे में ली गई। जब्त रेत और मशीन को आगामी आदेश तक थाना पाटन की अभिरक्षा में रखा गया है। खनिज अधिकारी ए.के. राय ने बताया कि कार्रवाई एसडीएम सृष्टि प्रजापति के मार्गदर्शन और एसडीओपी आदित्य सिन्हारिया के नेतृत्व में की गई।

इसी अभियान के दौरान ग्राम गाड़ाघाट टोल के पास खनिज रेत के परिवहन में इस्तेमाल की जा रही फर्जी बिल बुक भी बरामद की गई। गोविंद धुर्वे के कब्जे से जब्त रसीद बुक के आधार पर प्रथम दृष्टया फर्जी तरीके से रेत परिवहन और व्यापार किए जाने की आशंका पर थाना पाटन में एफआईआर दर्ज कराई गई है। कार्रवाई में तहसीलदार सच्चिदानंद त्रिपाठी, थाना प्रभारी गोविंद सिंह राजपूत, खनिज निरीक्षक विवेकानंद यादव सहित राजस्व, पुलिस और खनिज विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

भोपाल से आ रही जांच टीम करेगी पड़ताल, एफआईआर की तैयारी

1 हजार टन गेहूं 'गायब' वेयरहाउस में मचा हड़कंप

जबलपुर। सरकारी अनाज भंडारण व्यवस्था में एक और बड़े घोटाले की परत खुल गई है। शहर के अन्नपूर्णा और मां नर्मदा वेयरहाउस में औचक निरीक्षण के दौरान करीब 1 हजार टन गेहूं स्टॉक से गायब मिला। शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि कमी को छिपाने के लिए कागजी रिकॉर्ड में हेराफेरी की गई और दूसरे वेयरहाउसों के दस्तावेजों का सहारा लेकर स्टॉक को "मैनेज" करने की कोशिश की गई।

मामला सामने आते ही शासन स्तर पर हड़कंप मच गया। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने इसे गंभीर अनियमितता मानते हुए भोपाल से वरिष्ठ अधिकारियों की विशेष जांच टीम जबलपुर भेजने के निर्देश दिए हैं। टीम वेयरहाउस के भौतिक स्टॉक, परिवहन चालान, स्टॉक रजिस्टर और ऑनलाइन पोर्टल के रिकॉर्ड का बारीकी से मिलान करेगी, ताकि यह पता लगाया जा सके कि आखिर हजारों क्विंटल सरकारी गेहूं कहां और कैसे गायब हुआ।

अधिकारियों की भूमिका भी जांच के घेरे में

सूत्रों के मुताबिक जांच अब केवल वेयरहाउस संचालकों तक सीमित नहीं रहेगी। उपार्जन व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। आशंका है कि बिना प्रशासनिक संरक्षण के इतनी बड़ी गड़बड़ी संभव नहीं थी। यदि जांच में मिलीभगत के प्रमाण मिले तो संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों और वेयरहाउस संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आपराधिक कार्रवाई की जाएगी।

श्रीजी वेयरहाउस कांड के बाद फिर वही सवाल

जबलपुर में यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले श्रीजी वेयरहाउस से करीब 1400 टन धान गायब होने का मामला भी सुर्खियों में आया था, लेकिन उस प्रकरण में प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से कई सवाल अनुत्तरित रह गए। अब नए मामले के बाद शासन पुराने प्रकरणों की फाइलें भी खोलने की तैयारी में है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि सरकारी अनाज की हेराफेरी कहीं संगठित नेटवर्क के जरिए तो नहीं की जा रही।

भोपाल की रिपोर्ट तय करेगी जिम्मेदारी

जिले में लगातार सामने आ रही अनाज गड़बड़ियों ने सरकारी भंडारण और निगरानी व्यवस्था की साख पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शासन ने स्पष्ट कर दिया है कि जांच पूरी तरह निष्पक्ष होगी और दोषियों को किसी भी स्तर पर संरक्षण नहीं मिलेगा। अब पूरे मामले की नजरें भोपाल से आने वाली जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं, जिससे तय होगा कि 1 हजार टन गेहूं गायब होने के पीछे लापरवाही थी, भ्रष्टाचार या फिर एक सुनियोजित खेल।

हवा में नमी घटी, छुटपुट वर्षा की संभावना

बारिश थमीं: दिन और रात का पारा उछला

जबलपुर। दो दिन से बारिश थमने के बाद पारे में अचानक उछाल आ गई है. इससे गर्मी और उमस बढ गई है. साथ ही पारे में उछाल आ गया है। शनिवार को आसमान पर हलके बादल छाए रहे. बीच बीच में धूप भी निकली, लेकिन बारिश नहीं हुई।

मौसम खुलते ही पारे में उछाल आ गया और दिन का तापमान औसत से 1 डिग्री ऊपर चला गया। रात में जरूर ठण्डी हवायें चलीं। मौसम विभाग का कहना है कि मानसूनी सिस्टम कमजोर पड़ गया है। इन दिनों मानसून उत्तर प्रदेश और पंजाब तरफ सक्रिय है। बंगाल की खाड़ी से उठी टर्फ लाईन पंजाब की तरफ सक्रिय है। अगले 1 हफ्ते बाद मध्य प्रदेश में मानसून फिर सक्रिय होगा उसके बाद बारिश होगी, तब तक छुट-पुट वर्षा का दौर जारी रहेगा। स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार उड़ीसा से आए मानसूनी बादल अभी पूर्वी मध्यप्रदेश के ऊपर छाए हुए थे जो अब पश्चिमी दिशा की ओर शिफ्ट हो गये।

पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 32.6 डिग्री सेल्सियस जो सामान्य से 1 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 25.07 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। हवा में नमीं प्रातःकाल 80 प्रतिशत और सायंकाल 56 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5.33 पर और सूर्यास्त शाम 7.00 बजे हुआ। इस वर्ष एक जून से अब तक कुल वर्षा 181.4 मिमी (6) इंच हुई है। जबकि गत वर्ष आज के दिन तक कुल वर्षा 503.4 मिमी 15 इंच हो चुकी है। पश्चिमी हवाएं 7 से 8 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ पानी की बौछारे पड़ सकती है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240